संकल्प परिवर्तन का

लखनऊ, सोमवार
18.03.2024
वर्षः 15
अंकः 327 पृष्ठः 08
मूल्यः 02 रूपया
स्थापितः वर्ष 2009
RNI-UPHIN/2009/28265

नवसत्ता

15वां वर्ष विश्वास का

www.navsatta.com लखनऊ व रायबरेली से एक साथ प्रकाशित तथा समस्त उत्तर भारत में प्रसारित हिन्दी दैनिक

हम नरेंद्र मोदी से नहीं, बल्कि हम एक शक्ति से लड़ रहे हैं : राहुल

एजेंसी

मुंबई, 17 मार्च (नवसत्ता) मणिपुर से मुंबई तक भारत जोड़ो न्याय यात्रा के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बीजेपी पर हमला बोला है। राहुल गांधी ने मुंबई न्याय संकल्प यात्रा के मौके पर कहा कि सत्तारूढ़ बीजेपी शोर बहुत मचाती है लेकिन उसमें संविधान को बदलने का साहस नहीं है। राहुल ने यह भी कहा कि सच्चाई और देश की जनता उनके साथ है। बीजेपी सांसद अनंतकुमार हेगड़े ने हाल में कहा था कि उनकी पार्टी को संविधान में संशोधन करने के लिए और कांग्रेस द्वारा इसमें जोड़ी गई अनावश्यक चीजों को हटाने के लिए संसद के दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता होगी।

इसके बाद बीजेपी ने हेगड़े की टिप्पणियों से पैदा हुए विवाद को शांत करने की कवायद में इसे उनका निजी विचार बताया और उनसे स्पष्टीकरण मांगा था।राहुल गांधी मुंबई में महात्मा गांधी के आवास मणि भवन से अगस्त क्रांति मैदान तक 'न्याय संकल्प पदयात्रा' करने के बाद यहां एक सभा को संबोधित कर रहे थे।

अगस्त क्रांति मैदान में ही ब्रिटिश राज से आजादी के लिए भारत के संघर्ष के दौरान 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन शुरू हुआ था। उन्होंने कहा कि बीजेपी भाजपा बहुत शोर मचाती है लेकिन उसमें संविधान को बदलने का साहस नहीं है। सच्चाई और लोगों का समर्थन हमारे साथ है। वायनाड से लोकसभा सदस्य राहुल ने कहा कि मौजूदा लड़ाई केवल बीजेपी और कांग्रेस के बीच नहीं बल्कि दो विचारों के बीच है। उन्होंने कहा कि कोई सोचता है कि देश एक केंद्र से चलना चाहिए, जहां एक व्यक्ति के पास सारा ज्ञान है। इसके विपरीत, हम सोचते हैं कि शक्ति का विकेंद्रीकरण होना चाहिए और लोगों की आवाज सुनी जानी चाहिए।राहुल ने कहा कि अगर किसी व्यक्ति के पास आईआईटी (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान) की डिग्री है तो इसका यह मतलब नहीं है कि उसके पास किसी किसान के मुकाबले ज्यादा ज्ञान है। झलेकिन बीजेपी इस तरह काम नहीं करती है। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सोच है कि सिर्फ एक व्यक्ति के पास ज्ञान है...किसान, मजदूर और बेरोजगार युवाओं को कोई ज्ञान नहीं है। शनिवार को कांग्रेस सांसद ने मध्य मुंबई में डॉ. भीमराव आंबेडकर के स्मारक चैत्यभूमि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करके और संविधान की प्रस्तावना पढ़कर अपनी 63 दिवसीय भारत जोड़ो न्याय यात्रा का समापन किया। यह यात्रा 14 जनवरी को संघर्षग्रस्त मणिपुर से शुरू हुई थी।

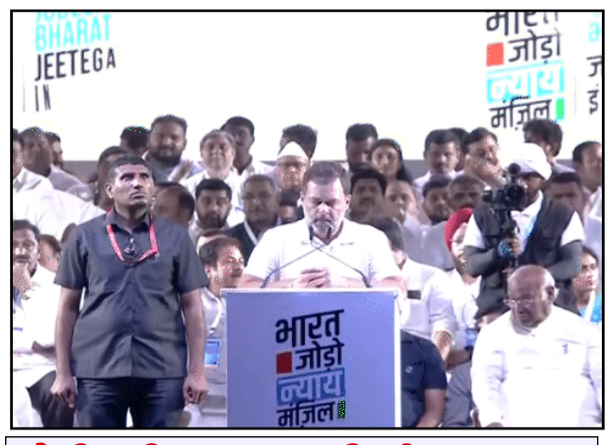

मोदी की लापरवाही से पुलवामा में जवान शहीद हुए : महबूबा

पीडीपी चीफ महबूबा मुफ्ती ने कहा कि पीएम मोदी ने कुछ काम नहीं किया, लेकिन जनता से पुलवामा के शहीदों के नाम पर वोट मांगे। उन शहीदों के नाम पर वोट मांगे, जिनकी जान पीएम की लापरवाही की वजह से चली गई। जनता ने फिर भी वोट दे दिया। इसके बावजूद मोदी ने 10 साल में न तो नौकरियां दीं और न ही महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की।

भारत जोड़ो यात्रा देश को पुनर्स्थापित करने की यात्रा है : स्टालिन

तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने कहा- हमने जनता की सेवा के लिए राजनीति में प्रवेश किया। राहुल गांधी ने भारत के दिल को समझने के लिए पूरे भारत का दौरा किय। यह भारत को पुनर्स्थापित करने की यात्रा है, जिसे बीजेपी ने नष्ट कर दिया है।

महाराष्ट्र के लिए काला दिन वो था, जब शिंदे ने विधायक खरीदे : अनिल देशमुख

एनसीपी -शरदचंद्र पवार के नेता अनिल देशमुख ने कहा कि महाराष्ट्र के लिए काला दिन वह था, जब शिंदे ने हर विधायक को 50 करोड़ रुपए की रिश्वत देकर शिवसेना से 50 विधायक ले लिए और सीएम बन गए। जब अजित पवार ने 40 विधायकों के साथ हमारी पार्टी छोड़ी, वह भी दिन महाराष्ट्र के लिए काला दिन था।

जांच एजेंसियों से डरने वालों को बोलने का अधिकार नहीं : नाना पटोले

सीएम शिंदे के बयान पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि जो ईमानदारी से संविधान की रक्षा करते हैं, वे देशभक्त हैं। लेकिन जो लोग केवल सत्ता के लिए हैं और जांच एजेंसियों से डरते हैं, उन्हें बोलने का कोई अधिकार नहीं है। दरअसल, सीएम ने कहा था कि आज शिवसेना के लोगों के लिए काला दिन है। इस शिवाजी पार्क से बालासाहेब ठाकरे ने देश को दिशा दिखाई दी थी। आज इसी पार्क में विपक्षी पार्टियों की रैली हो रही है। ये वो लोग हैं, जो वीर सावरकर पर सवाल उठा चुके हैं।

चुनाव आयोग ने ताजा चुनावी बॉन्ड डेटा किया सार्वजनिक

एजेंसी

नई दिल्ली, 17 मार्च (नवसत्ता) चुनाव आयोग ने चुनावी बॉन्ड पर राजनीतिक दलों से प्राप्त डेटा को रविवार को जारी किया। यह वही डेटा है जिसे चुनाव आयोग की तरफ से सीलबंद लिफाफे में सुप्रीम कोर्ट को दिया गया था। माना जा रहा है कि ये विवरण 12 अप्रैल, 2019 से पहले की अवधि के हैं। इस तिथि के बाद के चुनावी बॉन्ड विवरण पिछले सप्ताह चुनाव आयोग द्वारा सार्वजनिक किए गए थे। चुनाव आयोग ने आज एक बयान में कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने डेटा सीलबंद लिफाफे में वापस कर दिया है। जिसके बाद इसे आयोग की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है।

गौरतलब है कि चुनाव आयोग ने 19 अप्रैल से 1 जून तक सात चरणों में होने वाले लोकसभा चुनावों की तारीखों की घोषणा के एक दिन बाद डेटा जारी किया है। एबीआई और चुनाव आयोग ने अदालत में सभी दस्तावेज पेश कर दिए थे. चुनाव आयोग ने इलेक्टोरल बॉन्ड मामले में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से मिला पहला डेटा गुरुवार को अपनी वेबसाइट पर अपलोड कर दिया था. चुनाव आयोग की वेबसाइट में 763 पेजों की दो लिस्ट डाली गई थी। पहली लिस्ट में इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदने वालों की डिटेल और दूसरी लिस्ट में राजनीतिक पार्टियों को मिले बॉन्ड का ब्यौरा था। चुनाव आयोग की वेबसाइट में अपलोड की गई सारी जानकारी 3 मूल्यवर्ग के बॉन्ड की खरीद से जुड़ी हुई थी। एसबीआई ने मंगलवार शाम 5.30 बजे चुनाव आयोग को डेटा सौंप दिया था। इसके बाद चुनाव आयोग (श्वष्ट) ने गुरुवार को इसे सार्वजनिक किया था। 11 मार्च को सुप्रीम कोर्ट ने बैंक को फटकार लगाई थी और 12 मार्च शाम तक यह डिटेल देने का निर्देश दिया था। बता दें कि इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए राजनीतिक दलों को चंदा देने वालों में टोरेंट पावर, भारती एयरटेल, डीएलएफ कमर्शियल डेवलपर्स, वेदांता लिमिटेड भी शामिल हैं।ग्रासिम इंडस्ट्रीज, मेघा इंजीनियरिंग, पीरामल एंटरप्राइजेज ने भी राजनीतिक दलों को चंदा दिया है। तृणमूल कांग्रेस ने एसबीआई को पत्र लिखकर बॉन्ड की विशिष्ट संख्या मांगी है ताकि पार्टी सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन कर सके. मायावती की बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने कहा है कि उसे चुनावी बॉन्ड के जरिए कोई चंदा नहीं मिला है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) या सीपीआई (एम) ने कहा कि उसे भी चुनावी बॉन्ड के माध्यम से चंदा नहीं मिला है. चुनाव आयोग के डेटा के मुताबिक, इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए बीजेपी , कांग्रेस, एआईएडीएमके ,बीआरएस , शिवसेना, टीडीपी , वाईएसआर कांग्रेस को डोनेशन मिला. इलेक्टोरल बॉन्ड के खरीदारों में अपोलो टायर्स, लक्ष्मी मित्तल, एडलवाइस, पीवीआर, केवेंटर, सुला वाइन, वेलस्पन और सन फार्मा शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट की 5 जजों की संविधान बेंच ने 15 फरवरी को इलेक्टोरल बॉन्ड की बिक्री पर रोक लगा दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई को इलेक्टोरल बॉन्ड का पूरा डेटा सौंपने को कहा था। एसबीआई ने मंगलवार शाम 5.30 बजे चुनाव आयोग को डेटा सौंप दिया था। इसके बाद चुनाव आयोग (ईसी) ने गुरुवार को इसे सार्वजनिक किया। 11 मार्च को सुप्रीम कोर्ट ने बैंक को फटकार लगाई थी और 12 मार्च शाम तक यह डिटेल देने का निर्देश दिया था।

सीएए के खिलाफ दाखिल याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई कल

एजेंसी

नई दिल्ली, 17 मार्च (नवसत्ता) केरल ने सुप्रीम कोर्ट में एक नई याचिका दायर कर नागरिकता (संशोधन) नियम, 2024 के कार्यान्वयन पर रोक लगाने की मांग की है। याचिका में यह तर्क दिया है कि यह अधिनियम भेदभावपूर्ण, मनमाना और धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांतों का उल्लंघन है।केंद्र ने 11 मार्च को प्रासंगिक नियमों की अधिसूचना के साथ नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2019 के कार्यान्वयन का मार्ग प्रशस्त किया था। इस अधिनियम के जरिए 31 दिसंबर, 2014 से पहले पड़ोसी देश पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान के गैर-प्रवासी मुस्लिमों को तेजी से भारतीय नागरिकता दी जाएगी। राज्य सरकार ने सीएए नियमों को असंवैधानिक करार देते हुए कहा कि धर्म और देश के आधार पर वर्गीकरण भेदभावपूर्ण, मनमाना, अनुचित है और धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांतों का उल्लंघन है। याचिका में कहा गया, तथ्य यह है कि प्रतिवादी (संघ) को 2019 अधिनियम के कार्यान्वयन में कोई तात्कालिकता नहीं है, 2024 के नियमों पर रोक लगाने के लिए पर्याप्त कारण है। यह कहते हुए कि सीएए मनमाना है, याचिका में कहा गया, धर्म और देश के आधार पर वर्गीकरण स्पष्ट रूप से भेदभावपूर्ण है। यह स्थापित कानून है कि किसी व्यक्ति के आंतरिक और मुख्य लक्षण के आधार पर भेदभाव करने वाला कानून एक समझदार अंतर के आधार पर उचित वर्गीकरण नहीं बना सकता है। शीर्ष अदालत ने शुक्रवार को नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2019 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं के निपटारे तक नागरिकता संशोधन नियम, 2024 के कार्यान्वयन पर रोक लगाने के लिए केंद्र को निर्देश देने की मांग वाली याचिकाओं पर 19 मार्च को सुनवाई करने पर सहमति व्यक्त की थी।

सत्येन्द्र जैन की जमानत याचिका पर फैसला आज

एजेंसी

नई दिल्ली, 17 मार्च (नवसत्ता) सुप्रीम कोर्ट कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आम आदमी पार्टी (आप) नेता और दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येन्द्र जैन की नियमित जमानत याचिका पर सोमवार को अपना फैसला सुनाएगा। इस साल जनवरी में, न्यायमूर्ति बेला एम. त्रिवेदी की अध्यक्षता वाली पीठ ने जैन की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी व प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का प्रतिनिधित्व कर रहे अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस.वी. राजू की दलीलें सुनने के बाद मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया था। पीठ में न्यायमूर्ति पंकज मिथल भी शामिल हैं। पीठ मामले के अन्य आरोपियों अंकुश जैन और वैभव जैन की याचिका पर भी फैसला सुनाएगी। सत्येन्द्र जैन फिलहाल अंतरिम मेडिकल जमानत पर बाहर हैं। शीर्ष अदालत ने जैन को पिछले साल मई में छह सप्ताह के लिए अंतरिम राहत दी थी, लेकिन समय-समय पर इसे बढ़ाया जाता रहा। आप नेता ने उनकी नियमित जमानत याचिका खारिज करने के दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का रुख किया था।

महादेव ऐप मामले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल समेत 16 के खिलाफ एफआईआर

एजेंसी

नई दिल्ली, 17 मार्च (नवसत्ता) छत्तीसगढ़ पुलिस ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और महादेव ऑनलाइन सट्टेबाज़ी के आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया किया है। राज्य के नेता और पुलिस अधिकारी प्रोटेक्शन मनी लेकर अवैध कारोबार में आरोपियों की मदद कर रहे थे। बहुचर्चित महादेव ऐप मामले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है। लोकसभा चुनाव से पहले महादेव ऐप मामले में स्न्ढ्ढक्र भूपेश बघेल की मुश्किलें खड़ी कर सकता है। इससे कांग्रेस को राजनैतिक नुक़सान हो सकता है। पूर्व सीएम बघेल पर पुलिस के एफआईआर में आईपीसी के तहत धोखाधड़ी, आपराधिक साजिश, विश्वासघात और जालसाजी से संबंधित विभिन्न धाराओं और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 और 11 के तहत आरोप लगाए गए हैं। इस एफआईआर में भूपेश बघेल के अलावा महादेव ऐप के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल समेत 16 अन्य लोगों के नाम शामिल हैं.जानकारी के अनुसार इस साल 8 और 30 जनवरी को प्रवर्तन निदेशालय के द्वारा राज्य पुलिस को दो रिपोर्ट भेजे जाने के बाद बघेल के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया। दरअसल, ईडी के रिपोर्ट में कहा गया है कि धन संरक्षण के बदले महादेव ऐप की अवैध गतिविधियों को अनुमति देने के लिए राज्य सरकार के शीर्ष स्तर के पदाधिकारियों की संलिप्तता के बारे में बताया गया है। पिछले साल नवंबर में वित्तीय अपराध जांच एजेंसी ने आरोप लगाया था कि चंद्राकर और उप्पल ने बघेल को ?508 करोड़ की रिश्वत दी थी। वर्तमान में दोनों संयुक्त अरब अमीरात की देखरेख में हिरासत में हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय के माध्यम से उनके प्रत्यर्पण के लिए अनुरोध पहले ही संयुक्त अरब अमीरात भेजा जा चुका है।

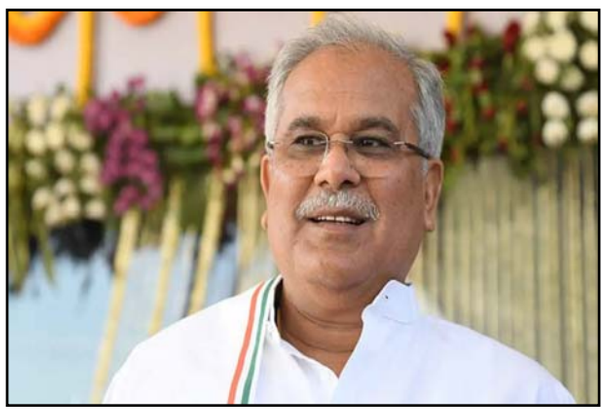

शैलेन्द्र दुबे तीसरी बार एआईपीइएफ के चेयरमैन बने

संवाददाता

लखनऊ, 17 मार्च (नवसत्ता)। चेन्नई में हुई ऑल इण्डिया पॉवर इंजीनियर्स फेडरेशन (एआईपीइएफ) की आमसभा में शैलेन्द्र दुबे लगातार तीसरी बार चेयरमैन के पद पर निर्विरोध निर्वाचित किए गए हैं।ऑल इण्डिया पॉवर इंजीनियर्स फेडरेशन की चेन्नई में हुई आम सभा में देश भर से आए बिजली अभियंताओं ने चेयरमैन के पद पर लगातार तीसरी बार शैलेन्द्र दुबे को निर्वाचित किया। तेलंगाना प्रान्त के पी रत्नाकर राव को सेक्रेटरी जनरल के पद पर निर्वाचित किया गया। चेन्नई में हुई आम सभा में केरल, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, पुडुचेरी, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखण्ड, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, असम, पश्चिम बंगाल, झारखण्ड, ओडिशा, मेघालय और उत्तर प्रदेश के बिजली अभियंता भारी संख्या में सम्मिलित हुए।

विधानसभा चुनाव चुनाव आयोग ने अरुणाचल प्रदेश-सिक्किम में मतगणना की तारीख बदली

अरुणाचल और सिक्किम के नतीजे अब 2 जून को

एजेंसी

नई दिल्ली, 17 मार्च (नवसत्ता) चुनाव आयोग ने अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में होने वाले विधानासभा चुनाव की मतगणना की तारीख बदल दी है। इलेक्शन कमीशन ने पहले काउंटिंग की तारीख 4 जून घोषित की थी। इसे बदलकर अब 2 जून कर दिया है। दोनों राज्यों में लोकसभा के साथ-साथ विधानसभा के भी चुनाव होने हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक, दोनों राज्यों में विधानसभा कार्यकाल 2 जून को खत्म हो रहा है इसलिए तारीख बदली गई। अरुणाचल और सिक्किम में 19 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। इससे पहले 16 मार्च को इलेक्शन कमीशन ने चार राज्यों आंध्र प्रदेश, ओडिशा, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान किया था। आंध्र प्रदेश में 13 मई को एक फेज में वोटिंग होगी। ओडिशा में चार चरणों में 13 मई, 20 मई, 25 मई और एक जून को वोट डाले जाएंगे। इनके अलावा गुजरात की 5, यूपी की 4, हरियाणा, बिहार, झारखंड, महाराष्ट्र, त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, राजस्थान, कर्नाटक, तमिलनाडु की 1-1 विधानसभा सीट पर उपचुनाव होगा। यहां उस क्षेत्र में होने वाले लोकसभा चुनाव के साथ ही नोटिफिकेशन जारी होगा और वोटिंग होगी। अरुणाचल और सिक्किम को छोड़कर सभी राज्यों में काउंटिंग लोकसभा चुनावों की काउंटिंग के साथ 4 जून को होगी।ओडिशा की 147, सिक्किम की 32, अरुणाचल प्रदेश की 60 और आंध्र प्रदेश की 175 विधानसभा सीटों पर चुनाव होंगे। ओडिशा में बीजू जनता दल (बीजेडी) की सरकार है। यहां भाजपा सीधे मुकाबले में है। नवीन पटनायक यहां साल 2000 से मुख्यमंत्री हैं। आंध्र प्रदेश में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के नेता जगन मोहन रेड्डी मुख्यमंत्री हैं। यहां पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देशम पार्टी, अभिनेता पवन कल्याण की जनसेना और भाजपा गठबंधन एक साथ चुनाव लड़ रहे हैं।अरुणाचल प्रदेश में पेमा खांडू के नेतृत्व में भाजपा की सरकार है। 2019 में पार्टी ने यहां 60 में से 42 सीटें जीती थीं। इसके अलावा सिक्किम में प्रेम सिंह तमांग के नेतृत्व में सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा की सरकार है। यहां भाजपा गठबंधन की सरकार में शामिल है।

दिव्यांग तीरंदाज शीतल देवी बनी निर्वाचन आयोग की पहल की राष्ट्रीय पहचान

एजेंसी

नई दिल्ली, 17 मार्च (नवसत्ता) चुनाव आयोग ने दिव्यांग तीरंदाज शीतल देवी को शारीरिक रूप से चुनौती का सामना कर रहे मतदाताओं की सुविधा के लिए की जा रही पहल को प्रचारित करने के लिए अपना राष्ट्रीय दूत बनाया है। यह घोषणा राजधानी में आयोग द्वारा भारतीय बधिर क्रिकेट संघ (आईडीसीए) और दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के साथ मिल कर आयोजित एक क्रिकेट मैच के अवसर पर की गयी । शनिवार को करनैल सिंह स्टेडियम में किए गए इस आयोजन का लक्ष्य आयोग द्वारा चुनाव में समावेशिता और मतदान मशीन तक पहुंचने में में लोगों की आसानी के लिए आयोग द्वारा किए जा रहे प्रयासों और उपायों को रेखांकित करना था। आयोग की रविवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार इस कार्यक्रम में मुख्य चुनाव आयुक्त श्री राजीव कुमार और चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू उपस्थित थे। इस आयोजन में क्रिकेटर निखिल चोपड़ा को भी डीडीसीए और आईडीसीए के अधिकारियों के साथ विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने शनिवार को 18वीं लोक सभा के चुनाव कार्यक्रमों की घोषणा करते हुए कहा था कि आयोग ने शारीरिक चुनौतियों का समाना कर रहे मतदाताओं के लिए मददान केंद्र पर पहिया कुर्सी, रैम्प और इलेक्ट्रानिक मतदान मशीन तक पहुंचने में सहायता के प्रबंध किए जा रहे हैं। श्री कुमार ने कहा कि 40 प्रतिशत से अधिक की अक्षमता वाले दिव्यांग मतदाताओं को घर से वोट डालने की सुविधा का भी विकल्प दिया जाएगा। इसके लिए उन्हें विशेष पर्चियां दी जाएंगी। आयोग ने हर मतदान केंद्र से जुड़ी सूची में दिव्यांग मतदाताओं की पहचान की पहल की है और उनकी सुविधा के लिए उन्हें भूतल वाले बूथ पर मतदान की सुविधाएं करायी जाएंगी। आयोग की वेबसाइट के अनुसार दिव्यांग मतदाताओं को मतदान केंद्र तक लाने ले जाने के लिए वाहन सुविधा तथा नेत्रहीनों के लिए ब्रेल लिपि की पर्ची जैसी पहल भी की गयी है।

पटाखा बनाते समय हुए विस्फोट में युवक के परखच्चे उड़े, एक की मौत, दूसरा जखमी

संवाददाता

महाराजगंज-रायबरेली, 17 मार्च (नवसत्ता)। कोतवाली क्षेत्र पहरेमऊ गांव से लगभग पांच सौ मीटर दूर आम की बाग में बनाए जा रहे पटाखे की दुकान में रविवार की सुबह लगभग ग्यारह बजे पटाखा बनाते समय अचानक भयानक विस्फोट हो गया जिसमें एक 19 वर्षीय युवक के परखच्चे उड़ गए, वहीं एक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे आनन फानन सीएचसी महराजगंज पहुंचाया गया, जहां हालत गंभीर देख डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार कर जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया। युवा की मौत से परिजनों में कोहरा मच गया।

पूरा मामला पहरेमऊ गांव से लगभग 500 मीटर दूर आम की बाग का है, जहां रविवार की सुबह लगभग 11:00 बजे की घटना है। पटाखा लाइसेंस धारक लाल मोहम्मद पुत्र अली हुसैन निवासी पहरेमऊ की गांव से बाहर पांच सौ मीटर दूर पर आम की बाग में पटाखा बनाने का काम करता है।

उसके यहां वीरेंद्र कुमार (19) पुत्र राघवेंद्र शर्मा व उसका चचेरा भाई शिवम उर्फ छोटू (15) पुत्र देवेंद्र शर्मा निवासी पहरेमऊ भी पटाका बनाते हैं। रविवार सुबह लगभग 11:00 बजे वीरेंद्र कुमार और शिवम दोनों लाल मोहम्मद की बाइक से बारुद लेकर आए और दोनों पटाखा बनाना शुरू किए तभी अचानक भयानक विस्फोट हो गया। विस्फोट इतना तेज था कि वीरेंद्र के परखच्चे उड़ गए और पटाखा बनाने वाली जगह से बीस फुट दूर आम के पेड़ से करीब पंद्रह फुट ऊपर टकराते हुए उसका शव पटाखा बनाने वाली जगह से करीब पच्चीस मीटर दूर जा गिरा और क्षत-विक्षत हो गया। उसका दाहिना हाथ धड़ से अलग होकर ना जाने कहां जा गिरा जो काफी खोजबीन के बाद भी नहीं मिला। वहीं हादसे में उसका चचेरा भाई शिवम उर्फ छोटू भी गंभीर रूप से झुलसा है जिसका एक पैर पूरी तरह से क्षतविक्षत हुआ है और शरीर के अन्य हिस्सों में भी गंभीर चोटें आई हैं।

बताते हैं कि घटना के समय पटाखा लाइसेंस धारक लालमोहम्मद पुत्र अली हुसैन मौके पर मौजूद नहीं था। एक टीनशेड से घिरे कोठरी में पटाखा बनाया जा रहा था। सीओ महाराजगंज यादवेंद्र प्रताप का कहना है की घटना की जांच कराई जा रही है।

आर्यन के घर पहुंच आरपी यादव ने व्यक्त का संवेदना

डलमऊ-रायबरेली, 17 मार्च (नवसत्ता)। उम्र छोटी है पर सबके जज्बात समझ लेता हूं बिन कहे हर बात समझ लेता हूं। छोटी सी उम्र में बड़ी समझ रखने वाले आर्यन यादव एक माह पूर्व अपने दोस्त के साथ निमंत्रण से वापस ऊंचाहार की तरफ से रायबरेली की तरफ आ रहा था तभी पीछे से आ रही मोटरसाइकिल ने जोरदार टक्कर मार दी जिसमें बुरी तरीके से घायल आर्यन की उपचार के दौरान मेडिकल कॉलेज लखनऊ में मौत हो गई। छोटी सी उम्र में बड़ी ख्याति प्राप्त करने वाले आर्यन यादव को श्रद्धांजलि अर्पित करने उनके पैतृक गांव ग्राम पूरे नया सोंडासी में समाजवादी पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष व पूर्व प्रत्याशी सदर आरपी यादव के साथ प्रांतीय नेता समाजवादी पार्टी राजेश चंद्रा व समाजसेवी इंजीनियर सुमित यादव ने मृतक आर्यन के परिजनों के बीच पहुंचकर परिवार को शोक संवेदनाएं व्यक्त करते हुए फोटो पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। वहीं सपा नेता आर पी यादव ने परिजनों संग आर्यन के पिता राजेश यादव पत्रकार संघ वार्ता कर घटना पर पूरी जानकारी लेते हुए दुख कि इस घड़ी में परिवार के साथ खड़े रहने की बात कही।

जय श्री राम के उद्घोष के साथ दर्शनार्थियों का जत्था अयोध्या रवाना

संवाददाता

लालगंज-रायबरेली, 17 मार्च (नवसत्ता)। लगातार तीसरे रविवार को भी विधानसभा सरेनी सहित जनपद के 22 मंडलों से दर्शनार्थियों से भरी हुई बसें अयोध्या के लिए रवाना हुई है।उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री दिनेश प्रताप सिंह की प्रेरणा से रायबरेली जनपद के सरेनी सहित पांचो विधानसभा के लालगंज ,डलमऊ गेगासो, बेनी माधवगंज, सरेनी ,खीरों आदि 22 मंडलों से टूरिस्ट बसो के द्वारा तीर्थ यात्री अयोध्या धाम दर्शन करने गए हैं। प्रदेश सरकार के मंत्री दिनेश सिंह ने कहा कि आज पूरा जनमानस राम मय हो गया है। लोगो की भगवान राम में अटूट श्रद्धा है। जहां बस पहुंचती है वहां गांव के गांव की भारी भीड़ अयोध्या जाने के लिए उमड़ पड़ती है ।उन्होंने कहा कि रायबरेली जनपद के लोगों कोअयोध्या धाम के दर्शन कराने से उन्हें भी भगवान राम का आशीर्वाद प्राप्त होगा। भारतीय जनता पार्टी के जिला मंत्री विजय सिंह टप्पू ने अयोध्या दर्शनार्थी कार्यक्रम के बाबत बताया कि

वास्तव में राज्य मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने रायबरेली के लोगों के लिए अयोध्या धाम दर्शन करने का जो बीड़ा उठाया है ।निश्चित रूप से वह बहुत ही सराहनीय है। गौरतलब है कि जिला मंत्री विजय सिंह टप्पू की देखरेख में जनपद से राम भक्तों को अयोध्या बसो से भेजने का काम योजनाबद्ध तरीके से चल रहा है। उन्होंने बताया कि अब तक 4हजार राम भक्त अयोध्या दर्शन करने जा चुके हैं।रविवार को बस से जाने वालों में दिवाकर मिश्रा, जगन्नाथ पांडे,गोविंद सविता, राजेंद्र विश्वकर्मा, प्रधान बच्चा लाल , किसान मोर्चा महामंत्री उमेश सिंह, चंदन त्रिवेदी, रमेश मिश्राआदि ने बताया कि राज्य मंत्री दिनेश सिंह की कृपा से उन्हें अयोध्या धाम में रामलला के दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।

कच्ची कोठरी गिरने से महिला की मौत

उन्नाव, 17 मार्च (नवसत्ता)। जिले की सफीपुर कोतवाली क्षेत्र के मुस्तफाबाद गांव में एक कच्ची कोठरी गिर गई। जिससे अंदर मौजूद महिला दबकर गंभीर रूप से घायल हो गई। ग्रामीणों की मदद से उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की है। महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

दो कारों की टक्कर में महिला सहित तीन जखमी

संवाददाता

बछरावां-रायबरेली, 17 मार्च (नवसत्ता)। कोतवाली क्षेत्र में रविवार सुबह लखनऊ प्रयागराज हाईवे पर चुरुवा पश्चिम गांव बाईपास मोड़ पर दो कारों की आपस में टक्कर हो गई। हादसे में एक कार पर सवार जबलपुर मध्य प्रदेश लखनऊ से प्रयागराज जा रहे थे।

पिता पुत्र विवेक कुमार त्रिपाठी (57) पुत्र राजेंद्र प्रसाद त्रिपाठी व उनके बेटे आदित्य त्रिपाठी (29) पुत्र विवेक कुमार त्रिपाठी व दूसरी कार सवार फतेहपुर सीकरी से लखनऊ जा रहे थे। हादसे में प्रतापगढ़ थाना लालगंज निवासी महिला संगीता (42) पत्नी दिनेश कुमार घायल हो गई।

सूचना पर पहुंची एंबुलेंस में घायलों को इलाज के लिए सीएचसी पहुंचाया गया। जहां डॉक्टर संजीव शुक्ला ने प्राथमिक उपचार के बाद संगीता की हालत गंभीर देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

कोतवाल विजेंद्र शर्मा ने बताया कि घटना की सूचना मिली है। तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पिकअप पलटने से चालक की मौत

फतेहपुर,17 मार्च (नवसत्ता)। जिले में पिककप लेकर घर जाते समय रास्ते में अनियंत्रित होकर गाड़ी पलट गई। गाड़ी पलटने से चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान चालक ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

दुकान के नीचे पड़ा मिला युवक का शव

बछरावां-रायबरेली, 17 मार्च (नवसत्ता)। संदिग्ध परिस्थितियों में गांव के बाहर दुकान के नीचे युवक का शव पड़ा मिला। आसपास के लोगों की जैसे ही नजर दुकान के नीचे पड़ी लोग हैरान हो गए और लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दी है। पूरा मामला बछरावां कोतवाली क्षेत्र के जलालपुर गांव का है।

जाम के झांम में फंसकर राहगीर हो जाते है बेहाल

लालगंज-रायबरेली, 17 मार्च (नवसत्ता)। नगर का बाई पास रोड लगभग प्रतिदिन जाम के चक्कर में सायंकाल घंटों फंसकर कहीं न कहीं राहगीरों के लिए मुसीबत बन रहा है। जाम सबसे ज्यादा उन लोगों को कष्ट देता है जिनको किसी कार्य से जल्दी जाना होता है या उन मरीजों के लिए कष्टकारी है जिनको तत्काल इलाज की आवश्यकता होती है।

बताते चले कि लालगंज कस्बे के गांधी चौराहा से बाई पास, पानी की टंकी तिराहा, गुरुबक्सगंज चौराहा होते हुए वाहन रायबरेली, राजधानी लखनऊ, बहराइच आदि जिलों के लिए जाते है तथा इसी रास्ते से नेता व अधिकारी भी निकलते है जो लालगंज का मुख्य मार्ग है ऐसे में इन मार्गो पर जाम लगना कहीं न कहीं राहगीरों के लिए मुसीबत बन जाता है। जाम लगने से व्यापारी भी परेशान है बाई पास रोड पर किराना व्यापारी गोपाल गुप्ता ने बताया कि त्योहार का समय है जाम लग जाने से ग्राहक नहीं आ पाते है दिन भर ग्राहकों का इंतजार रहता है दुकानदारी ध्वस्त है।

डीएम व एसपी ने जगदीशपुर कस्बे में किया फ्लैग मार्च, मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

संवाददाता

अमेठी, 17 मार्च (नवसत्ता)। लोक सभा चुनाव-2024 एवं आगामी त्यौहारों को शांत व सुरक्षित वातावरण में सम्पन्न कराने तथा आदर्श आचार संहिता का अनुपालन सुनिश्चित कराने हेतु जिलाधिकारी निशा अनंत व पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार सिंह द्वारा थाना जगदीशपुर पुलिस व केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल/सीआइएसएफ के साथ कस्बा जगदीशपुर में बाजार, भीड़-भाड़ व संवेदनशील स्थानों पर फ्लैग मार्च कर आमजनमानस को शांत व सुरक्षित माहौल में लोकसभा चुनाव व आगामी त्यौहारों को सकुशल सम्पन्न कराने का संदेश दिया गया एवं लोगों को अफवाहों पर ध्यान न देने एवं अफवाहों को फैलने से रोकने हेतु अपील की गयी। इसके उपरांत डीएम व एसपी ने ए0एच0 इंटर कॉलेज जगदीशपुर में बने मतदान केंद्र का निरीक्षण कर वहां पर बिजली, पानी, रैंप, सुरक्षा व्यवस्था सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं को देखा एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

इस दौरान उपजिलाधिकारी मुसाफिरखाना अभिनव कनौजिया क्षेत्राधिकारी मुसाफिरखाना अतुल कुमार सिंह अन्य संबंधित मौजूद रहे।

85 वर्ष से ऊपर आयुवर्ग के मतदाता को निवास स्थल पर उपलब्ध होगी पोस्टल बैलेट सुविधा

अमेठी, 17 मार्च (नवसत्ता)। अपर जिलाधिकारी/उप जिला निर्वाचन अधिकारी अर्पित गुप्ता ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के नवीनतम दिशा निर्देशानुसार जनपद के समस्त 85 वर्ष की आयु वर्ग से ऊपर के मतदाताओं को मतदान हेतु पोस्टल बैलेट की सुविधा उपलब्ध करायी गयी है, जिसके तहत स्वेच्छा से पोस्टल बैलेट के माध्यम से निवास स्थान पर मतदान हेतु निर्धारित फार्म-12डी में आवेदन कर अपने निवास स्थान पर मताधिकार का उपयोग कर सकते है।

उन्होंने बताया कि अधिसूचना जारी होने के 05 दिवस के अन्दर सम्बन्धित विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के बी0एल0ओ0 द्वारा घर-घर जाकर 85 वर्ष की आयु वर्ग से ऊपर के मतदाताओं को उपलब्ध कराकर भरा हुआ फार्म-12डी प्राप्त किया जायेगा।

भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट के होम पेज पर लिंक पर उक्त फार्म उपलब्ध है, जिसे डाउनलोड कर व भरकर सम्बन्धित निर्वाचन क्षेत्र के रिटर्निंग आफिसर के कार्यालय में जमा कराया जा सकता है।

सात दिवसीय श्रीमद भागवत पुराण कथा शुरू

मनुष्य को अच्छे व पुण्य के कार्य करने चाहिए: निर्मोही जी

संवाददाता

अमेठी, 17 मार्च (नवसत्ता)। जगदीशपुर ब्लाक क्षेत्र के सिंदुरवा गांव में सोमवार से प्रारंभ हुई श्रीमद् भागवत कथा मे अयोध्या से पधारे कथा वाचक पीठाधीश राजेश निर्मोही जी महाराज ने श्रीमद भागवत कथा का श्रवण करते हुए कहा कि श्रीमद भागवत कथा जीवन का सार है जीवन को जीने का परम आधार है। उन्होंने कहा कि आज के समय में प्रत्येक व्यक्ति को अच्छे व पुण्य के कार्य करने चाहिए।

इस मौके पर कथा यजमान डॉक्टर बालसागर बाजपेई शपत्नी व रसपान श्रवणकर्ता छोटे लाल यादव अशोक तिवारी, लाल जी उपाध्याय, रामदेव तिवारी, ग्रामप्रधान आवेश ठाकुर, ग्राम प्रधान राघवेंद्र तिवारी उत्तेलवा व कुटंबी जन समस्त वाजपेई परिवार उपस्थित व सैकड़ो श्रद्धालु मौजूद रहे।

सपा विधायक देवेंद्र प्रताप सिंह ने पांच दशक से ऊबड खाबड़ पड़ी सड़क का कराया निर्माण

जूनियर हाई स्कूल से बेलहनी गांव तक 2100 मीटर सड़क का हो रहा निर्माण

संवाददाता

डलमऊ-रायबरेली, 17 मार्च (नवसत्ता)।असल में समाज सेवा किसे कहते हैं और समाजसेवी कैसे होते हैं इसकी एक पहचान युवा समाजसेवी सोनू यादव ने पेश की ना किसी पद की लालसा ना कुछ पाने की चाह फिर भी भरसक प्रयास असल में यही व्यक्तित्व समाज में समाजसेवी की भूमिका निभाता है। किसी पद पर ना रहते हुए भी गांव की मूलभूत समस्याओं से जनप्रतिनिधियों और शासन प्रशासन को अवगत कराना और आज जाकर बेलहनी कालिक पूरवा, दुर्जन का पुरवा, रजव का पुरवा, भुरकुसपुर, भीटे पर सहित दर्जनों गांव के ग्रामीणों तक लाभ पहुंचा है तो वह नाम है समाज सेवी सोनू यादव का कनहा चौराहे से लेकर अगर बेलहनी गांव तक पचास साल के इतिहास में अगर डामरीकरण हो रहा है तो इसमें समाजसेवी सोनू यादव की महत्वपूर्ण भूमिका सामने निकल कर आई जिन्होंने विगत कई वर्षो से शासन प्रशासन व जनप्रतिनिधियो को इस समस्या से रूबरू कराया। तो सपा विधायक सरेनी देवेंद्र प्रताप सिंह का कलेजा पसीजा तो उन्होंने क्षेत्र की समस्या को गंभीरता से लेते हुए दशकों से राहगीरों के रास्ते में रोड़ा बनी सड़क निर्माण कार्य को स्वीकृति प्रदान की और अब बेलाहनी संपर्क मार्ग का काम जोर-शोर से चल रहा है। वही हमारे संवाददाता से रूबरू होते ग्रामीणों ने कहा कि हमारे रास्ते में रोड़ा बनी इस सड़क का पुनः निर्माण करा कर विधायक जी ने एक ऐतिहासिक काम को पहचान दिया है। और कहा कि हमारे क्षेत्र का वीर सपूत शहीद उपदेश यादव की स्मृति में नाथ खेड़ा गांव में लगवाए गए विधायक देवेंद्र प्रताप सिंह द्वारा मुख्य द्वार हमारे अमर शहीद जवान की याद में बहुत ही सराहनी कदम इस दौरान कई ग्रामीणों ने कहा कि हमारे गांव के विकास के लिए शासन प्रशासन जनप्रतिनिधियों तक जद्दू जहद करने वाले सोनू यादव के द्वारा लगातार कई वर्षो से सड़क निर्माण कार्य सहित गांव के विभिन्न मुद्दों के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। और उनके प्रयास का नतीजा ही है आज हम लोगों को आने-जाने के लिए सुलभ रोड व्यवस्थित हो सकी वहीं पूर्व सिंह यादव, राम बहादुर यादव सत्रोहन पाल, गुड्डू प्रदीप यादव, अजय सिंह, जवाहरलाल, बाबूलाल, लाल बहादुर ,सुरेश जैसे ग्रामीणों को मानना है कि अगर सोनू जैसे युवा किसी जनप्रतिनिधि की हैसियत से अगर क्षेत्र का नेतृत्व करें तो हमारे क्षेत्र की विकास में कुछ अलग ही पहचान हो सकती है।

डीएम व एसपी ने ट्रामा सेंटर जगदीशपुर का किया निरीक्षण

संवाददाता

अमेठी, 17 मार्च (नवसत्ता)। जिलाधिकारी निशा अनंत व पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार सिंह ने आज जगदीशपुर में ट्रामा सेंटर का स्थलीय निरीक्षण कर उपलब्ध व्यवस्थाओं को देखा एवं संबंधित एमओआईसी को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ट्रामा सेंटर में विभिन्न उपकरणों, ऑपरेशन थिएटर, वार्ड सहित अन्य चीजों का निरीक्षण किया, वार्ड में भर्ती मरीज से उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली एवं चिकित्सकों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने सभी चिकित्सकों को अस्पताल परिसर में ही रात्रि निवास करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी मुसाफिरखाना अभिनव कनौजिया, पुलिस क्षेत्राधिकारी मुसाफिरखाना अतुल कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी रहे मौजूद।

न्यू स्टैण्डर्ड पब्लिक स्कूल में वार्षिक परीक्षा परिणाम किए गए वितरित

लालगंज-रायबरेली, 17 मार्च (नवसत्ता)। न्यू स्टैण्डर्ड पब्लिक स्कूल सुरेन्द्र सरस्वती नगर लालगंज रायबरेली में प्री प्राइमरी व जूनियर विंग' के बच्चों के वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किये गये। विद्यालय के प्रधानाचार्य शिवांग अवस्थी एवं आए हुए अभिभावकों द्वारा सर्व प्रथम माँ सरस्वती का पूजन-अर्चन व दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत किया, कार्यक्रम में पधारे हुए अभिभावकों के सम्मान में स्कूल के बच्चों द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत कर विद्यालय के प्री प्राइमरी विंग के नर्सरी कक्षा के बच्चों द्वारा चंद्रयान 3 की सफलता का संपूर्ण वर्णन प्रस्तुत किया गया, एलकेजी कक्षा के बच्चों द्वारा राम दरबार की प्रस्तुति दी गई जो की अद्भुत रही। यूकेजी कक्षा के बच्चों द्वारा होली गीत प्रस्तुत किया गया जिसने आए हुए अविभावकों को होली के रंग से सराबोर कर दिया। तत्पश्चात् आए हुए अतिथियों में मुख्य अतिथि एसडीओ लालगंज ने अपने सम्बोधन में बच्चों को बहुत बहुत बधाई दी और बच्चों को मोबाइल फोन से दूर रखने की नसीहत दी बच्चों को स्मृति चिन्ह देकर एवं फूलमाला पहनाकर सम्मानित किया गया। स्टूडेन्ट्स अपना रिजल्ट कार्ड पाकर बहुत खुश दिखाई दिये।

कार्यक्रम में विद्यालय के प्रबन्धक डा. शशीकांत शर्मा ने आये हुए अभिभावकों के प्रति अपना आभार व्यक्त किया और बच्चों व अविभावकों को कदम से कदम मिलाकर चलने को कहा। तभी बच्चों का भविष्य उज्ज्वल हो पाएगा और हम सभी का सपना साकार हो पाएगा। बच्चों के जीवन में शिक्षा का बहुत महत्व है। लेकिन हम अभिभावकों की भी जिम्मेदारी बनती है कि हम अपने पाल्य की शिक्षा के प्रति कितने सजग एवं सचेत हैं। स्कूल में पढ़ने वाले सभी बच्चे अपने आप में यूनिक होते हैं। जरूरत होती है उनकी ऊर्जा एवं क्षमता से उनको परिचित कराना। इसलिए थोड़ा समय अपने बच्चों को पढ़ाने के लिए अवश्य निकालना चाहिए। अपनी-अपनी कक्षाओं में उत्तम स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों की सराहना करते हुए हम सभी स्टूडेन्ट्स के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रतिभा मिश्रा व छात्रा आनवी सिंह के द्वारा किया गया।

चौराहे और तिराहों पर बढ़ी चुनावी सरगर्मी

रायबरेली,17 मार्च (नवसत्ता)। निर्वाचन आयोग की ओर से लोकसभा चुनाव की आचार संहिता लागू होते ही शहर का माहौल एकदम बदल गया। फोर्स के साथ निकले नगरपालिका के कर्मचारी चौराहे-तिराहे पर टंगी नेताओं की बड़ी-बड़ी होर्डिंग्स जेसीबी से उतार दी। चाय-पान की दुकानों पर जुटे लोग लोकसभा चुनाव को लेकर अपने अपने आंकड़े पेश करते दिखे। नेताओं के समर्थक भी चुनाव को लेकर उत्साहित दिखे।

ट्रेन की चपेट से किशोर की मौत

उन्नाव,17 मार्च (नवसत्ता)। जिले के गंगाघाट कोतवाली के जगनी खेड़ा मोहल्ला निवासी एक किशोर सुबह चंपापुरवा में रहने वाली अपनी बुआ के घर जा रहा था, ऋषि नगर केबिन के पास ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। किशोर की मौत पर परिवार में कोहराम मच गया। कानपुर के अस्पताल में मौत होने के चलते पुलिस ने उसका पोस्टमॉर्टम कराया है।

अमेठी जिले में 1428316 मतदाता करेंगे मतदान

संवाददाता

अमेठी, 17 मार्च (नवसत्ता)। जिला निर्वाचन अधिकारी निशा अनंत ने आगामी लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि जनपद में कुल 1428316 मतदाता है जिनमें 749588 पुरूष, 678628 महिला व 100 थर्ड जेण्डर मतदाता है तथा विधानसभा क्षेत्रवार 178-तिलोई में कुल 346609 मतदाता है जिनमें 182014 पुरूष, 164572 महिला व 23 थर्ड जेण्डर मतदाता एवं 184-जगदीशपुर में कुल 380543 मतदाता है जिनमें 200550 पुरूष, 179975 महिला व 18 थर्ड जेण्डर मतदाता एवं 185-गौरीगंज में कुल 353020 मतदाता है जिनमें 184044 पुरूष, 168959 महिला व 17 थर्ड जेण्डर मतदाता तथा 186-अमेठी में कुल 348144 मतदाता है जिनमें 182980 पुरूष, 165122 महिला व 42 थर्ड जेण्डर मतदाता है। उन्होंने बताया कि जनपद में कुल 2300 सर्विस वोटर एवं 898 मतदान केन्द्र व 1554 मतदान स्थल है इसी क्रम में उन्होंने बताया कि निर्वाचन क्षेत्र 181-सलोन जनपद रायबरेली में कुल 357809 मतदाता है जिनमें 187559 पुरूष व 170250 महिला मतदाता है तथा 306 सर्विस वोटर एवं 227 मतदान केन्द्र व 369 मतदान स्थल है।

जनपद में पांचवें चरण में होगा चुनाव

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिला निर्वाचन अधिकारी निशा अनंत ने बताया कि लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 को सम्पन्न कराने हेतु 37-अमेठी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए निर्वाचन कार्यक्रम नियत किया गया है। उन्होंने बताया कि जनपद में पांचवें चरण में चुनाव होगा, निर्वाचन की अधिसूचना एवं नामांकन 26 अप्रैल 2024 (शुक्रवार), नाम निर्देशन हेतु अन्तिम तिथि 03 मई 2024 (शुक्रवार), नाम निर्देशनों की जांच हेतु 04 मई 2024 (शनिवार), नाम वापसी हेतु 06 मई 2024 (सोमवार), मतदान तिथि 20 मई 2024 (सोमवार) एवं मतगणना तिथि 04 जून 2024 (मंगलवार) तथा 06 जून 2024 (बृहस्पतिवार) के पूर्व निर्वाचन पूर्ण कर लिया जायेगा।

बाइकों की भिड़ंत में पांच युवक घायल

अमेठी, 17 मार्च (नवसत्ता)। गौरीगंज थाने के राघीपुर स्थित दुर्गन भवानी धाम के पास दो बाइकें की जोरदार भिड़ंत हो गई। दुर्घटना पांच युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। गौरीगंज थाने के पहाड़पुर गांव निवासी अमित (24), संदीप (22) और राघीपुर निवासी सूरज (22) बाइक से जा रहे थे। दुर्गनभवानी धाम के पास सामने से आ रही दूसरी बाइक से आ रहे आनापुर निवासी करमजीत (27) व रमेश यादव (22) से आमने-सामने भिड़ गए। दुर्घटना में पांचों में लोग घायल हो गए।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि शपथकर्ता अंजनी तिवारी पुत्र गोपीकृष्ण तिवारी निवासी ग्राम चक धौरहरा पो. हरदासपुर जि. रायबरेली ने एल.आई.सी. पालिसी कराई है, जिसकी संख्या 214958485 है। पालिसी में शपथकर्ता का नाम गुड्डन पुत्र रघुबीर अंकित है। जबकि आधार कार्ड व बैंक खाता में अंजनी तिवारी पुत्र गोपीकृष्ण तिवारी अंकित है। अतः दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं। दोनों ही नाम से मुझे जाना व पहचाना जाये।

शपथकर्ता

अंजनी तिवारी पुत्र गोपीकृष्ण तिवारी

निवासी ग्राम- चक धौरहरा

पो. हरदासपुर, जि. रायबरेली।

लाभार्थी वर्ग के बूते पीएम मोदी को 80 में 80 का गिफ्ट देंगे सीएम योगी

संवाददाता

लखनऊ, 17 मार्च (नवसत्ता)। लोकसभा चुनावों की तारीखों का ऐलान हो गया है। सभी दल तैयारियों में जुट गए हैं। पीएम मोदी ने इस बार एनडीए को 400 के पार पहुंचाने का संकल्प लिया है और ये संकल्प उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में अधिक से अधिक सीटें जीतकर ही संभव है। इसी के चलते इस बार पीएम मोदी और सीएम योगी 80 में 80 का नारा दे रहे हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ को उत्तर प्रदेश में 100 प्रतिशत का स्ट्राइक रेट का पूरा भरोसा है और इसका आधार वो लाभार्थी वर्ग है, जिस तक सरकार ने अपने कार्यकाल के 7 वर्षों में केंद्र और राज्य की योजनाओं का शत प्रतिशत लाभ पहुंचाया है। यह वो वर्ग है जिसकी आबादी उत्तर प्रदेश में किसी भी जाति, समुदाय से कहीं अधिक है। 2022 विधानसभा चुनावों में इस वर्ग ने खुलकर सीएम योगी का समर्थन किया था और यही वर्ग एक बार फिर गेमचेंजर के रूप में पीएम मोदी को तीसरी बार केंद्र की सत्ता की चाभी सौंपने में मददगार बन सकता है। पीएम मोदी के मार्गदर्शन में सीएम योगी ने केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को समाज के अंतिम पायदान तक बैठे व्यक्ति तक पहुंचाने का प्रयास किया है। सबसे ज्यादा 15 करोड़ वो लोग हैं जो केंद्र और राज्य सरकार की ओर से मुफ्त राशन का लाभ ले रहे हैं।

यह लाभ किसी की जाति या धर्म पूछकर नहीं दिया जा रहा है, बल्कि बिना भेदभाव हर तबके और जरूरतमंद को इस योजना का फायदा मिल रहा है। कोरोना काल में लोगों को राहत देते हुए इस योजना की शुरुआत की गई थी, जो तब से लेकर अब तक बदस्तूर जारी है। इस लाभार्थी वर्ग ने 2022 चुनावों में सीएम योगी के समर्थन में मतदान किया था और अभी भी यह खुलकर समर्थन में खड़ा है। इसके अलावा राज्य में 1.75 करोड़ परिवार ऐसे हैं, जिन तक केंद्र सरकार की ओर से उज्ज्वला स्कीम के तहत एलपीजी कनेक्शन पहुंचाए गए हैं। यही नहीं मनरेगा स्कीम के जरिए बड़ी संख्या में यूपी में ग्रामीण इलाकों में लोगों को तात्कालिक रोजगार प्रदान किया गया था। वो परिवार भी लाभार्थी वर्ग का हिस्सा हैं, जिन्हें प्रदेश में पीएम आवास योजना के तहत पक्के मकान बनाकर दिए गए हैं। योगी सरकार के कार्यकाल में करीब 56 लाख आवास बनाए गए हैं। ये आवास उन लोगों को दिए गए हैं, जिनके पास अपना मकान नहीं था और किराए के घरों में जीवनयापन कर रहे थे। योगी सरकार ने अभियान चलाकर ऐसे लोगों को उनके अपने आवास का तोहफा दिया और इसमें किसी तरह का भेदभाव नहीं किया गया। ये लाभार्थी वर्ग सीएम योगी के साथ खड़ा है। इसके अलावा पी.एम. स्वनिधि योजना के तहत 17 लाख स्ट्रीट वेंडर्स को ऋण वितरित किया गया है। 2.61 करोड़ शौचालयों का निर्माण कराया गया है।

66.59 लाख लाभार्थियों को स्वामित्व प्रमाण पत्र प्रदान किया गया है। 32.71 लाख निराश्रित महिलाओं को तथा 50.21 को वृद्धावस्था पेंशन का लाभ मिल रहा है। साथ ही साथ लाखों छात्र एवं छात्राओं को प्रति वर्ष करोड़ों रुपए छात्रवृत्ति का लाभ मिल रहा है। सरकार के प्रयास से प्रदेश के 6 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी रेखा से ऊपर उठे हैं। इसके अलावा हर घर नल योजना, विद्युतिकरण समेत अनेक योजनाओं का लाभ बड़ी संख्या में लोगों को मिला है। व्यापक पैमाने पर केंद्र और राज्य की योजनाओं से जुड़ने वाले लाभार्थी वर्ग से योगी सरकार ने संवाद भी स्थापित किया है। इसके तहत अभियान चलाकर हर लाभार्थी तक पहुंचा गया है और उसकी समस्याओं का निराकरण किया गया है। ये भी देखा गया है कि जिन योजनाओं को इस वर्ग तक पहुंचाया गया है वह जारी है या किसी तकनीकी कारण से इसमें दिक्कत आ रही है।

ऐसी दिक्कतों को तत्काल प्रभाव से दूर किया गया है। योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता का पूरा ख्याल रखा गया, जिससे पात्र व्यक्ति को ही लाभ प्राप्त हो सके। इसके लिए डीबीटी की भी शुरुआत की गई, जिससे जो भी लाभ है वो सीधे लाभार्थी के खाते में पहुंचे। बीच में किसी भी तरह के लीकेज को खत्म किया गया, जिससे शत प्रतिशत लाभ सुनिश्चित हुआ।

सीएम ने पूर्व मुख्यमंत्री स्व. हेमवती नंदन बहुगुणा को दी श्रद्धांजलि

लखनऊ- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व मुख्यमंत्री हेमवती नंदन बहुगुणा की पुण्यतिथि पर रविवार को श्रद्धांजलि अर्पित की। सीएम योगी ने योजना भवन स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, महापौर सुषमा खर्कवाल, प्रयागराज की सांसद डॉ. रीता बहुगुणा जोशी, मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र आदि मौजूद रहे। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्हें याद करते हुए लिखा कि प्रख्यात स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. हेमवती नंदन बहुगुणा जी की पुण्यतिथि के अवसर पर विनम्र श्रद्धांजलि एवं उनकी स्मृतियों को कोटि-कोटि नमन।

यूरोलॉजिकल एसोसिएशन यूओकॉन 2024 का 11वां वार्षिक सम्मेलन संपन्न हुआ

संवाददाता

लखनऊ, 17 मार्च (नवसत्ता)। यूरोलॉजिकल एसोसिएशन यूओकॉन 2024 का 11वां वार्षिक सम्मेलन आज कन्वेंशन सेंटर, केजीएमयू लखनऊ में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। आज यूएयूसीओएन 2024 के समापन समारोह में केजीएमयू में प्रोफेसर और सीनियर कंसल्टेंट यूरोलॉजिस्ट डॉ. हरविंदर सिंह पाहवा ने यूरोलॉजिकल एसोसिएशन ऑफ उत्तर प्रदेश (यूएयू) के अध्यक्ष का पदभार संभाला। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष बनना मेरे लिए बहुत ही विशेष सौभाग्य की बात है। यूएयू. मुझ पर विश्वास दिखाने और यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देने के लिए मैं तहे दिल से सभी का आभारी हूं। एक एसोसिएशन को वास्तव में अकादमिक, सौहार्दपूर्ण और निश्चित रूप से अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों के लिए खड़ा होना चाहिए। इतने वर्षों में इसी दिशा में प्रयास किये गये हैं और हमें इस विरासत को आगे बढ़ाना है। हम एक और अधिक जीवंत और शैक्षणिक रूप से सक्रिय संघ को देखने के लिए आशा और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ आगे देख रहे हैं जो सभी विशेष रूप से हमारे युवा सहयोगियों को एक सार्थक मंच प्रदान कर सकता है और इसके क्षितिज का और विस्तार कर सकता है। इस सम्मेलन में लगभग 300 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। आज यूरोकोलॉजी सत्र आयोजित किया गया, और कार्सिनोमा पेनिस और रीनल ट्यूमर के मामले पर चर्चा की गई। डॉ पाहवा ने आगे बताया कि हालांकि अब हमें कार्सिनोमा पेनिस के बहुत कम मामले मिल रहे हैं, लेकिन फिर भी यह ट्यूमर हमारे देश में अधिक आम है, अगर हम पश्चिमी आंकड़ों से तुलना करें, जहां यह एक दुर्लभ बीमारी है. यह एक ट्यूमर है जिसे अच्छी स्थानीय स्वच्छता अपनाकर रोका जा सकता है और यदि प्रारंभिक अवस्था में इसका निदान किया जाए तो सर्जरी द्वारा इसका इलाज किया जा सकता है और लिंग को बचाया जा सकता है।

प्रदेश की 100 तहसीलों में टेलीमेट्रिक वेदर स्टेशन से होगी सूखे की मॉनिटरिंग

संवाददाता

लखनऊ, 17 मार्च (नवसत्ता)। प्रदेश में सूखे की मॉनिटरिंग के लिए प्रदेश के विभिन्न जिलों की तहसीलों में टेलीमेट्रिक वेदर स्टेशन (टीडब्ल्यूएस) की स्थापना की जाएगी। इसमें पहले चरण में सूखे से ज्यादा प्रभावित रहने वाले प्रदेश के विभिन्न जिलों की 100 तहसीलों में टेलीमेट्रिक वेदर स्टेशन (टीडब्ल्यूएस) की स्थापना की जाएगी। इसमें बुंदेलखंड के सात जिलों, सोनभद्र और मीरजापुर को प्राथमिकता दी जाएगी, क्योंकि यहां पर हर साल सूखे की संभावना बनी रहती है। इसे लेकर राहत आयुक्त कार्यालय की ओर से अपर जिलाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं। इसके साथ ही जमीन चिह्नित करने के दौरान आवश्यक गाइड लाइन जारी की गई है। प्रमुख सचिव राजस्व पी. गुरु प्रसाद ने बताया कि प्रदेश में हर साल सूखे के कारण किसानों को काफी समस्या का सामना करना पड़ता है। उनकी इस समस्या को देखते हुए पहले चरण में प्रदेश के विभिन्न जिलों की 100 तहसीलों में टेलीमेट्रिक वेदर स्टेशन स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। इसके बाद प्रदेश के सभी जिलों की समस्त तहसीलों में टीडब्ल्यूएस को स्थापित किया जाएगा। राहत आयुक्त जीएस नवीन ने बताया कि पहले चरण में भी हर साल सूखे से ज्यादा प्रभावित होने वाले बुंदेलखंड के 7 जिलों (बांदा, चित्रकूट, हमीरपुर, झांसी, ललितपुर, महोबा और जालौन) की सभी तहसीलों में प्राथमिकता के आधार पर वेदर स्टेशन स्थापित किये जाएंगे। इसके साथ ही सोनभद्र की सभी तहसीलों, मीरजापुर की 2 तहसीलों और प्रदेश के सभी जिलों की एक-एक तहसील में टेलीमेट्रिक वेदर स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। इसके लिये 10 करोड़ रुपये की धनराशि जारी की गयी है। इसको लेकर सभी जिलों के अपर जिलाधिकारियों को जमीन चिह्नीकरण के दौरान आवश्यक गाइड लाइन जारी की गयी है। वहीं इसके बाद प्रदेश की सभी तहसीलों और ब्लॉक में वेदर स्टेशन की स्थापना की जाएगी। राहत आयुक्त ने बताया कि वेदर स्टेशन स्थापित करने के लिए गाइड लाइन जारी की गयी है। इसमें जमीन चिह्नित करने के दौरान एडब्ल्यूएस/एआरजी के बीच सात से 10 किलोमीटर की दूरी का ध्यान रखने का निर्देश दिया गया है।

निलमथा के मुख्य मार्गों पर केवल सफाई, कॉलोनी का हाल बुरा

संवाददाता

कैंट लखनऊ, 17 मार्च (नवसत्ता)। जिला लखनऊ के विधानसभा सरोजिनी नगर के इब्राहिमपुर प्रथम नीलमथा क्षेत्र में सफाई कर्मचारी अपनी मनमानी से काम कर रहे हैं, महीनो महीनो हो जा रहा है, ना तो कॉलोनी के अंदर नालियों की साफ सफाई होती है और ना ही सड़कों की, समाज को तथा अधिकारियों के दिखाने के लिए केवल मुख्य मार्ग को साफ किया जा रहा है। क्षेत्र के तमाम जगहों पर कूड़े का ढेर उदाहरण तौर पर आप को साफ दिखाई पड़ जाएगा, क्षेत्रीये लोगों से बात करने पर यह पता चल रहा है कि ठेकेदार द्वारा सफाई कर्मियों की संख्या घटा देने से कार्य पूरा नहीं हो पा रहा है ऐसे में क्षेत्र के हिसाब से अगर सफाई कर्मी को घटाया जाता है तो कहीं ना कहीं संबंधित लोगों की मिली भगत का अंदेशा साफ नजर आता दिखाई दे रहा है। ऐसे में नगर निगम के उच्च पदों पर बैठे पदाधिकारी एवं संबंधित लोगों को इस विषय पर गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है जहां की माननीय प्रधानमंत्री जी एवं मुख्यमंत्री जी द्वारा साफ सफाई को लेकर कितना ध्यान दिया जा रहा है, उसके बाद भी निलमथा क्षेत्र साफ सफाई में पीछे क्यों है।

हर्ष फायरिंग में युवक की मौत

संवाददाता

बांदा , 17 मार्च (नवसत्ता)। उत्तर प्रदेश के बांदा जिले के मटौंध थाना क्षेत्र में बीती देर रात हुई फायरिंग हर्ष फायरिंग में एक युवक की मृत्यु हो गई। पुलिस क्षेत्राधिकारी नगर राजीव प्रताप सिंह ने रविवार को यह जानकारी दी।पुलिस क्षेत्राधिकारी ने बताया कि बंशीपुरवा गांव में आयोजित एक बराहों संस्कार में गांव के निवासी श्याम सिंह के पुत्र सौरभ सिंह द्वारा अवैध तमंचे से हर्ष फायरिंग की गई। जहां हर्ष फायरिंग में जन्मापाल के 20 वर्षीय पुत्र प्रमोद पाल के सीने में गोली लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी देर रात्रि मृत्यु हो गई ।

उन्होंने बताया कि आरोपी युवक सौरभ सिंह को तत्काल अवैध तमंचे सहित गिरफ्तार किया गया और शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

लोकसभा 2024 का चुनाव देश को नयी दिशा देगा : डा इन्द्रसेन

संवाददाता

लखनऊ, 17 मार्च (नवसत्ता)। लखनऊ अखिल भारतीय कायस्थ महासभा, उत्तर प़देश की बैठक कायस्थ पाठशाला के लखनऊ सभागार में बैठक हुई बैठक की अध्यक्षता करते हुये महासभा के प्रदेश अध्यक्ष डा इन्दसेन श्रीवास्तव ने अपने विचार प़स्तुत किये, जिसमे उन्होने कहा कि लोकसभा 2024 का चुनाव देश को नयी दिशा देगा. जिसमे हर पाटी के लिए यह चुनाव अहम हो गया है,देश के समस्त छोटे बड़े दल सत्ता की भागीदारी के लिए ऐड़ी छोटी का जोर लगा रहे है।हमारा समाज दलो के दलदल से दूर भाजपा के साथ खड़ा नज़र आ रहा है। परन्तु भाजपा ने प्रदेश में अभी तक हमारे समाज से किसी को प्रत्यासी नही बनाया है जो दुर्भाग्यपूर्ण है।कायस्थ प्रदेश के 18 संसदीय छेत्रों में भाजपा को जिताने का काम करता है। अबतक घोषित 51 छेत्रों में प्रतिनिधित्व ना पाने से समाज आक्रोशित है।मैं आज मीडिया के माध्यम से नेतृत्व को अवगत कराना चाहता हूं कि इसे संज्ञान में ले अन्यथा बनारस,बरेली,लखनऊ, प्रयागराज, फूलपुर, जौनपुर, गोरखपुर की लोकसभा की सीटों का परिणाम प्रभावित हो सकता है।ये सही बात हो सकती है कि हम जीत नही सकते पर इसमें कोई शक नही होना चाहिए कि यदि कायस्थों की पीड़ा परवान चढ़ेगी तो भाजपा को नुकसान उठाना पड़ सकता है।ये दुनिया जानती है कि जहा कायस्थ होता है सत्ता वही होती है।आज मैं आप सब के माध्यम से कहना चाहता हूँ कि फूलपुर और प्रयागराज से कायस्थ प्रत्याशी ही उतारे।हम नेतृत्व को अस्वाथ करना चाहता हूं कि भाजपा के 400 पार का सपना कायस्थ समाज पूरा करेगा। बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष सुशील कुमार श्रीवास्तव, नकुल सक्सेना, लखनऊ अध्यक्ष मोहित प्रकाश श्रीवास्तव, आमोद श्रीवास्तव, प्रत्युष श्रीवास्तव, प्रभाकर निगम, विनोद कुमार श्रीवास्तव, धीरज निगम ने विचार व्यक्त किया।

मुठभेड़ में शातिर बदमाश गिरफ्तार एक पुलिसकर्मी भी घायल

संवाददाता

संभल, 17 मार्च (नवसत्ता)। , उत्तर प्रदेश में संभल जिले के बहजोई क्षेत्र में रविवार को मुठभेड़ के दौरान गोली लगने से घायल हुए डकैती के एक शातिर बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार किया। अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि थाना बहजोई की पुलिस को रविवार को थाना क्षेत्र के अंतर्गत के टिकटा मार्ग पर डकैती के शातिर बदमाश के होने की सूचना मिली। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने बाइक से जा रहे बदमाश को रुकने का इशारा किया तो बदमाश ने पुलिस पर फायरिंग कर दी, जिसके जवाब में पुलिस ने भी फायरिंग की। इस मुठभेड़ में बदमाश एवं पुलिस के मुख्य आरक्षी प्रवेश कुमार घायल हो गए। पुलिस ने घायल बदमाश को पकड़ लिया, जिसके कब्जे से पुलिस ने पीली धातु का एक मंगलसूत्र, सफेद धातु की दो पजेब, बारह सौ रुपया, एक तमंचा व जिंदा एवं खोखा कारतूस तथा एक बाइक बरामद की है। पकड़ा गया बदमाश थाना बहजोई के अंतर्गत के ग्राम पाठकपुर का निवासी चांद बाबू है, जो डकैती का शातिर बदमाश है, जिसके विरुद्ध थाना बहजोई में कई मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने घायल बदमाश और मुख्य आरक्षी प्रवेश कुमार को उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया है।

विद्युत लाइन को लेकर दो परिवार आमने-सामने

संवाददाता

महमूदाबाद सीतापुर, 17 मार्च (नवसत्ता)। जनपद सीतापुर की तहसील महमूदाबाद के नगर पालिका परिषद महमूदाबाद के वार्ड नंबर 10 इमलिया में विद्युत लाइन को लेकर दो परिवार आमने-सामने आ चुके हैं। जिसमें कामिल और उसके परिवार का कहना है कि जहां से लाइन पिछले कई दशकों से निकली हुई है, वहीं से लाइन को निकाला जाना चाहिए वही कामिल का आरोप है कि द्वितीय पक्ष विद्युत लाइन को परिवर्तित कर दूसरी तरफ से निकलवाने का प्रयास कर रहे हैं । जब मौके पर मीडिया कर्मी पहुंचे तो देखा कि महमूदाबाद पुलिस और विद्युत विभाग के ठेकेदार सत्यम दोनों मौके पर मौजूद थे , मीडिया कर्मियों ने वहां पर मौजूद लोगों से बात की तो लोगों ने बताया कि यह विद्युत लाइन लगभग 50 सालों से उसी जगह से निकली हुई है लेकिन अब कुछ लोग उसको दूसरी तरफ से निकलने का प्रयास कर रहे हैं और जब इस संबंध में ठेकेदार सत्यम से बात की तो बताया कि लाइन को बदलने का कोई भी आदेश नहीं प्राप्त हुआ है लेकिन यहां पर विवादों के चलते विद्युत लाइन के खंबे नहीं लग पा रहे हैं।

लोकसभा टिकट के लिए सांसद सत्यदेव पचौरी तथा उनकी पुत्री नीतू सिंह आमने-सामने

संवाददाता

कानपुर नगर, 17 मार्च (नवसत्ता)। लोकसभा चुनाव की रणभेरी बज चुकी है। चुनाव तारीख की घोषणा के साथ ही आचार संहित लागू हो चुकी है और सभी राजनैतिक दलों ने अपनी-अपनी बिसात बिछाना चालू कर दी है। हर दल अपने ठोस प्रत्यार्शी को टिकट देकर इस समर में उतारना चाहता है। बीजेपी को टक्कर देने के लिए गठबन्धन पूरा प्रयास कर रहा है तो बीजेपी भी पूरा दमखम लगाकर दावेदांरी प्रस्तुत कर रही है। बडी बात तो यह कि भाजपा सरकार के कार्यकाल के दौरान किए गऐ कार्यो को लेकर भाजपा नेता जनता के बीच है और अपनी सरकार की उपलब्धियां बता रहे है। विपक्ष भी यह बखूबी जानता है कि भाजपा मजबूत स्थिति में है। दूसरी तरफ जनता भी लोकसभा चुनाव में मतदान के लए अपना तय विचार बना चुकी है। फिलहाल भाजपा के वर्तमान सांसद सत्यदेव पचौरी तथा उनकी पुत्री नीतू सिंह लोकसभा टिकट के लिए आमने सामने है और दोनो ने ही दिल्ली में डेरा डाल रखा है। देखना यह है कि भाजपा आलाकमान अपने अनुभवि नेता पर पुनः भरोसा दिखाते है या फिर नया चेहरा मैदान में लाना चाहते है। लोकसभा चुनाव के समय का बिगुल बज चुका है और सभी दल इस रणक्षेत्र में अपना दम-खम दिखाने को तैयार है। हर पार्टी अपने अपने प्रत्याशी मैदान में उतार चुके है। वहीं भाजपा जिसे कानपुर-बुंदेलखण्ड क्षेत्र में प्रचण्ड जीत मिलती है यहां भाजपा ने 10 सीटों में नौ पर अपने पुराने योद्धाओं पर ही विश्वास जताया है। इन सबके बीच अभी कानपुर नगर सीट का निर्णय नही हो सका है। बतादें कि वर्तामान सांसद सत्यदेव पचौरी ने एक बार फिर अपनी 75 वर्ष की आयु होने के बादभी पुनः अपने को दावेदार के रूप में सशक्त साबित करके दिखाया और पुनः टिकट के लिए दावेदारी ठोकी है तो वही उनकी पुत्री भी इस बार लोकसभा चुनाव के लिए दावेदारी कर रही है। नीत सिंह संघ घराने की बहू है और उनके ससुर वीरेंद्र जीत सिंह जो राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ में क्षेत्र संघचालक के पर पर थे उन्हे पदमुक्त करते हुए कृष्ण मोहन को क्षेत्र संघचालक का पदभार सौंपा गया है। फिलहाल पिता और पुत्री दोनो ही दिल्ली में है। देखना यह होगा कि भाजपा आला कमान किसे मजबूत स्थिति में मानते है और टिकट देते है।

कमल के तने से फाइबर निष्कर्षण हेतु एक नवीन उपकरण और उसकी विधि के शोध विषय पर भारत सरकार से सीएसए को मिला पेटेंट

संवाददाता

कानपुर नगर, 17 मार्च (नवसत्ता)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के गृह विज्ञान महाविद्यालय के वस्त्र एवं परिधान विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर रितु पांडेय को भारत सरकार के पैटेंट कार्यालय द्वारा उनके शोध को पेटेंट प्रमाण पत्र मिला है। डॉक्टर पांडेय ने बताया कि कमल के तने से फाइबर निष्कर्षण हेतु एक नवीन उपकरण और उसकी विधि विषयक पर नवीन शोध किया है। उन्होंने बताया कि कमल के सम्पूर्ण भाग की उपयोगिता सर्वविदित है! इसके केसर, बीज,पंखुड़ी, पत्ती, जड़ तथा डंठल उपयोगी है।

उन्होंने बताया कि किसान अब कमल की खेती करके इसके तने से रेशे निकालकर अपनी आय बढ़ा सकते हैं। उन्होंने बताया कि कमल से रेशे निकालने की पारंपरिक प्रक्रिया हाथों द्वारा ही सम्पन्न की जाती है। इसमें कमल के तने को छोटे छोटे भागों में तोड़ा जाता है तथा टूटे हुए तने को मरोड़कर रेशा निकाला जाता है।परंतु एक नए यन्त्र द्वारा कमल के रेशे निकालने की प्रक्रिया को सरलीकरण किया गया है। डॉक्टर रितु पांडे द्वारा कमल रेशे निकालने के लिए नये यंत्र का निर्माण किया गया है। उन्होंने बताया कि नए यन्त्र द्वारा एक बार में एक दर्जन रेशे निकाले जा सकते हैं तथा इस प्रक्रिया में हाथों में कमल के काटे भी नहीं लगते। रेशे को लौटस सिल्क भी कहते हैं कमल रेशो का उपयोग वस्त्र बनाने में होता है तथा इन वस्त्रों की क़ीमत भी अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में पहुँच अधिक है। धागा निकालने तथा कपड़ा बनाने की प्रक्रिया कैमिकल से रहित है।इसलिए इसका प्रयोग खाद्य पदार्थों की पैकिंग में भी किया जा सकता है। वर्तमान में कमल रेशे निकालने का कार्य भारत, बर्मा, म्यांमार, तथा कंबोडिया में होता है। लोटस सिल्क वस्त्रों की डिमांड यूरोपीय देशों में ज़्यादा है। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉक्टर खलील खान ने बताया कि कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह तथा डीन कम्युनिटी साइंस डॉक्टर मुक्ता गर्ग ने इस अवसर पर डॉक्टर रितु पांडे की सराहना की एवं उन्हें शुभकामनाएं प्रदान की है।

नोटिस नमूना आम

न्यायालय श्रीमान उपजिलाधिकारी महोदय लालगंज रायबरेली

वाद संख्या ...सन ई

त्रिवेणी बहादुर सिंह वादी/ प्रार्थी

बनाम

गनेश सिंह आदि प्रतिवादी/ विपक्षी

बनाम श्री हरिश्चंद्र सिंह पुत्र शीतलाबक्श सिंह व सूर्यबक्स सिंह पुत्र शीतलाबक्श सिंह व बीना पत्नी अमरेंद्र व अमरेंद्र बहादुर पुत्र गनपति सिंह व नरपति सिंह पुत्र विश्वनाथ सिंह निवासी गण ग्राम दूलापुर परगना सरेनी तहसील लालगंज रायबरेली व ग्राम सभा द्वारा ग्राम प्रधान ग्राम पंचायत दूलापुर परगना सरेनी तहसील लालगंज रायबरेली

चूंकि ऊपर नामांकित वादी ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि 116 उ. प्र. रा. सं. अतएवम आपको एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप आवेदन के खिलाफ किसी प्रकार की भी कोई आपत्ति प्रस्तुत करना चाहते है तो आप दिनांक 19 माह 03 सन 2024 ई को दिन में 10 बजे पूर्वान्ह में इस न्यायालय में उपस्थित होकर स्वयं या सम्यक रूपेण अनुदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हो और यदि आप ऐसा करने में असफल रहे तो उक्त आवेदन की सुनवाई एकपक्षीय यह करके वाद निर्णीत कर दिया जाएगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज दिनांक 27 माह 02 सन 2024 ई को जारी की गई।

हस्ताक्षर

दिनांक 27/ 2 /2024 पीठासीन अधिकारी

सम्पादकीय

जिन्हें नाज है हिंद पर वो यहां हैं

विभाजन की विभीषिका झेलने वाले लोगों को जब नागरिकता दी जा रही है तब विपक्षी दलों के द्वारा की जाने वाली आलोचना को भारतीय इतिहास के साथ धोखा ही माना जायेगा। पाकिस्तान का निर्माण जिस मजहब के आधार पर हुआ था उससे पृथक पहचान रखने वाले समुदाय के सदस्यों की पीड़ा को समझने की जिम्मेदारी भारत सरकार की ही है। जिन लोगों ने पाकिस्तान की मांग नहीं की थी उनकी हिफाजत आखिर सुनिश्चित कैसे हो, इस मसले पर गौर करने की जरूरत किसी ने नहीं समझी।

उत्तर-स्वातंत्र्य काल में भारत के ज्यादातर नेताओं ने सिर्फ सरकारों के गठन में रुचि ली और ऐतिहासिक दायित्वों की उपेक्षा की। लेकिन भाजपा एक राजनीतिक दल के रूप में राष्ट्रीय मुद्दों पर अलग राय रखती है। इसलिए किसी आलोचना की परवाह किए बगैर वह निरंतर आगे बढ़ रही है। अब पाकिस्तान के हुक्मरानों को भी ऐसी ही पहल करनी चाहिए ताकि वहां जाने के इच्छुक लोगों की राह आसान हो सके।

जिस मजहब की बुनियाद पर पाकिस्तान का निर्माण हुआ था उसके अनुयायियों की जिम्मेदारी उसे ही उठानी चाहिए तब ही उसके निर्माण का औचित्य सिद्ध होगा। राष्ट्र-राज्य भारत तो मिसाल कायम कर रहा है। नागरिकता संशोधन कानून को इंसानियत की निगाह से देखने की जरूरत है।

पेशावर, लाहौर, कराची, क्वेटा और ढाका जैसे शहरों को भारत ने सिर्फ इसलिए खो दिया क्योंकि वहां की बहुसंख्यक आबादी पश्चिम एशियाई मूल्यों से प्रभावित थी। उन्हें अपने मुल्क के गौरवगान से चिढ़ होती थी। यहां के निवासी होने के बावजूद वे मध्य एशियाई हमलावरों के कृत्यों को गलत नहीं मानते थे। इसलिए मुस्लिम लीग के रहनुमा भारतवर्ष के इतिहास से खुद को अलग करके देखते रहे।

गंगा-जमुनी तहजीब हकीकत नहीं बन सकी, लेकिन इसके अफसाने अभी भी सुनने को मिलते हैं। दरअसल पाकिस्तान एक देश नहीं, एक विचार है जो भारत की मौलिक संस्कृति को न सिर्फ नकारती है बल्कि इसे कमतर बता कर यहां के लोगों को अपमानित भी करती है।

पृथक धर्म एवं संस्कृति की बातें करते हुए मुहम्मद अली जिन्ना का यह मुल्क अपने पूर्वी हिस्से को संभाल नहीं सका, इसलिए विश्व के मानचित्र पर हम एक नए राष्ट्र बांग्लादेश को देखते हैं। अपनी भाषा, संस्कृति एवं पहचान को सुरक्षित रखने के लिए बेचैन पूर्वी पाकिस्तान के लोग फौजी हुक्मरानों के बूटों तले रौंदे गए थे, लेकिन बांग्लादेश की राजनीतिक जटिलताओं के कारण बंगबंधु शेख मुजीबुर्रहमान के ख्वाब पूरे नहीं हुए। जिस बंगभूमि से देश को कई राष्ट्रवादी, बुद्धिजीवी और समाज सुधारक मिले थे वहां संकीर्ण सोच को प्रोत्साहित किया जाने लगा।

भारतीय उपमहाद्वीप में धर्मनिरपेक्षता की यूरोपीय अवधारणा कभी जड़ें नहीं जमा सकी। पंडित जवाहरलाल नेहरू की परवरिश जिन अभिजात्य मूल्यों के संरक्षण में हुई थी वे धर्म एवं राजसत्ता के अलगाव की वकालत करते थे। लेकिन भारतीय जनमानस की वास्तविकताओं का सही आकलन जरूरी नहीं माना गया। गांधीजी की मानवतावादी विचारधारा आकर्षक होने के बावजूद मुल्क का विभाजन नहीं रोक सकी। विपरीत परिस्थितियों में अपनी जगह-जमीन छोड़ने वाले लोगों के समक्ष धर्मनिरपेक्षता के तराने गाना किस हद तक मुनासिब है यह कौन तय करेगा?

भारत के समावेशी संसदीय लोकतंत्र से अल्पसंख्यक समूहों को सुरक्षा का आश्वासन मिला है, इसलिए यहां उनकी आबादी कम नहीं हुई। लेकिन पाकिस्तान एवं बांग्लादेश के संबंध में ऐसे दावे नहीं किए जा सकते। महाशक्तियों की प्रयोगभूमि रहा अफगानिस्तान अपने बाशिंदों को मध्यकालीन शासन-व्यवस्था की सौगात देकर इतरा रहा है। जब बामियान में गौतम बुद्ध की प्रतिमा ध्वस्त की जा रही थी तब धर्मनिरपेक्षता के पैरोकार गहरी नींद में सो रहे थे।

इजराइल की नीतियों की आलोचना करने वाले लोगों ने कश्मीरी पंडितों के दर्द को कभी महसूस नहीं किया। भारतीय राजनीति का मौजूदा दौर कांग्रेस और उसके सहयोगियों की कार्यशैली को असंतुलित मान रहा है। पूर्वोत्तर भारत की जटिल नृजातीय-सामाजिक संरचना के कारण नागरिकता संशोधन कानून के विरुद्ध कुछ संगठनों की सक्रियता केंद्र सरकार के लिए चुनौती जरूर बन रही है, लेकिन स्थानीय लोगों से संवाद स्थापित करके उनकी शंकाओं का समाधान ढूंढा जा सकता है।

अपनी बात

एमएसपी गारंटी देनी है तो पूरा सिस्टम बनाना पड़ेगा

दिनेश कुलकर्णी

आजकल देश में ही नहीं बल्कि यूरोप अमेरिका सहित कई देशों में किसानों के आंदोलन चल रहे हैं। सब जगह समान मुद्दा है कि खेती करना आर्थिक दृष्टि से अब फायदे का सौदा नहीं रह गया है। लागत बढ़ती जा रही है और उपज के दाम में अस्थिरता है।

भारत के किसानों की मुख्य समस्या उपज की कम कीमत है। कृषि उत्पादों की कीमतें सरकारें अपने हिसाब से शुरू से ही तय करती रही हैं। जब देश में अनाज की कमी थी, तब सरकारें कुछ कीमत तय कर किसानों से जबरदस्ती खरीद कर लेती थीं। वही न्यूनतम समर्थन मूल्य की शुरुआत थी। जब सरकार की जरूरत केवल सार्वजनिक वितरण प्रणाली तक सीमित हो गई, तो उसने उसके लिए अनाज खरीदने की जिम्मेदारी ली और बाकी के लिए किसानों को बाजार भरोसे छोड़ दिया।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली के लिए केवल धान-गेहूं पर ही विचार किया गया। फिर उसकी अधिकतर खरीद पंजाब-हरियाणा से होने लगी। इसके परिणाम सामने हैं। पंजाब-हरियाणा में जमीन की उपजाऊ क्षमता काफी घट गई है और फसलों का विविधीकरण खत्म हो गया। इससे किसान को आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ा। वह कर्ज में डूब गया। विडंबना है कि जिस राज्य से ज्यादा खरीद होती थी, वहां का किसान ज्यादा आक्रोशित है।

पिछले 10 वर्षों में सरकार एमएसपी में बढ़ोतरी कर रही है। पंजाब, हरियाणा के साथ ही राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में भी सरकारी खरीद बढ़ी है। किंतु देशभर के किसानों को इसका लाभ नहीं मिल रहा। सरकार ने गेहूं चावल के साथ ही दलहन-तिलहन की भी एमएसपी बढ़ाई है। मगर उसकी खरीद की व्यवस्था न होने के कारण बहुत बार किसान को एमएसपी के नीचे ही उपज बेचनी पड़ती है। इन हालात में एमएसपी में बढ़ोतरी का भी फायदा किसान को नहीं मिलता। कारण, उसकी कोई गारंटी नहीं है।

वहीं खेती में लगने वाली चीजों की कीमत पर सरकार का नियंत्रण नहीं है। इन चीजों और मजदूरी में औसतन दोगुनी बढ़ोतरी हुई है। बीज, उर्वरक कीटनाशकों के दामों में भी भारी वृद्धि हुई है। उत्पादक होने के बावजूद किसान को इन चीजों पर जीएसटी भी भरनी पड़ती है, जो जीएसटी की मूल अवधारणा के विपरीत है। किसान को यह जीएसटी वापस मिलने की कोई व्यवस्था नहीं है। इसके कारण उसकी जो लागत बढ़ी है, वह न्यूनतम समर्थन मूल्य से ज्यादा ही आती है। किसानों की मांग ऐसी एमएसपी की है, जो लाभकारी हो। अपने यहां छोटे और मझोले किसान सबसे ज्यादा हैं। उसके पास बेचने के लिए एक-दो फसल के अलावा अनाज होता ही नहीं। वे चाहते हैं कि कीमत मिलने का कुछ पक्का बंदोबस्त हो। वही गारंटी उसे चाहिए। सरकार कीमत तो घोषित करती है, पर वही कीमत उसे मिले, इसकी वह जिम्मेदारी नहीं लेती। साथ ही सरकार की आयात-निर्यात नीति भी इस समस्या को बढ़ाती है।

आज अनेक विद्वान इस चिंता में दुबले हो रहे हैं कि समर्थन मूल्य की गारंटी देना संभव नहीं और देश की अर्थव्यवस्था पर इससे बोझ बढ़ेगा। किसान की साधारण, न्यायसंगत अपेक्षा यही है कि उसकी लागत पर लाभ जोड़कर उसे कीमत मिले। और उसे इससे कम कीमत पर उपज न बेचनी पड़े। यह बात नीतिकारों और विद्वानों को समझनी होगी। इस मसले का रास्ता ढूंढना होगा। किसान को कीमत की गारंटी देने के लिए हमें कई तरह के उपाय करने होंगे। सरकारी खरीद के साथ एक पूरा तंत्र विकसित करना होगा।

मुद्दा

सावधान: चुनाव आचार संहिता लागू आहे

प्रेम शर्मा

निश्चित तौर पर विधानसभा का चुनाव उस राज्य की जनता का भविष्य तय करता है। जबकि लोकसभा का चुनाव पूरे देश के भविष्य की धुरी है। केन्द्र सरकार की नियत और योजनाओं का बड़ा असर ग्राम पंचायत, नगर पंचायत जिला पंचायत एवं स्थानीय निकायों तक देखा जाता है। अब जबकि 47 दिनों की चुनाव प्रक्रिया का बिगुल आयोग ने बजा दिया है। तो इतना तय है कि केवल राजनैतिक दल, सत्तासीन नेता विपक्षी नेता, मंत्री से लेकर प्रशासनिक अधिकारियों का एक दायरा तय कर दिया गया है। क्योंकि यह दौर अत्यानुधिक तकनीक और सोशल मीडिया का है।

जगह जगह कैमरे, गांव-गांव मोबाईल कैमरे होने के कारण आपकी एक छोटी सी गलती आपका जीवन तबाह कर सकती है। निश्चित तौर पर एक दूसरे को पटकनी देने के लिए मैदान में आने वाले दल भी इसी टोह में रहते हैं कि कब उसे विपक्षी की कोई आचार संहिता उल्लघंन की वीडियो, फोटोज आदि मिल जाएं और उस पर हमला कर सकें। यही कारण है कि सरकारी मशीनरी के साथ और कई नजरें आपके आसपास तैनात रहती हैं। ऐसी स्थिति में अगर आपसे एक चूक हुई तो इससे आपका भविष्य चौपट होना तय है। यही नहीं सोशल मीडिया के इस दौर में सत्तासीन दिग्गज नेता भी कई बार इसकी चपेट में आ चुके और उनका कैरियर खत्म हो गया। ऐसे हजारों उदाहरण हैं लेकिन लबोलुआब यह कि चुनाव आचार संहिता के दौरान यह समक्ष लें कि कोई न कोई आपका पीछा कर रहा है।

राजनीतिक दल या नेता ही नहीं अगर आम आदमी भी आचार संहिता का उल्लंघन करता है तो उसे भी जेल की हवा खानी पड़ सकती है। यह जान लें कि चुनाव के दौरान सभी सरकारी कामकाज बंद नहीं होते हैं। लिहाजा अगर कोई सरकारी अधिकारी आपके काम को करने से इनकार कर देता है। यह नियम है कि आपकी जिंदगी से जुड़े जरूरी काम आचार संहिता लागू होने के बाद किसी भी सूरत में बंद नहीं होंगे। लेकिन आयोग ने इसके अलावा कुछ काम काजों पर अवश्य रोक लगाई है। जैसे लोकसभा चुनाव व विधानसभा उपचुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता लागू होने पर प्रत्याशी ऐसा बयान नहीं दे सकते जिससे किसी व्यक्ति की शालीनता और नैतिकता का हनन होता हो। कोई भी प्रत्याशी ऐसी गतिविधि में शामिल नहीं होगा कि जो आपसी घृणा पैदा करे और वोट हासिल करने के लिए जाति या सांप्रदायिक आधार पर कोई अपील नहीं करेगा। सार्वजनिक या निजी स्थान पर सभा आयोजित करने जुलूस निकालने और लाउडस्पीकर इस्तेमाल करने से पहले स्थानीय पुलिस अधिकारियों से लिखित अनुमति लेना जरूरी है। यही नहीं इस दौरान आम आदमी द्वारा भी किसी तरह की धर्म विशेष को भड़काने और किसी के सम्मान को ठेस पहुंचाने वाली घटना सामने आती है तो इसके लिए स्थानीय पुलिस अलग-अलग धारा के तहत कानूनी कार्रवाई करेगी। आचार संहित लागू होते ही राजनीतिक पार्टियां और प्रत्याशी रात 10.00 बजे से प्रातः 6.00 बजे के बीच लाउडस्पीकर का इस्तेमाल नहीं कर सकते। किसी के घर पर उसकी अनुमति के बिना पोस्टर, बैनर या झंडा नहीं लगा सकते। राजनीतिक दल मतदाताओं को मतदान केंद्र तक पहुंचने के लिए अपनी गाड़ी की सुविधा भी नहीं दे सकते। मतदाता को

अपने पक्ष में मतदान कराने के लिए डरा या धमका नहीं सकते हैं। धार्मिक स्थलों का चुनाव प्रचार के लिए इस्तेमाल नहीं कर सकते। यही नहीं किसी सरकारी अधिकारी, कर्मी की ट्रांसफर नियुक्ति नहीं होगी। यदि तबादला करना बेहद जरूरी है तो चुनाव आयोग से स्वीकृति लेनी होगी। चुनाव कार्यों से जुड़े अधिकारी को किसी भी नेता या मंत्री से उसकी निजी यात्रा या आवास में मिलने की मनाही होगी। सरकारी भवनों में पीएम, सीएम मंत्री, राजनीतिक व्यक्तियों के फोटो निषेध होंगे। सरकार की उपलब्धियों वाले प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और अन्य मीडिया में विज्ञापन नहीं दे सकेंगे।

अब बात करें मंत्री-विधायक के बारे में तो चुनाव आयोग ने मुख्यमंत्री अपने जिला अधिकारियों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग नहीं कर सकते। सरकारी या सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के अतिथि गृहों में ठहरने की व्यवस्था नहीं होगी। किसी भी रूप में किसी भी वित्तीय अनुदान की घोषणा नहीं करेंगे और न ही वादा करेंगे। किसी परियोजनाओं या योजनाओं की आधारशिला नहीं रखेंगे। सड़क बनवाने, पीने के पानी को लेकर काम शुरू करवाने का वादा भी नहीं कर सकते। मंत्री अपने आधिकारिक दौरे के समय चुनाव प्रचार नहीं कर सकते। प्रचार के लिए सरकारी गाड़ियों, विमानों या किसी दूसरी सुविधाओं का भी इस्तेमाल नहीं कर सकते। सरकारी खर्च पर चुनावी रैली या चुनाव प्रचार नहीं कर सकते। सरकारी वाहनों का इस्तेमाल सिर्फ अपने निवास से लेकर दफ्तर तक कर सकते हैं। सरकारी खर्चे पर कोई पार्टी या इफ्तार पार्टी का आयोजन नहीं कर सकते। सत्ताधारी पार्टी सरकारी पैसे से सरकार के काम का प्रचार-प्रसार नहीं कर सकती। विधायक या मंत्री अपने विकास फंड से कोई नई राशि नहीं जारी कर सकते। कोई भी नया सरकारी काम शुरू नहीं होगा। किसी नए काम के लिए टेंडर भी जारी नहीं होंगे।

ध्यान रहे अगर कोई आम आदमी भी नियमों का उल्लंघन करता पाया जाता है, तो उस पर भी आदर्श आचार संहिता के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। सीधे शब्दों में कहें तो अगर आप अपने किसी नेता के प्रचार अभियान से जुड़े हैं तो आपको इन नियमों को लेकर जागरूक रहना होगा। अगर कोई राजनेता आपको इन नियमों के खिलाफ काम करने को कहता है तो आप उसे आचार संहिता के बारे में बताकर ऐसा करने से इनकार कर सकते हैं। अगर आपने आचार संहिता का उल्लंघन करने वाला कोई भी काम किया तो आपके खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाएगी। ज्यादातर मामलों में आपको हिरासत में लिया जा सकता है।

राजनीति

न्यायपालिका सरकार के प्रभाव से मुक्त ही बनी रहे

पवन के. वर्मा

हाल ही में, सुप्रीम कोर्ट ने कुछ कड़े फैसले देकर नागरिकों को आश्वस्त किया है कि वह संविधान की रक्षा के लिए सतर्क प्रहरी बना हुआ है। लेकिन चुनौतियां अब भी कायम हैं। 5 मार्च 2024 को, 2018 से कोलकाता हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति रहे अभिजीत गंगोपाध्याय ने इस्तीफा दिया और घोषणा की कि वे भाजपा में शामिल हो रहे हैं।

उन्होंने कहा वे कुछ समय से पार्टी के संपर्क में थे। इस सार्वजनिक स्वीकारोक्ति ने सवाल खड़ा कर दिया कि क्या निष्पक्षता की अपनी संवैधानिक शपथ के अनुसार वे टीएमसी से संबंधित मामलों में भी निष्पक्ष रह सके होंगे? अप्रैल 2023 में, उन्होंने एक बंगाली समाचार चैनल को एक मामले पर साक्षात्कार दिया था, जिस पर अभी भी उनके द्वारा फैसला सुनाया जा रहा था।

भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डी.वाई. चंद्रचूड़ को यह कहते हुए फटकार लगानी पड़ी कि 'न्यायाधीशों को लंबित मामलों पर साक्षात्कार देने का कोई अधिकार नहीं है।' लेकिन भारत में राजनीति और न्यायपालिका के बीच की संधिरेखा का धुंधलाना कोई नई बात नहीं है।

न्यायमूर्ति वी.आर. कृष्णा अय्यर शुरुआत में सक्रिय राजनीति में रहते हुए भी सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश बने। के.एस. हेगड़े कांग्रेस के राज्यसभा सांसद थे, जब उन्होंने मैसूर हाई कोर्ट बेंच में शामिल होने के लिए इस्तीफा दे दिया था, और बाद में उन्हें सुप्रीम कोर्ट में पदोन्नत किया गया। लेकिन वे फिर से राजनीति में लौट आए और 1977 में लोकसभा अध्यक्ष बने।

सीजेआई के. सुब्बा राव भी इस्तीफा देकर 1967 में राष्ट्रपति

चुनाव के लिए विपक्ष के उम्मीदवार बने थे। किसी भी लोकतंत्र के लिए एक स्वतंत्र न्यायपालिका अनिवार्य है। लेकिन लगभग हर लोकतंत्र में सरकारें- जो कि न्यायालय में सबसे बड़ी वादी होती हैं- तुलनात्मक रूप से लचीला रुख रखने वाली न्यायपालिका चाहती हैं।

1970 के दशक में तो इंदिरा गांधी ने खुले तौर पर एक ऐसी 'प्रतिबद्ध न्यायपालिका' पर जोर दिया था, जो सत्तारूढ़ दल के एजेंडे का समर्थन करती हो। उन्होंने आज्ञाकारियों को पुरस्कृत करते हुए 'असुविधाजनक' स्थितियां निर्मित करने वाले जजों को हटा दिया था।

1981 में सुप्रीम कोर्ट ने कार्यपालिका की शक्तियों पर अंकुश लगा दिया। उसने फैसला सुनाया कि न्यायाधीशों की नियुक्ति सीजेआई के परामर्श से की जानी चाहिए। 1993 में कोर्ट ने कहा कि 'परामर्श' का मतलब 'सहमति' है, जिससे सीजेआई की मंजूरी अनिवार्य हो गई।

1998 में कोर्ट ने एक 'कॉलेजियम' प्रणाली की स्थापना की जिसमें सीजेआई के अलावा सुप्रीम कोर्ट के चार वरिष्ठतम न्यायाधीश शामिल थे। 2014 में सरकार ने राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (अधिनियम) लागू किया, जिसने कार्यपालिका की भूमिका को बढ़ा दिया, लेकिन 2015 में पांच न्यायाधीशों वाली सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ ने इसे न्यायिक स्वतंत्रता के लिए हानिकारक बताते हुए रद्द कर दिया। सरकार के पास एक और कार्ड था। वर्तमान प्रणाली के तहत, जब सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम न्यायाधीशों की नियुक्ति और स्थानांतरण के लिए नामों की सिफारिश करता है, तो सरकार नाम वापस भेज सकती है। लेकिन अगर इनमें से कोई भी दोहराया जाता है, तो उसका अनुपालन करना होगा।

हालांकि सरकार द्वारा जवाब देने के लिए कोई समय सीमा निर्दिष्ट नहीं की गई है। इसका मतलब यह है कि कॉलेजियम की सिफारिशों में अनिश्चित काल तक देरी हो सकती है। शीर्ष अदालतों से सेवानिवृत्त न्यायाधीशों को सरकार से कोई भी कार्यभार स्वीकार करने से पहले कम से कम दो साल की कूलिंग ऑफ अवधि मिलनी चाहिए। दुर्भाग्य से, ऐसा कोई प्रावधान मौजूद नहीं है। 1953 में, न्यायमूर्ति फजल अली को सेवानिवृत्ति के बाद ओडिशा का राज्यपाल नियुक्त कर दिया गया था 1958 में मुंबई हाईकोर्ट के न्यायाधीश एम.सी. चागला को अमेरिका में राजदूत नियुक्त किया गया था।

सितंबर 2014 में पहली बार एक सेवानिवृत्त सीजेआई पी. सदाशिवन केरल के राज्यपाल बनाए गए थे, और 2020 में सीजेआई रंजन गोगोई जिन्होंने अयोध्या पर फैसला सुनाया था- को सेवानिवृत्ति के बाद राज्यसभा के लिए नामित किया गया था। सेवानिवृत्त जजों को लुभाने के लिए असंख्य ट्रिब्यूनल्स भी हैं। कॉलेजियम प्रणाली दोषरहित नहीं, लेकिन यह कार्यपालिका द्वारा नियंत्रित न्यायपालिका से बेहतर है।

स्वतंत्र न्यायपालिका के बिना शायर अमीर कजलबाश की ये पंक्तियां हमें दूर तक परेशान करती रहेंगी कि- 'उसी का शहर, वही मुद्दई, वही मुंसिफ, हमें यकीन था हमारा कसूर निकलेगा।'

चिंतन

राजस्थान में कांग्रेस ने दमदार उम्मीदवार उतारे हैं

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान में कांग्रेस पार्टी ने आगामी लोकसभा चुनाव के लिए 10 सीटों पर प्रत्याशियों के नामों की घोषणा कर दी है। पिछले दो बार के लोकसभा चुनाव में प्रदेश की सभी 25 सीटों पर चुनाव हारने वाली कांग्रेस पार्टी इस बार चुनाव में फूंक फूंक कर कदम रख रही है। इसीलिए अब तक घोषित 10 प्रत्याशियों में से किसी भी पुराने प्रत्याशी को रिपीट नहीं किया गया है। हालांकि कांग्रेस के बड़े नेता पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह चुनाव मैदान में नहीं उतरे हैं। यदि यह सभी नेता भी चुनाव मैदान में उतरते तो कांग्रेस-बीजेपी में कड़ा मुकाबला देखने को मिलता।

हालांकि अशोक गहलोत के पुत्र वैभव गहलोत को इस बार भी लोकसभा चुनाव में उतारा गया है। मगर उनका क्षेत्र बदलकर जोधपुर के स्थान पर जालौर-सिरोही कर दिया गया है। भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए चूरू के सांसद राहुल कस्वां को भी चूरू से प्रत्याशी बना दिया है। इसके साथ ही उदयपुर सीट पर आईएएस से इस्तीफा देने वाले ताराचंद मीणा को पार्टी ने प्रत्याशी बनाया है। कांग्रेस की सूची में बीकानेर सुरक्षित सीट से गोविंदराम मेघवाल को प्रत्याशी बनाया गया है। गोविंदराम मेघवाल पिछला विधानसभा चुनाव खाजूवाला क्षेत्र से हार गए थे। वह पिछली गहलोत सरकार में कैबिनेट मंत्री व पूर्व में भाजपा से भी विधायक रह चुके हैं। पिछली बार बीकानेर से मदन गोपाल मेघवाल को प्रत्याशी बनाया गया था। वहीं 2014 में पूर्व सांसद शंकर पन्नू को प्रत्याशी बनाया गया था। चूरू संसदीय सीट पर दो बार भाजपा से सांसद बने राहुल कस्वां को प्रत्याशी बनाया गया है। राहुल कस्वां के पिता रामसिंह कस्वां चूरू से चार बार सांसद रह चुके हैं। जिले में इन्होंने ही सबसे पहले भाजपा का खाता खोला था। मगर राहुल कस्वां का टिकट काट देने से वह कांग्रेस की तरफ से चुनाव लड़ेंगे। चूरू से पिछली बार रफीक मंडेलिया व 2014 में प्रताप पूनिया को प्रत्याशी बनाया गया था। झुंझुनू सीट से विधायक बृजेंद्र ओला को प्रत्याशी बनाया गया है। चार बार के विधायक बृजेंद्र वाला गहलोत सरकार में परिवहन राज्य मंत्री थे। उनके पिता शीशराम ओला झुंझुनू से पांच बार सांसद, नौ बार विधायक केंद्र व राज्य सरकार में कैबिनेट मंत्री रह चुके थे। झुंझुनू से पिछली बार सूरजगढ़ विधायक श्रवण कुमार को व 2014 में बृजेंद्र ओला की पत्नी राजबाला ओला को प्रत्याशी बनाया गया था। यादव मतदाताओं की बहुलता वाली अलवर सीट पर मुंडावर विधायक ललित यादव को प्रत्याशी बनाया गया है। ललित यादव ने पिछला विधानसभा चुनाव 34526 मतों से जीता था। अलवर से पिछले दो बार कांग्रेस से भंवर जितेंद्र सिंह चुनाव लड़कर बड़े अंतर से पराजित हुए थे। भरतपुर सुरक्षित सीट से संजना जाटव को प्रत्याशी बनाया गया है। जबकि पिछली बार अभिजीत कुमार जाटव व 2014 में डॉक्टर सुरेश जाटव प्रत्याशी थे। इस बार की प्रत्याशी संजना जाटव पिछला विधानसभा चुनाव कठूमर सीट से मात्र 409 मतों से हार गई थी। संजना जाटव अभी अलवर जिला परिषद की सदस्य हैं तथा मात्र 26 साल की उम्र से ही उसे लगातार कांग्रेस पार्टी से टिकट मिल रही है। संजना जाटव कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के अभियानों से जुड़ी हुई हैं। इसी के चलते उन्हें टिकट मिला है। टोंक-सवाई माधोपुर सीट से कांग्रेस ने देवली विधायक हरीश मीणा को मैदान में उतारा है। जबकि पिछली बार उनके भाई नमोनारायण मीणा व उससे पहले क्रिकेटर मोहम्मद अजहरुद्दीन चुनाव लड़ चुके हैं। यहां से सचिन पायलट के चुनाव लड़ने की चर्चा थी। मगर उन्होंने अपने विश्वासपात्र हरीश मीणा को मैदान में उतार दिया है। हरीश मीणा 2014 में भाजपा से सांसद व 2018 तथा 2023 में कांग्रेस से विधायक का चुनाव जीत चुके हैं। वह पूर्व में राजस्थान पुलिस के डीजीपी रह चुके हैं। जोधपुर में करण सिंह उचियारड़ा को प्रत्याशी बनाया गया है। पिछली बार वहां अशोक गहलोत के पुत्र वैभव गहलोत उम्मीदवार थे। मगर 3 लाख वोटों से हार गए थे। 2014 में वहां से केंद्रीय मंत्री चंद्रेश कुमारी प्रत्याशी रही थीं। जोधपुर लोकसभा सीट को कभी पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का गढ़ माना जाता था। वह जोधपुर से पांच बार सांसद व छह बार विधायक का चुनाव जीत चुके हैं। मगर पिछले लोकसभा चुनाव में उनके पुत्र की करारी हार के चलते उन्होंने अपने पुत्र वैभव गहलोत को जोधपुर के स्थान पर जालौर-सिरोही सीट से प्रत्याशी बनवाया है। जोधपुर से भाजपा ने केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को लगातार तीसरी बार प्रत्याशी घोषित किया है।

जालौर-सिरोही सीट से पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पुत्र वैभव गहलोत चुनाव लड़ेंगे। पिछली बार यहां से रतन देवासी प्रत्याशी थे। जबकि 2014 में चित्तौड़गढ़ के रहने वाले उदयलाल आंजना को प्रत्याशी बनाया गया था। उदयपुर सीट से उदयपुर में कलेक्टर रह चुके ताराचंद मीणा को प्रत्याशी बनाया गया है। 2019 व 2014 में यहां से रघुवीर मीणा कांग्रेस प्रत्याशी रहे थे। चित्तौड़गढ़ सीट पर उदयलाल आंजना को प्रत्याशी बनाया गया है। आंजना गहलोत सरकार में कैबिनेट मंत्री थे तथा पिछला विधानसभा चुनाव हार चुके हैं। चित्तौड़गढ़ में पिछली बार गोपाल सिंह शेखावत व 2014 में गिरिजा व्यास चुनाव लड़ चुकी हैं। उदयलाल आंजना 2014 में जालौर सिरोही सीट से चुनाव लड़कर हार चुके हैं। चित्तौड़गढ़ में भाजपा से प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी तीसरी बार चुनाव लड़ने जा रहे हैं। कांग्रेस ने इस बार तीन मौजूदा विधायक झुंझुनू से बृजेंद्र ओला अलवर से ललित यादव, टोंक- सवाई माधोपुर से हरीश मीणा को प्रत्याशी बनाया है। भाजपा सांसद राहुल कस्वां को चूरू से तथा पूर्व प्रशासनिक अधिकारी हरीश मीणा व ताराचंद मीना को मैदान में उतारा है। कांग्रेस ने तीन विधायकों को मैदान में उतार दिया है। वहीं पांच अन्य सीटों पर विधायकों कोटा से अशोक चांदना, दौसा से मुरारीलाल मीणा, राजसमंद से सुदर्शन सिंह रावत, बाड़मेर से हरीश चौधरी व करौली-धौलपुर से अनीता जाटव के नाम चल रहे हैं। कांग्रेस में चर्चा है कि बांसवाड़ा डूंगरपुर सीट भारतीय आदिवासी पार्टी को, सीकर सीट मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी को तथा नागौर व बाड़मेर सीट राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी को गठबंधन में दी जा सकती है।

कुछ-अलग

हरियाणा में परदे के पीछे हुआ कौन सा खेल

राज कुमार सिंह

बिहार जैसी ही तेजी से हरियाणा में भी राजनीतिक परिवर्तन हो गया। हालांकि एक ही दिन में इस्तीफे और नई सरकार के शपथ ग्रहण को छोड़ दिया जाए तो दोनों में ज्यादा समानता नहीं है। बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही रहे, सिर्फ गठबंधन भागीदार बदले, जबकि हरियाणा में गठबंधन तो टूटा ही, मुख्यमंत्री भी बदल गए। शायद ही किसी ने कल्पना की होगी कि हरियाणा की राजनीति में इतना बड़ा उलटफेर हो जाएगा, लेकिन शाम होते-होते नेतृत्व परिवर्तन के जरिये ऐसी चुनावी बिसात बिछा दी गई कि विपक्ष को अपनी रणनीति पर नए सिरे से माथापच्ची करनी पड़ेगी।

यूं तो मनोहर लाल खट्टर, नरेंद्र मोदी के विश्वस्त लोगों में गिने जाते हैं। एक दिन पहले ही द्वारका एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन करने गुरुग्राम आए प्रधानमंत्री ने मनोहर लाल के साथ अपने पुराने रिश्तों के किस्से सुनाते हुए बताया था कि कैसे पार्टी के काम के सिलसिले में वह उनकी मोटरसाइकल पर ही हरियाणा भर में घूमते थे। ऐसे में यह नेतृत्व परिवर्तन अप्रत्याशित लग सकता है?, पर है नहीं। इसके पीछे बीजेपी की सुनियोजित चुनावी रणनीति है। जिस तरह नायब सैनी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ लेते समय मनोहर लाल के पैर छूकर आशीर्वाद लिया, उससे दोनों की निकटता की पुष्टि भी हो जाती है। चौधरी बीरेंद्र सिंह और दुष्यंत चौटाला परिवार के बीच राजनीतिक रस्साकशी तो तात्कालिक आधार भर बन गई, जिसने बीजेपी को चुनावी बिसात बिछाने का मौका दे दिया। वैसे बीरेंद्र सिंह और चौटाला परिवारों के बीच राजनीतिक जंग पुरानी है। 2009 में बीरेंद्र सिंह कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में जिस उचाना सीट पर ओमप्रकाश चौटाला से हार गए थे, उसी पर 2019 में दुष्यंत ने उनकी पत्नी प्रेमलता को हराया। बीरेंद्र सिंह 2014 में ही बीजेपी में आ गए थे। वहीं, अपनी अलग पार्टी जेजेपी बनाकर 2019 का लोकसभा और विधानसभा चुनाव लड़ने वाले दुष्यंत तब साथ आए, जब बीजेपी बहुमत का आंकड़ा छूने से चूक गई। 10 विधायकों वाली जेजेपी के नेता दुष्यंत जब उप-मुख्यमंत्री बन गए तब से दोनों के बीच तनातनी और तेज हो गई। बीरेंद्र सिंह जेजेपी से गठबंधन में चुनाव लड़ने के विरुद्ध थे, पर जानते थे कि बीजेपी में ऐसे दबाव नहीं चलते। इसलिए कांग्रेस में घर वापसी कर ली।

दुष्यंत को शायद लगा हो कि बीरेंद्र सिंह के जाने के बाद बीजेपी उन्हें गठबंधन में दो लोकसभा सीटें दे देगी, पर ऐसा संभव नहीं था। 2019 में हरियाणा की सभी 10 लोकसभा सीटें बीजेपी ने अपने बूते जीती थीं। फिर जेजेपी से गठबंधन को लेकर बीजेपी में एक वर्ग हमेशा खिलाफ रहा। 2019 विधानसभा चुनाव में बहुमत से चूकने के बावजूद बीजेपी के पास निर्दलीय विधायकों के समर्थन से सरकार बनाने का विकल्प था, पर शायद आलाकमान ने स्थिरता की खातिर जेजेपी से गठबंधन करना बेहतर समझा। उसके बाद भी बीजेपी के रणनीतिकारों को अहसास था कि उनका और जेजेपी का जनाधार प्रतिकूल राजनीतिक ध्रुवों जैसा है। 2019 चुनाव में

नकवी बोले- राहुल विपक्षी गठबंधन के लिए बोझ

एजेंसी

नई दिल्ली, 17 मार्च (नवसत्ता)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का आज मुंबई में समापन हो रहा है। मुंबई के शिवाजी पार्क में शाम को इंडिया की रैली होगी।

राहुल-प्रियंका समेत 15 से ज्यादा दलों के नेता शामिल होंगे।

विपक्षी दलों का लोकसभा चुनाव से पहले यह शक्ति प्रदर्शन होगा। हालांकि बीजेपी का दावा है, आने वाले चुनावों में भाजपा तीसरी बार सरकार बनाएगी। बीजेपी नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने न्यूज एजेंसी पीटीआई से बातचीत में कहा- इंडिया गठबंधन में आपस में ही खींचतान है। हर कोई पीएम बनने की हो? में लगा है।

राहुल गांधी तो पूरे गठबंधन के लिए बोझ बन गए हैं। नकवी ने आगे कहा- इंडिया गुट उनके सहयोगियों के लिए ही एक चुनौती बन गया है। गठबंधन

में शामिल सभी दलों के बीच कंफ्यूजन फैला है। न तो कोई नेता है, न कोई नीति। हर किसी की प्रधानमंत्री पद की महत्वाकांक्षा है। जनता रिमोट कंट्रोल वाली सरकार नहीं चाहती है। गठबंधन की जमीनी हकीकत कुछ नजर नहीं आ रही।

नकवी ने आगे कहा चुनाव के बाद कई राजनीतिक दलों को कम वोटों के चलते अपनी मान्यता खोने का डर रहेगा। उन्होंने कहा, देश का मूड बिल्कुल स्पष्ट है कि वे उन राजनीतिक दलों को हराएंगे जो सुशासन की राह में बाधाएं पैदा कर रहे हैं। कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का आज 63 दिन बाद महाराष्ट्र के मुंबई में समापन हो रहा है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने मुंबई में मणि भवन से अगस्त क्रांति मैदान तक न्याय संकल्प पदयात्रा निकाली। राहुल ने एक रैली में कहा भाजपा बहुत शोर मचाती है, लेकिन उसमें संविधान बदलने की हिम्मत नहीं है। हमारे साथ लोगों का सपोर्ट है। राहुल ने यह कमेंट भाजपा सांसद अनंत कुमार हेगड़े के हालिया बयान पर दिया।

कर्नाटक के भाजपा सांसद अनंत कुमार हेगड़े ने 10 मार्च को कहा था- हिंदुओं को फायदा पहुंचाने के लिए संविधान से धर्मनिरपेक्ष शब्द हटाया जा सकता है। उत्तर कन्नड़ जिले में एक सार्वजनिक रैली में हेगड़े बोले- अगर यह सब बदलना है, तो सिर्फ लोकसभा में बहुमत के वोटों से नहीं होगा।

हमें लोकसभा के साथ-साथ राज्यसभा में दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता होगी। राहुल गांधी ने आगे कहा कि यह लड़ाई बीजेपी और कांग्रेस के बीच नहीं बल्कि दो विचारों के बीच है। कोई सोचता है कि देश को केंद्र (सरकार) से चलना चाहिए जहां एक व्यक्ति के पास सारा ज्ञान हो। इसके विपरीत, हम सोचते हैं लोगों की आवाज सुनी जानी चाहिए।

राहुल गांधी ने 14 जनवरी को मणिपुर से न्याय यात्रा शुरू की थी। इस दौरान वे देश के 14 राज्यों में गए। न्याय यात्रा मणिपुर से नगालैंड, असम मेघालय, पश्चिम बंगाल, बिहार झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान और गुजरात से होते हुए महाराष्ट्र में पहुंची थी।

मुंबई में यात्रा खत्म होने तक राहुल ने 6700 किलोमीटर का सफर तय किया। इस दौरान राहुल ने बस में सफर किया। वे कई किलोमीटर भी पैदल चले।

कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का आज 63 दिन बाद महाराष्ट्र के मुंबई में समापन हो रहा है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने मुंबई में मणि भवन से अगस्त क्रांति मैदान तक न्याय संकल्प पदयात्रा निकाली। न्याय यात्रा के समापन को लेकर शिवाजी पार्क में एक विशाल रैली का आयोजन किया गया है।

महानगर पालिका स्कूल की इमारत जर्जर, हो सकता है हादसा

एजेंसी

मुंबई, 17 मार्च (नवसत्ता)। मालाड़ पुर्व रानी सती मार्ग स्थित नवजीवन प्रायमरी स्कूल जो महानगर पालिका की इमारत मे चलाया जा रहा है, इमारत की जर्जर स्थिति मे शिक्षा हासिल कर रहे बच्चों के साथ किसी समय बडा हादसा हो सकता है, जबकि स्कूल के संचालक जल्द ही इसकी दुरुस्ती का दावा कर रहे हैं मालाड़ पुर्व मे रानी सती मार्ग स्थित मनपा की इमारत मे नवजीवन सोसायटी द्वारा प्रायमरी स्कूल का संचालन किया जा रहा है, जिसमे हिन्दी माध्यम की कक्षा 1ली से कक्षा 4 थी तक की कक्षाएं सुबह चलती हैं जिसमे 80 छात्र पढते हैं उसी तरह दोपहर से गुजराती कक्षाएं 1ली से 4 थी तक चलती हैं गुजराती माध्यम मे 35 बच्चे शिक्षा हासिल करते हैं, इमारत की हालत बेहद खतरनाक हो चुकी है जो कभी भी किसी बडे हादसे

का सबब बन सकती है, बावजूद इसके बच्चे अभी भी इमारत की खस्ता स्थिति होने के बावजूद शिक्षा हासिल कर रहे हैं अभिभावकों ने नाम ना छापने की शर्त पर बताया की पिछले वर्ष ही इमारत की जर्जर स्थिति के बारे मे नवजीवन सोसायटी के ट्रस्टी राजू बजाज और प्रिन्सिपल मीनाक्षी सुतार, शिक्षा अधिकारी राजू तडवी से इसकी शिकायत की गई थी, लेकिन कोई कार्यवाई नहीं की गई और इमारत को रिपेयर भी नहीं किया गया, नवजीवन प्रायमरी स्कूल, मालाड़ की मनपा इमारत की स्थिति से मनपा शिक्षा विभाग को लिखित रुप से सूचित किया जा चुका है, शिक्षा अधिकारी माधुरी महाजन ने स्थिति को देखते हुए अगले शैक्षणिक सत्र से बच्चों को पास के स्कूल मे शिफ्ट करने का अश्वासन दिया है, सुतार ने कहा की विद्यालय की इमारत महानगर पालिका की है इसलिये कोई भी रिपेयर काम करने की जिम्मेदारी मनपा शिक्षा विभाग की है लेकिन बच्चो के सुरक्षा की जिम्मेदारी स्कूल की है,इसे हमने गम्भीरता से लेते हुए अगले सत्र से बच्चों को दूसरे स्कूल मे शिफ्ट किया जायेगा।

झाबुआ लोकसभा सीट-भाजपा ने क्षेत्रीय समीकरणों को साधा

एजेंसी

इंदौर, 17 मार्च (नवसत्ता)। झाबुआ-रतलाम लोकसभा सीट प्रदेश के आदिवासी वोटरों का मिजाज चुनाव में बताती है। आजादी के बाद के ज्यादातर वर्षों में कांग्रेस ने इस सीट पर राज किया, लेकिन अब भाजपा की जमीन भी यहां तैयार हो चुकी है। इस बार के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को अपने परंपरागत वोटबैंक पर भरोसा है, लेकिन 40 साल बाद भाजपा ने आलीराजपुर क्षेत्र से टिकट देकर क्षेत्रीय समीकरणों को साधने की कोशिश की है और महिला उम्मीदवार को टिकट देने का प्रयोग भी किया है। अब देखना है कि भाजपा के यह दोनो प्रयोग क्या रंग लाते है। कांग्रेस ने अभी इस सीट पर अपना उम्मीदवार तय नहीं किया है, लेकिन कांतिलाल भूरिया ने काफी पहले यहां से चुनाव की तैयारियां शुरू कर दी है। विधानसभा चुनाव में भी उन्होंने दावेदारी नहीं की और बेटे को चुनाव लड़ाया। भूरिया

को झाबुआ व आसपास के क्षेत्रों और भील समाज के वोटबैंक पर भरोसा है। यहां से कांग्रेस को हमेशा ज्यादा वोट मिले है। भाजपा ने आलीराजपुर क्षेत्र में रहने वाली अनिता नागर सिंह चौहान को टिकट दिया है। उनके पति नागर सिंह चौहान वन मंत्री है। इससे आलीराजपुर क्षेत्र के वोटबैंक को भाजपा ने साधने की कोशिश की है। रतलाम शहर और ग्रामीण की विधानसभा सीट से भाजपा ने विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज कराई है।

वहां से लोकसभा चुनाव में भी भाजपा को मदद की उम्मीद है। इस लोकसभा क्षेत्र में आठ विधानसभा सीटें आती है। उनमें से चार सीटें भाजपा के कब्जे में है,जबकि तीन सीट कांग्रेस के पास है। सैलाना सीट पर भारत आदिवासी पार्टी के उम्मीदवार ने जीत दर्ज की। 17 लोकसभा चुनाव और एक उपचुनाव में चार बार ही रतलाम झाबुआ सीट से गैर कांग्रेसी उम्मीदवार जीते है। जनसंघ और भाजपा के लिए यह सीट हमेशा चुनौति रही है। दिलीप सिंह भूरिया सबसे ज्यादा सात बार कांग्रेस के सांसद रहे। फिर वर्ष 2014 में दिलीप सिंह भूरिया भाजपा में आए और चुनाव जीते, लेकिन उनके निधन के कारण उपचुनाव हुआ और कांग्रेस ने उपचुनाव में जीत दर्ज कराई।

यूनिवर्सिटी के हॉस्टल में नमाज पढ़ने को लेकर दो गुटों में विवाद

एजेंसी

अहमदाबाद, 17 मार्च (नवसत्ता)। गुजरात की एक यूनिवर्सिटी के हॉस्टल में अफगानी छात्रों के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। खबरों के मुताबिक अहमदाबाद यूनिवर्सिटी के हॉस्टल में नमाज पढ़ने को लेकर दो गुटों में विवाद हो गया, जिसके बाद हॉस्टल में रहने वाले अफगानी और अन्य छात्रों के साथ मारपीट की गयी। गमछा पहने और जयश्रीराम का नारा लगाते हुए हॉस्टल में घुसी भीड़ ने हॉस्टल में पथराव और तोड़फोड़ भी की। इस विवाद में यूनिवर्सिटी के 5 छात्र घायल हो गए हैं।

राज्य के गृह मंत्री हर्ष सांघवी ने घटना के बाद पुलिस और यूनिवर्सिटी के अधिकारियों के साथ एक इमरजेंसी मीटिंग बुलाई। इससे पहले उन्होंने डीजी और सीपी को तुरंत कार्रवाई करने के आदेश दिए। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। गुजरात यूनिवर्सिटी के हॉस्टल में देर रात

नमाज पढ़ने पर विवाद हुआ। इस दौरान के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं, जिनको लेकर अलग-अलग दावे किये जा रहे हैं। दावों के अनुसार, कुछ अफगानी छात्र रमजान की रात नमाज अदा कर रहे थे, जिसपर तीन हिन्दू छात्रों ने आपत्ति जताई और गार्ड से छात्रों को हटाने को कहा। हिन्दू छात्रों की इस बात पर अफगानी छात्रों में से एक को गुस्सा आ गया और उसने हिन्दू छात्र को थप्पड़ मार दिया, जिसके बाद विवाद हो गया। दूसरे दावे के अनुसार, हिंदू संगठन के लोगों ने इंटरनेशनल हॉस्टल पहुंचकर ज़ोरज़बरदस्ती से विदेशी छात्रों की नमाज़ बंद करवाई। इसके बाद उन्होंने हॉस्टल के सिक्योरिटी गार्ड से बदतमीज़ी की और करने लगे कि यहां नमाज क्यों पढ़ने देते हो, नमाज पढ़नी है तो मदरसा में जाओ, मस्जिद में जाओ! उसी वक़्त एक अफ़ग़ानी छात्र हारून ने आकर नमाज बंद कराने आए हिंदू संगठन के कार्यकर्ता को थप्पड़ मारा और उसके बाद मामला हाथ से निकल गया। चीफ और हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने गुजरात यूनिवर्सिटी के हॉस्टल में अफगानी मुसलमान छात्रों पर हुए हमले की निंदा की है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा, कितनी शर्म की बात है। जब आपकी भक्ति और धार्मिक नारे तभी सामने आते हैं जब मुसलमान शांतिपूर्वक अपने धर्म का पालन करते हैं। जब आप मुसलमानों को देखकर बेवजह क्रोधित हो जाते हैं। यह सामूहिक कट्टरवाद नहीं तो क्या है? यह का गृह राज्य है।

अमित शाह और नरेंद्र मोदी क्या वे कड़ा संदेश भेजने के लिए हस्तक्षेप करेंगे? मैने अपनी सांस नहीं रोक रखी है। जयशंकर घरेलू मुस्लिम विरोधी नफरत भारत की सद्भावना को नष्ट कर रही है।

अर्णव सिंह बने स्कूल टॉपर

धामपुर, 17 मार्च (नवसत्ता)। नगर के प्रतिष्ठित स्कूल शिखर शिशु सदन की विद्यालय स्तरीय परीक्षाओं का परिणाम घोषित हो गया है। निकटवर्ती ग्राम जैतरा निवासी सुरेंद्र सिंह के मेधावी पुत्र अर्णव सिंह कक्षा छह में प्रथम स्थान पर रहे। 99 प्रतिशत अंकों के साथ अर्णव ने स्कूल में टॉप किया है। विद्यालय की प्रधानाचार्या भारती यादव और कक्षाध्यापिका नाजिया ने अर्णव की इस उपलब्धि पर खुशी जताई है। अर्णव हिन्दी की गूंज परिवार के बाल कलाकार भी हैं। अर्णव की रुचि शिक्षा के साथ-साथ साहित्य में भी खूब है और वह समय-समय पर हिंदी की गूंज के द्वारा आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में भाग लेकर अपनी प्रस्तुति देते रहते हैं, कई बार उन्होंने बहुत ही अच्छी कहानियां, कविताएं भी लिखीं हैं। देश के कोने-कोने से बधाई संदेश मिल रहे हैं। संस्था की मीडिया प्रभारी डा. ममता श्रीवास्तव ने इस अवसर पर अर्णव को असाधारण प्रतिभा का विद्यार्थी बताते हुए शुभकामनाएं प्रदान की हैं।

खेल

वर्ल्डकप फाइनल की पिच बदलना भारत को भारी पड़ा: कैफ

एजेंसी

नई दिल्ली, 17 मार्च (नवसत्ता)। टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा कि भारत को वनडे वर्ल्ड कप फाइनल में पिच से छेड़छाड़ करने का नुकसान झेलना पड़ा। टीम अपने ही प्लान में फंस गई और पहले बैटिंग करते हुए बड़ा स्कोर नहीं बना सकी। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा कि पैट कमिंस ने पहले मैच की गलती से सीख ली और टॉस जीतकर पहले फील्डिंग चुनी। 19 नवंबर 2023 को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में वर्ल्ड कप का फाइनल खेला गया। भारत ने पहले बैटिंग करते हुए 240 रन बनाए ऑस्ट्रेलिया ने 4 विकेट के नुकसान पर टारगेट हासिल कर लिया। कैफ ने लल्लनटॉप को दिए इंटरव्यू में कहा,

मैं वहां 3 दिन तक था। रोहित शर्मा और राहुल द्रविड़ ने भी 3 दिन तक हर दिन पिच इंस्पेक्ट की। दोनों करीब एक घंटे तक पिच के पास ही खड़े रहते थे। मैंने पिच को अपना रंग बदलते हुए देखा। पिच पर पानी नहीं डाला जा रहा था, ट्रैक पर घास भी नहीं थी। भारत फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को धीमी पिच देना चाहता था। भले ही लोगों को विश्वास न हो, लेकिन यही सच्चाई है। टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया को हराने का प्लान तो बनाया लेकिन टीम पैट कमिंस की ऑस्ट्रेलिया के सामने अपने ही प्लान में फंस गई। कैफ बोले, ऑस्ट्रेलिया में पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड जैसे तेज गेंदबाज थे। उन्हें कमजोर बनाने के लिए भारत ने स्लो पिच बनवाई, लेकिन यही हमारी गलती थी। लोग कहते हैं कि पिच क्यूरेटर पर किसी का दबाव नहीं होता, यह बकवास है। जब आप पिच के पास घूमते हैं तो बस इतना ही कहना होता है, पानी मत डालो, घास कम रखो। यह सच्चाई है और ऐसा ही होता है। अगर आप घर में खेल रहे हो तो ऐसा होना भी चाहिए लेकिन भारत ने होम कंडीशन का कुछ ज्यादा ही फायदा उठाया। कैफ बोले, पैट कमिंस (ऑस्ट्रेलिया के कप्तान) ने चेन्नई में पहले मैच की गलती से सीखा। वहां शुरुआत में पहले बैटिंग करना मुश्किल था। कोई भी फाइनल में पहले फील्डिंग करने के बारे में नहीं सोचता लेकिन कमिंस ने ऐसा किया। हमने पिच से छेड़छाड़ कर बहुत बड़ी गलती कर दी। पीटीआई के अनुसार, वनडे वर्ल्ड कप फाइनल से ठीक पहले आईसीसी के पिच कंसल्टेंट एंडी एटकिन्सन ने इस्तीफा दे दिया था। हालांकि बीसीसीआई अधिकारियों ने कहा था कि एटकिन्सन का कॉन्ट्रैक्ट खत्म हो गया था। बीसीसीआई सूत्रों ने बताया एंडी का कॉन्ट्रैक्ट खत्म हो गया था इसलिए उन्हें टूर्नामेंट खत्म होने से पहले पद छोड़ना पड़ा। यहां कॉन्ट्रोवर्सी बनाने की जरूरत नहीं है। ऐसा भी कोई नियम नहीं है कि फाइनल से पहले आईसीसी के पिच कंसल्टेंट का मौजूद होना जरूरी है। बीसीसीआई पर पहले से इस्तेमाल हुई पिच पर सेमीफाइनल करवाने के आरोप भी लगे थे। हालांकि, आईसीसी ने बाद में साफ कर दिया था कि नॉकआउट मैच फ्रेश पिच पर ही कराने का कोई नियम नहीं है। एटकिंसन के इस्तीफे के बारे में भी आईसीसी को पहले से पता था। आईसीसी ने नरेंद्र मोदी स्टेडियम की पिच को औसत रेटिंग दी थी। साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच कोलकाता में हुए सेमीफाइनल और भारत-पाकिस्तान मैच की पिच को भी आईसीसी ने औसत रेटिंग ही दी थी।

डेब्यू सीजन में हैरी केन ने रचा इतिहास, तोड़ा 60 साल पुराना रिकॉर्ड

एजेंसी

नई दिल्ली, 17 मार्च (नवसत्ता)। हैरी केन ने डेब्यू सीजन में सर्वाधिक गोल करने का 60 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जबकि जमाल मुसियाला ने दो बार गोल किया जिससे बायर्न म्यूनिख ने डार्मस्टेड में 5-2 से जीत दर्ज की। स्पर्स से आने के बाद से 26 लीग खेलों में 31 गोल के साथ, केन ने जर्मन दिग्गज उवे सीलर को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने 1963-64 में हैम्बर्ग के लिए 30 गोल किए थे। मुसियाला ने भी टीम की इस जीत में सहायता की, जिससे बायर्न की बुंडेसलीगा खिताब की रक्षा करने की उम्मीदें एक बार फिर जीवित हो गई। बायर्न फिलहाल बायर लीवरकुसेन से सात अंक पीछे हैं। बायर्न के कप्तान मैनुएल नेउर ने कहा, हम इसमें बने हुए हैं। हमने कुछ मौके पाने के लिए कड़ी मेहनत की और हमने उन्हें

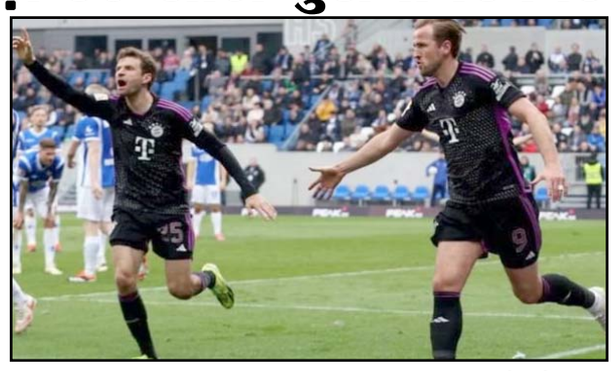

हासिल कर लिया। हालांकि, वह डार्मस्टेड के खिलाफ उनकी टीम के खाते में आए दो गोल से निराश दिखे। गोलकीपर ने कहा, हम सभी को इस पर काम करने की जरूरत है।

दोनों टीमों के बीच जारी इस मैच में डार्मस्टेड ने 28 मिनट के खेल के बाद बायर्न को चौंका दिया था। टिम स्कार्के ने अपनी टीम को जर्मन चैंपियन के खिलाफ एक अविश्वसनीय उलटफेर की उम्मीद दिला दी थी। हालांकि, केन ने बायर्न को हाफ टाइम से पहले ही बढ़त दिला दी, मुसियाला के 36वें मिनट के गोल में मदद की और फिर अपना एक गोल किया। दूसरे हाफ के बीच में मुसियाला ने एक और गोल किया। सर्ज ग्नब्री ने बेंच से बाहर आने के तुरंत बाद गोल करके जीत पक्की कर दी। बायर्न के मैथिस टेल और डार्मस्टेड के ऑस्कर विल्हेमसन दोनों ने स्टॉपेज टाइम में गोल किया।

राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण जीतने वाले इस एथलीट की शर्मनाक हरकत

एजेंसी

नई दिल्ली, 17 मार्च (नवसत्ता)। पेरिस ओलंपिक को होने में अब ज्यादा समय शेष नहीं रह गया है और सभी एथलीट अपना बेस्ट प्रदर्शन करने के लिए पूरी तैयारियां कर रहे हैं। इसके लिए कई स्थानों पर राष्ट्रीय शिविर आयोजित किए गए हैं जहां खिलाड़ी अपनी तैयारियों को अंतिम रूप दे रहे हैं। 2022 राष्ट्रमंडल खेल और 2023 एशियन गेम्स में शानदार प्रदर्शन के बाद देश की उम्मीदें एथलीटों से बढ़ गई हैं। इस बीच बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले भारोत्तोलक अचिंत शिउली शर्मनाक हरकत करते हुए पकड़े गए हैं। मीडियो रिपोर्ट के मुताबिक, शिउली को एनआईएस पटियाला में रात में महिला होस्टल जाते वक्त पकड़ा गया है। इस हरकत

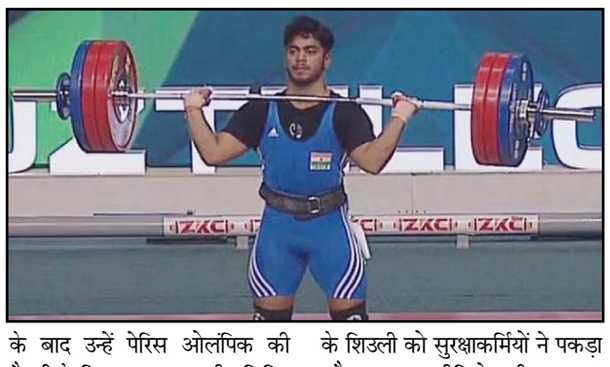

के बाद उन्हें पेरिस ओलंपिक की तैयारी के लिए लगाए गए राष्ट्रीय शिविर से भी बाहर कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि यह घटना गुरुवार रात की है। मामला सामने आने के बाद भारतीय भारोत्तोलन महासंघ के एक अधिकारी ने कहा कि इस तरह की अनुशासनहीनता कतई बर्दाशत नहीं जाएगी। शिउली को तुरंत शिविर से जाने के लिए कहा गया है। पुरुषों के 73 किग्रा वर्ग में उतरने वाले 22 वर्ष के शिउली को सुरक्षाकर्मियों ने पकड़ा और उनका वीडियो भी बनाया। शिउली की इस हरकत के बाद भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) और एनआईएस पटियाला के कार्यकारी निदेशक विनीत कुमार को इसकी जानकारी दी गई। हालांकि सुरक्षाकर्मियों ने जो वीडियो बनाया था उसमें शिउली के खिलाफ साक्ष्य नहीं मिले जिसके कारण साई ने जांच समिति का गठन नहीं किया।

डेब्यू सीजन में हैरी केन ने रचा इतिहास

एजेंसी

नई दिल्ली, 17 मार्च (नवसत्ता)। हैरी केन ने डेब्यू सीजन में सर्वाधिक गोल करने का 60 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जबकि जमाल मुसियाला ने दो बार गोल किया जिससे बायर्न म्यूनिख ने शनिवार को डार्मस्टेड में 5-2 से जीत दर्ज की। स्पर्स से आने के बाद से 26 लीग खेलों में 31 गोल के साथ, केन ने जर्मन दिग्गज उवे सीलर को पीछे छोड़ दिया जिन्होंने 1963-64 में हैम्बर्ग के लिए 30 गोल किए थे। मुसियाला ने भी टीम की इस जीत में सहायता की जिससे बायर्न की बुंडेसलीगा खिताब की रक्षा करने की उम्मीदें एक बार फिर जीवित हो गई।

बायर्न फिलहाल बायर लीवरकुसेन से सात अंक पीछे हैं। बायर्न के कप्तान मैनुएल नेउर ने कहा, हम इसमें बने हुए हैं। हमने कुछ मौके पाने के लिए कड़ी मेहनत की और हमने उन्हें हासिल कर लिया। हालांकि, वह डार्मस्टेड के खिलाफ उनकी टीम के खाते में आए दो गोल से निराश दिखे। गोलकीपर ने कहा, हम सभी को इस पर काम करने की जरूरत है। दोनों टीमों के बीच जारी इस मैच में डार्मस्टेड ने 28 मिनट के खेल के बाद बायर्न को चौंका दिया था। टिम स्कार्के ने अपनी टीम को जर्मन चैंपियन के खिलाफ एक अविश्वसनीय उलटफेर की उम्मीद दिला दी थी। हालांकि, केन ने बायर्न को हाफ टाइम से पहले ही बढ़त दिला दी, मुसियाला के 36वें मिनट के गोल में मदद की और फिर अपना एक गोल किया। दूसरे हाफ के बीच में मुसियाला ने एक और गोल किया। सर्ज ग्नब्री ने बेंच से बाहर आने के तुरंत बाद गोल करके जीत पक्की कर दी।

पेरिस ओलंपिक से पहले भारतीय हॉकी टीम में हुआ बड़ा बदलाव

एजेंसी

नई दिल्ली, 17 मार्च (नवसत्ता)। पेरिस ओलंपिक 2024 से पहले भारतीय हॉकी टीम में बड़ा बदलाव किया गया है। पुरुष टीम की तैयारियों में मदद के लिए नीदरलैंड के गोलकीपिंग विशेषज्ञ डेनिस वान डी पोल की एक बार फिर सहयोगी स्टाफ में वापसी हुई है। वान डी पोल इससे पहले भी भारतीय गोलकीपरोंखाना चाहिए के साथ काम कर चुके हैं। पहली बार वह 2019 में भारतीय टीम से जुड़े थे। भारतीय टीम फिलहाल भुवनेश्वर के कलिंग स्टेडियम में राष्ट्रीय कोचिंग शिविर में भाग ले रही है। वान डी पोल शिविर से जुड़कर तीनों गोलकीपर पीआर श्रीजेश, कृष्ण पाठक और सूरज करकेरा के साथ मिलकर काम करेंगे और उन्हें आगामी

प्रतियोगिता के लिए तैयार करेंगे। मुख्य कोच क्रेग फुल्टन की देखरेख में 10 दिवसीय विशेष गोलकीपिंग शिविर ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए टीम के रवाना होने से एक सप्ताह पहले 26 मार्च को समाप्त होगा।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, भारतीय पुरुष हॉकी टीम के लिए यह बेहद महत्वपूर्ण चरण है। ओलंपिक में फिर से पोडियम पर पहुंचने की उनकी कवायद में हॉकी इंडिया सुनिश्चित कर रहा है कि उन्हें सभी तरह की आवश्यक सुविधाएं मिलें। वान डी पोल ने पिछले साल एशियाई खेलों से पहले भारतीय टीम के लिए जुलाई और सितंबर में दो विशेष शिविर आयोजित किए थे। टिर्की ने आगे कहा, हमें डेनिस को टीम से जोड़कर खुशी हो रही है जो लगभग चार वर्षों से गोलकीपरों के इस समूह के साथ काम कर रहे हैं तथा जानते हैं कि उन्हें बेहतर बनाने के लिए किस तरह के बदलाव करने की जरूरत है।

शिवराज बोले- सोनिया जी को लेनी पड़ी राज्यसभा में बैकडोर एंट्री

एजेंसी

भोपाल, 17 मार्च (नवसत्ता)। मध्य प्रदेश पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस पर हमले तेज कर दिए हैं। रविवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि मैडम सोनिया गांधी जी ने चुनाव लड़ने से इंकार कर दिया। उनकी राज्यसभा में बैक डोर एंट्री हुई है। अब जिसके सर्वोच्च नेता का ही आत्मविश्वास हिल गया हो, उस पार्टी का क्या होगा यह कल्पना की जा सकती है। पूर्व सीएम ने कहा कि 2019 में राहुल जी के नेतृत्व में कांग्रेस ने चुनाव लड़ा था और अमेठी से खुद राहुल गांधी जी चुनाव हार गए थे। अभी अगर इतिहास देखें तो एक के बाद एक लगभग 50 चुनाव कांग्रेस ने हारे हैं। 2013-14 के बाद, कई उनके मुख्यमंत्री, पूर्व मुख्यमंत्रियों ने कांग्रेस छोड़ दी और कई जगह उनको चुनाव लड़ने के लिए उम्मीदवार नहीं

मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ऐसा दल बन गई है, जिसके पास ना तो अब सेना बची है और ना सेनापति। चुनाव लड़ने वालों का टोटा पड़ा हुआ है। जब मैडम चुनाव नहीं लड़ रहीं तो बाकी बड़े नेताओं ने हाथ उठा दिए। राहुल गांधी जी तो ऐसे कप्तान हैं, जिन्हें यह पता ही नहीं है कि कब क्या करना चाहिए। जब उन्हें चुनाव की तैयारी करना चाहिए तो वे यात्रा करते हैं। जब उन्हें यात्रा करनी चाहिए तो विदेश में छुट्टी मनाते हैं और चुनाव में हारने के बाद ईवीएम-ईवीएम चिल्लाते हैं। उन्होंने कहा कि राहुल की तो यह हालत होती है कि वो जहां जाते हैं वहां हम तो डूबे हैं सनम तुमको भी ले डूबेंगे। अब बेचारे अखिलेश, तेजस्वी जिनके साथ उनका गठबंधन हुआ उन्हें भी साथ ले डूबे। अब केजरीवाल का भी भला नहीं होने वाला है। पूर्व सीएम शिवराज ने कहा कि कांग्रेस की यह हालत देखकर कांग्रेस के विचारवान नेता लगातार कांग्रेस छोड़ते जा रहे हैं। एक के बाद एक चुनाव कांग्रेस लगातार हारती चली जा रही है। एक तरफ भारतीय जनता पार्टी पूरी तरह से तैयार है। भारतीय जनता पार्टी संपूर्ण प्रखरता से चमकता हुआ सूर्य है तो कांग्रेस डूबता हुआ जहाज है। कांग्रेस में ना तो दिशा है और ना दृष्टि है। इसलिए कांग्रेस की दशा भी बहुत खराब हो रही है। सेनापति खुद भ्रमित हैं। कई जगह सेना ही गायब है और सेनापति सेना छोड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं आज पूरे विश्वास के साथ यह कहता हूं कि अबकी बार 400 पार। अब केवल भाजपा का मंत्र और नारा नहीं है, यह जनता की उद्घोषणा है। पूर्व सीएम शिवराज ने कांग्रेस छोड़ने वाले नेताओं की जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस छोड़ने वालों की इतनी बड़ी सूची है। कांग्रेस से इस्तीफा देने वाले बड़े नेता हिमन्त बिस्व सरमा अब पूरी कर्मठता से भाजपा में आने के बाद असम का नेतृत्व कर रहे हैं। चौधरी बीरेंदार सिंह, रंजीत देशमुख, जीके वासन, जयंती नटराजन, पेमा खांडू रीता बहुगुणा जोशी, एन बीरेन सिंह शंकर सिंह वाघेला, टॉम वडक्कन ज्योतिरादित्य सिंधिया, केपी यादव प्रियंका चतुर्वेदी जी। 2021 में कांग्रेस से इस्तीफा देने वाले बड़े नेता में पीसी चाको, जितिन प्रसाद, सुष्मिता देव ललितेश त्रिपाठी, लुईजिन्हो फलेरो पंकज मालिक, हरेन्द्र मालिक, कैप्टन अमरिंदर सिंह, रवि नाइक। 2022 में कांग्रेस से इस्तीफा देने वाले बड़े नेता में इमरान मसूद, अदिति सिंह, सुप्रिया एरॉन, आरपीएन सिंह, अश्विनी कुमार, रिपुन बोरा, हार्दिक पटेल सुनील जाखड़, कपिल सिब्बल कुलदीप बिश्नोई, जयवीर शेरगिल गुलाम नबी आजाद, दिगम्बर कामत और 2023 में कांग्रेस से इस्तीफा देने वाले बड़े नेता अनिल एंटनी, सीआर केसवन, 2024 में कांग्रेस से इस्तीफा देने वाले बड़े नेता में मिलिंद देवड़ा अशोक चव्हाण, बसवराज पाटील नारण राठवा शामिल हैं।

भाजपा किसान मोर्चा लोकसभा स्तर पर 20 मार्च से आयोजित करेगा लाभार्थी किसान कार्यकर्ता सम्मेलन

एजेंसी

जयपुर, 17 मार्च (नवसत्ता)। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) किसान मोर्चा लोकसभा क्षेत्र स्तर पर 20 मार्च से आगामी पांच अप्रैल तक ÷लाभार्थी किसान कार्यकर्ता सम्मेलन÷ का आयोजन करेगा। राज्य में किसान आयोग के नव-नियुक्त अध्यक्ष सी आर चौधरी, मोर्चा के प्रदेश महामंत्री रेवत सिंह राजपुरोहित एवं डॉ. बलराम दून, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अमित गोयल ने रविवार को यहां भाजपा प्रदेश कार्यालय प्रेसवार्ता में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस दौरान प्रदेश की 25 लोकसभा क्षेत्रों में केन्द्र की मोदी सरकार की गरीब, किसान एवं अन्य सभी वर्गों के हित की योजनाओं के बारे में लोगों को बताया जायेगा। श्री चौधरी ने मोदी सरकार की प्रशंसा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री बनते ही स्पष्ट कह दिया था कि उनकी सरकार गांव, गरीब,

किसान, मजदूर, दलित , वंचित एवं महिलाओं को समर्पित रहेगी और वह इस पर खरे उतरे हैं।

उन्होंने योजनाओं का फायदा पंक्ति में पीछे अंत में खड़े व्यक्ति तक कैसे पहुंचे और हमेशा गरीब कल्याण के बारे में सोचा। उन्होंने कहा कि किसान को अन्नदाता मानकर उसकी सेवा की जा रही है और मोदी सरकार ने किसानों के लिए बहुत काम किया हैं। उन्होंने कहा कि ईआरसीपी से प्रदेश के 21 जिलों को सिंचाई एवं पेयजल के लिए किसानों को पानी मिलेगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार द्वारा प्रदेश में किसान सम्मान निधि योजना के तहत मिल रहे छह हजार रूपये में दो हजार मिलाकर देने से किसानों को इस योजना में अब आठ हजार रूपये मिलेंगे जिससे किसानों को आर्थिक सहयोग मिलेगा। मोर्चा के प्रदेश महामंत्री रेवत सिंह राजपुरोहित ने बताया कि भाजपा किसान मोर्चा द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रम लाभार्थी किसान कार्यकर्ता सम्मेलन को प्रत्येक लोकसभा स्तर पर प्रभावी रूप से किया जायेगा, जिसमें मोर्चा के समस्त प्रदेश पदाधिकारी, जिला एवं मण्डल पदाधिकारी मजबूती के साथ लग कर इस कार्यक्रम को सफल बनायेंगे और राजस्थान से 25 के 25 लोकसभा सीट जीताकर पुनः श्री मोदी को एक बार फिर प्रधानमंत्री बनायेंगे।

कांग्रेस न होती तो तमाम ऐतिहासिक घटनाएं नहीं होती: देवेंद्र फडणवीस

एजेंसी

महाराष्ट्र, 17 मार्च (नवसत्ता)। कांग्रेस न होती तो क्या होता, कांग्रेस न होती तो ऐसा न होता महाराष्ट्र में अब इस बात पर जंग शुरू हो गई है। दरअसल बीजेपी एक पुस्तक का विमोचन करने जा रही है। जिसका शीर्षक है 'कांग्रेस न होती तो क्या होता। इस पुस्तक के विमोचन के दौरान महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और पुस्तक के लेखक प्रियम गांधी के बीच किताब को लेकर चर्चा होगी। पुस्तक को लेकर फडणवीस ने कहा कि कांग्रेस नहीं 'होती तो क्या होता' इस बारे में सिर्फ एक किताब में बताया गया है। जबकि उन्हें लगता है कि इसके लिए कई खंड लिखने पड़ते।

उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि कांग्रेस नहीं होती तो तमाम ऐतिहासिक घटनाएं नहीं होती। कांग्रेस नहीं होती तो 370 नहीं होती और भारत एक विकसित देश होता। जैसा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर रहे हैं। फडणवीस ने कहा कि पीएम मोदी ने 2014 के बाद से महाराष्ट्र की

राजनीति पूरी तरह से बदल दी। पहले महाराष्ट्र पर सिर्फ मुख्यमंत्री ही का दबदबा था लेकिन पीएम ने दिखाया कि बाहुबलियों के बिना भी राजनीति हो सकती है।

गांधी परिवार पर निशाना साधते हुए देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि आज भले ही मल्लिकार्जुन खरगे जी कांग्रेस के अध्यक्ष हैं लेकिन वो कोई फैसला नहीं ले सकते। कोई भी फैसला लेने से पहले उन्हें सोनिया गांधी और राहुल गांधी से पूछना पड़ेगा। कांग्रेस में परिवारवाद है। फडणवीस ने कहा कि उद्धव ठाकरे और आदित्य ठाकरे के साथ भी यही है। उन्होंने कहा कि आगे भी राजनेताओं के बच्चे राजनीति में आएंगे लेकिन वो अपने दम पर आएंगे।

कपिल सिब्बल का दावा- जम्मू-कश्मीर में कोई चुनाव नहीं होगा

एजेंसी

जम्मू, 17 मार्च (नवसत्ता)। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने रविवार 17 मार्च को दावा किया कि जम्मू-कश्मीर में कोई चुनाव नहीं होगा। उन्होंने कहा कि राज्य को केंद्र शासित प्रदेश में बदलना और फिर चुनाव न कराना असंवैधानिक है। सिब्बल ने चुनाव आयोग पर भाजपा के प्रति झुकाव का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार के लिए आयोग की वफादारी खुलेआम दिख रही है। इसलिए चुनाव 7 चरण में हो रहे हैं, ताकि भाजपा संसाधनों का अपने हिसाब से इस्तेमाल कर सके।

इलेक्टोरल बॉन्ड के नाम पर बड़ा घोटाला हुआ है, इसका फायदा सीधा भाजपा को हुआ है। आरएसएस और भाजपा बताए इस करप्शन पर क्या कहेंगे, उन्हें जवाब देना चाहिए। ईडी सिर्फ विपक्ष के नेताओं पर रेड करती है। अरविंद केजरीवाल आज नहीं तो कल गिरफ्तार होंगे।

हिंदुस्तान में दो बहुत बड़े स्कैम हुए। एक नोटबंदी, जहां करोड़ों रुपए का कैश बदल दिया गया। उसकी

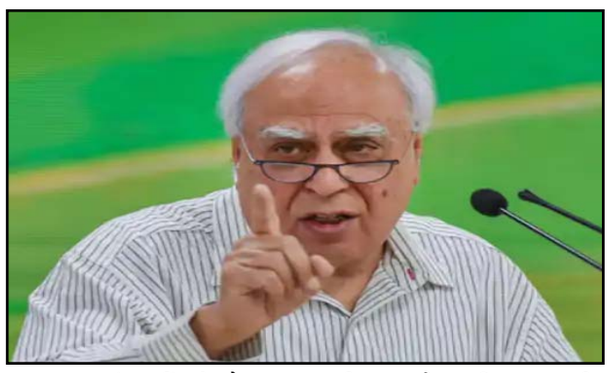

आज तक जांच नहीं हुई। वो बहुत बड़ा स्कैम था। उससे भी बड़ा स्कैम इलेक्टोरल बॉन्ड है। इस स्कैम से भाजपा दुनिया में सबसे अमीर पार्टी बनकर उभरी है। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने पीएम केयर्स में दिए गए चंदे पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि पीएम केयर्स की भी जांच होनी चाहिए। पता चलना चाहिए कि पीएम केयर्स फंड में किसने-किसने पैसे दिए। पूर्व वित्त मंत्री अरुण जेटली ने यह स्कीम यह सोचकर चलाई होगी कि कोई भी पार्टी भाजपा से मुकाबला न कर पाए। वो सही निकला। भाजपा सबसे अमीर पार्टी बन गई। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि जम्मू कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम 2019 में बना था। इसमें 107 विधानसभा सीटों का प्रावधान था, जिनमें से 47 सीटें पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पाक) के लिए थीं। फिर 2022 में परिसीमन किया गया तो राज्य की सीटें 107 से 114 हो गईं। फिर इसमें आरक्षण का भी प्रावधान था। इसके बाद दिसंबर में इस आधार पर जम्मू कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम में संशोधन किया गया, लेकिन तब तक हम लोकसभा चुनावों की तैयारी में लग गए थे।

जब हम कश्मीर में लोगों से मिलने गए तो वहां पॉलिटिकल पार्टियों का कहना था कि लोकसभा के साथ विधानसभा चुनाव करवा दीजिए। लेकिन वहां प्रशासन का कहना था कि ऐसा करना संभव नहीं होगा, क्योंकि एक हजार के करीब उम्मीदवार होंगे और हर उम्मीदवार को सुरक्षा की जरूरत पड़ती है।

जम्मू-कश्मीर के राजनीतिक दलों ने मंगलवार 12 मार्च को चुनाव आयोग से लोकसभा चुनाव के साथ ही विधानसभा चुनाव कराने की मांग की। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार जम्मू-कश्मीर के तीन दिन के दौरे पर थे। वे यहां लोकसभा और विधानसभा चुनाव दोनों के लिए लोगों और राजनीतिक पार्टियों से रायशुमारी करने पहुंचे थे।

लोकसभा चुनाव 2024 की तारीखों का शनिवार को ऐलान हो गया। इसी के साथ आचार संहिता भी लागू हो गई। 543 सीटों के लिए चुनाव सात फेज में होगा। पहले फेज की वोटिंग 19 अप्रैल को और आखिरी फेज की वोटिंग 1 जून को होगी। 4 जून को नतीजे आएंगे। आचार संहिता से लेकर नतीजे तक इसमें 80 दिन लगेंगे।

लोकसभा चुनाव से पहले उत्तराखंड में कांग्रेस को झटका

एजेंसी

देहरादून, 17 मार्च (नवसत्ता)। उत्तराखंड में लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को झटका लगा है। बद्रीनाथ से कांग्रेस के विधायक राजेंद्र भंडारी रविवार को भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गये। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और उत्तराखंड के सीएम पुष्कर धामी ने उन्हें पार्टी कीसदस्यता दिलाई। गढ़वाल लोकसभा में 13 विधायक बीजेपी के थे। आज 14 वे विधायक भी बीजेपी में शामिल हो गए हैं। बता दें कि गढ़वाल लोकसभा में 14 विधायक हैं। 13 बीजेपी के पास थे। भंडारी के शामिल होने के बाद अब सभी विधायक बीजेपी के हो गये हैं। कांग्रेस के पास एक भी विधायक नहीं हैं। उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि आज सुखद है कि राजेंद्र भंडारी, जिनका लंबा राजनीतिक करियर है, वे बीजेपी में शामिल हो रहे हैं। राजेंद्र भंडारी जो बद्रीनाथ से विधायक हैं। वहा केंद्र सरकार की कई योजनाएं चल रही है। इससे प्रभावित होकर वे शामिल हो रहे है। सीएम धामी

ने कहा किउत्तराखंड की सभी 5 सीटें बीजेपी जीतने जा रही है। इन सीटों पर बड़े अंतर से जीत हासिल करेंगे। उत्तराखंड में विकास के अनेक काम हो रहे हैं। पिछले 10 सालों के कालखंड की बात करें। बद्रीनाथ का मास्टर प्लान बनना हो या उत्तराखंड के एक हिस्से को दूसरे हिस्से से जोड़ना हो। सभी काम बहुत ही तेजी से हुआ है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने राजेंद्र भंडारी का स्वागत करते हुए कहा कि उन्होंने वर्षों से उत्तराखंड और बद्रीनाथधाम की सेवा की है। अलग-अलग पदों पर रहते हुए जिस तरह से अपनी कार्यशैली से लोगों का दिल जीता। बार-बार तीन बार जीत कर आना उनकी लोकप्रियता और प्रभाव दर्शाता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने उत्तराखंड को विकास के साथ जोड़ा है। उससे हम गर्व को महसूस कर रहे हैं।

आजम खान के गढ़ में बीजेपी ने खिलाया कमल, क्या एसपी ले सकेगी बदला

संवाददाता

रामपुर, 17 मार्च (नवसत्ता) उत्तर प्रदेश की सियासत में रामपुर लोकसभा सीट की अपनी खासियत है। यह सीट प्रदेश के दिग्गज नेता आजम खान की वजह से जानी जाती है। मुस्लिम बहुल क्षेत्र होने की वजह से रामपुर सीट पर सभी की नजर रहती है। प्रदेश की 80 सीटों में यह उन सीटों में से है जहां पर 2019 के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को जीत नसीब नहीं हुई थी। हालांकि 2022 में यूपी विधानसभा चुनाव में जीत के बाद आजम खान ने सांसद पद से इस्तीफा दे दिया था, और फिर कराए गए उपचुनाव में बीजेपी ने यहां पर भी कब्जा जमा लिया। बीजेपी ने एक बार फिर 2024 के चुनाव में घनश्याम सिंह लोधी को मैदान में उतारा है जबकि इंडिया गठबंधन की ओर से उम्मीदवार के नाम का ऐलान किया जाना बाकी है। रामपुर जिला उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद डिवीजन में आता है। यह जिला उत्तर में उधम सिंह नगर जिला, पूर्व में बरेली, पश्चिम में मुरादाबाद और दक्षिण में बदायूं जिले से घिरा हुआ है। रामपुर लोकसभा सीट के तहत 5 विधानसभा सीटें (बिलासपुर, रामपुर, चमरव्वा, स्वार और मिलाक) आती हैं जिसमें 2022 के विधानसभा चुनाव के दौरान 3 सीटों पर समाजवादी पार्टी को तो 2 सीटों पर भारतीय जनता पार्टी को जीत मिली थी। लेकिन मई 2023 में स्वार विधानसभा सीट पर कराए गए उपचुनाव में जीत अपना दल (सोनेलाल) के खाते में चली गई। रामपुर विधानसभा सीट से चुने गए विधायक अब्दुल्ला आजम खान बाद में अयोग्य घोषित कर दिए गए जिस वजह से उपचुनाव कराए गए और बीजेपी गठबंधन को जीत मिल गई। रामपुर विधानसभा सीट पर अब तक मुस्लिम उम्मीदवार ही विजयी होता रहा है, लेकिन उपचुनाव में बीजेपी के आकाश सक्सेना ने जीत हासिल कर ली। 2019 के लोकसभा चुनाव की बात करें तो यहां पर समाजवादी पार्टी के आजम खान विजयी हुए थे। आजम खान समाजवादी पार्टी और बहुजन समाजवादी पार्टी के साझे उम्मीदवार के तौर पर मैदान में उतरे थे और उन्होंने 2 बार की सांसद रहीं फिल्म अत्रिनेत्री जयाप्रदा को हराया था। आजम को 559,177 वोट मिले तो बीजेपी की जयाप्रदा को 449,180 वोट मिले थे। उन्होंने 109,997 मतों के अंतर से चुनाव में जीत हासिल की थी। हालांकि आजम खान लंबे समय तक सांसद नहीं रह सके क्योंकि 2022 के विधानसभा चुनाव में जीत के बाद उन्होंने इस पद से इस्तीफा दे दिया था। इस्तीफे के बाद यहां पर कराए गए उपचुनाव में बीजेपी के घनश्याम सिंह लोधी ने समाजवादी पार्टी से यह सीट झटक ली। घनश्याम सिंह ने 42,192 मतों के अंतर से सपा उम्मीदवार और आजम खान के खास कहे जाने वाले मोहम्मद असीम रजा को हराया था। 2019 के चुनाव में रामपुर सीट पर कुल 16,58,551 वोटर्स थे जिसमें पुरुष वोटर्स की संख्या 8,94,331 थी तो महिला वोटर्स की संख्या 7,64,121 थी। इसमें से कुल 10,60,921 (64।4प्रतिशत) वोट पड़े थे। रामपुर संसदीय सीट के राजनीतिक इतिहास की बात करें तो इस सीट पर पहला चुनाव (1952) जीतने का श्रेय देश के पहले शिक्षा मंत्री अबुल कलाम आजाद को जाता है।

केरल तमिलनाडु में हो रही चुनाव की तारीख बदलने की मांग

एजेंसी

तमिलनाडु, 17 मार्च (नवसत्ता)। देश में होने वाले लोकसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान हो गया है। इसी से साथ राजनीतिक दलों के साथ जनता का भी इंतजार खत्म हो गया है। पिछली बार की तरह ही इस बार भी सात चरणों में चुनाव होने जा रहे हैं। 19 अप्रैल को पहले चरण की वोटिंग होगी वहीं 1 जून को सातवें और आखिरी चरण के लिए मतदान होगा। चुनाव के नतीजे 4 जून को घोषित किए जाएंगे।

केरल में दूसरे चरण में लोकसभा चुनाव होगा। यहां 26 अप्रैल मतदान होगा। वहीं तमिलनाडु में 19 अप्रैल को वोटिंग होगी। अब इस मामले में आईयूएमएल समेत कुछ दूसरे मुस्लिम संगठनों ने ऐतराज जताया है। दरअसल 19 अप्रैल और 26 अप्रैल दोनों ही तारीख को शुक्रवार का दिन पड़ रहा है।

ये दिन हर मुसलमान के लिए अहम होता है। इस दिन सभी लोग नमाज अदा करते हैं। ऐसे में शुक्रवार को चुनाव होने से लोगों को परेशानी हो सकती है। यही वजह है कि मुस्लिम संगठन चुनाव की तारीख को बदलने की मांग कर रहे हैं।

इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) का कहना है कि वो चाहते हैं कि चुनाव की तारीख को बदलकर कोई और तारीख तय की जाए। इसके लिए वो लोग भारत चुनाव आयोग से संपर्क करेगी। आईयूएमएल के मुताबिक शुक्रवार के दिन चुनाव

होने से मतदाताओं, अधिकारियों और उम्मीदवारों को काफी असुविधा होती है क्योंकि शुक्रवार का दिन मुसलमानों के लिए बेहद अहम दिन है।

आईयूएमएल के राज्य महासचिव पी एम ए सलाम ने का कहना है कि शुक्रवार के दिन लोग नमाज पढ़ने के लिए मस्जिदों में इकट्ठा होते हैं। ऐसे में शुक्रवार को मतदान होने से मतदाताओं, उम्मीदवारों, मतदान एजेंटों और चुनाव ड्यूटी में नियुक्त अधिकारियों को असुविधा होगी। राज्य महासचिव ने कहा कि आईयूएमएल तारीख बदलने की मांग को लेकर ईसीआई के पास जाएगा। आईयूएमएल के अलावा अन्य संगठन भी तारीख में बदलाव की मांग को लेकर चुनाव आयोग के पास जाने की योजना बना रहे हैं।

आपको बता दें कि केरल में 26 अप्रैल को 20 सीटों पर एक साथ एक ही दिन चुनाव होने जा रहे हैं। जिनमें 18 सीटें सामान्य वर्ग की हैं वहीं 2 सीटें आरक्षित हैं। तमिलनाडु में पहले चरण में 19 अप्रैल को चुनाव हैं। यहां 39 सीटों पर एक साथ एक ही दिन वोटिंग होगी। तमिलनाडु में 39 सीट में से 7 आरक्षित सीट हैं।

मुरादाबाद लोकसभा सीट, क्या बीजेपी को दूसरी बार यहां पर मिलेगी जीत

संवाददाता

मुरादाबाद, 17 मार्च (नवसत्ता)। पश्चिम यूपी में पड़ने वाले मुरादाबाद जिले की अपनी खास विरासत रही है। साल 1600 में मुगल शासक शाहजहां के पुत्र मुराद ने इस शहर की स्थापना की थी और आगे चलकर यह शहर उन्हीं के नाम पर मुरादाबाद के रूप में जाना जाने लगा। मुरादाबाद राजधानी, नई दिल्ली से राम गंगा नदी के तट पर बसा है और यह करीब 167 किमी (104 मील) की दूरी पर स्थित है। 2019 के चुनाव में यहां पर बीजेपी को जोर का झटका लगा था और उसके उम्मीदवार तथा तत्कालीन सांसद कुंवर सर्वेश कुमार सिंह को करारी हार का सामना करना पड़ा था। 2022 के चुनाव में मुरादाबाद लोकसभा सीट के तहत आने वाली 6 विधानसभा सीटों में से 5 सीटों पर सपा का कब्जा है जबकि एक सीट बीजेपी के खाते में गई।

5 साल पहले हुए मुरादाबाद में हुए लोकसभा चुनाव में बीजेपी की चुनौती का सामना करने के लिए समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी ने चुनावी तालमेल सेट कर लिया था और इस वजह से यह सीट समाजवादी पार्टी के खाते में गई। सपा ने यहां से एसटी हसन को मौदान में उतारा। 2014 के चुनाव में एसटी हसन को हार मिली थी, लेकिन इस बार साझा उम्मीदवार होने का फायदा उन्हें मिला। हसन को चुनाव में 649,

416 वोट मिले जबकि बीजेपी के कुंवर सर्वेश कुमार के खाते में 551,538 वोट आए। कांग्रेस के टिकट पर मैदान में उतरे इमान प्रतापगढ़ी को 60 हजार वोट भी नहीं मिले। उन्हें 59,198 वोट ही मिले। एसटी हसन ने 97,878 (7।6प्रतिशत) मतों के अंतर से बीजेपी के उम्मीदवार को हरा दिया। तब के चुनाव में यहां पर कुल वोटर्स की संख्या 18,86,615 थी जिसमें पुरुष वोटर्स की संख्या 10,15,348 थी तो महिला वोटर्स की संख्या 8,71,168 थी। इसमें से कुल 12,82,206 (68।3प्रतिशत) वोटर्स ने वोट डाले। चुनाव में नोटो के पक्ष में 5,757 (0।3प्रतिशत) वोट पड़े थे। मुरादाबाद संसदीय सीट के राजनीतिक इतिहास पर नजर डालें तो मुस्लिम बहुल सीट पर 11 बार मुस्लिम उम्मीदवारों को जीत मिली है तो 6 बार अन्य उम्मीदवारों के खाते में जीत गई है। यह प्रदेश की उन चंद सीटों में से एक है जहां पर कांग्रेस को पिछले 20 सालों में एक या दो बार जीत हासिल हुई है। फिलहाल आजादी के बाद पहली बार 1952 में इस सीट पर भी आम चुनाव कराया गया जिसमें कांग्रेस को जीत मिली। राम सरन ने लगातार 2 बार चुनाव जीता। 1962 में निर्दलीय प्रत्याशी सैयद मुजफ्फर हुसैन को जीत मिली। 1967 और 1971 के चुनाव में ये सीट भारतीय जनसंघ के खाते में चली गई। इसके बाद देश में लगी इमरजेंसी की वजह से कांग्रेस को खासा नुकसान हुआ। 1977 और 1980 में भी कांग्रेस को हार मिली। हालांकि इंदिरा गांधी की हत्या के बाद देश में हुए आम चुनाव में सहानूभूति लहर का फायदा कांग्रेस को मिला और मुरादाबाद सीट पर लंबे इंतजार के बाद कब्जा हो गया। 1989 और1991 में जनता दल के कब्जे में यह सीट रही। 90 के बाद की राजनीति में 1999 का चुनाव बेहद खास रहा क्योंकि कांग्रेस छोड़ने वाले जगदंबिका पाल ने अखिल भारतीय लोकतांत्रिक कांग्रेस की स्थापना की थी और यहां से पार्टी के उम्मीदवार चंद्र विजय सिंह को जीत मिली थी।

जलीय कृषि तालाबों में मत्स्य विकास के लिए मीठे पानी को संरक्षित करें: देवर्षि रंजन

रमाकांत बरनवाल

सुलतानपुर, 17 मार्च (नवसत्ता)। जनपद निवासी देवर्षि रंजन जिन्होंने मत्स्य महाविद्यालय आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कुमारगंज अयोध्या से मत्स्य विज्ञान में स्नातक तथा मत्स्य पालन महाविद्यालय डा. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय ढोली मुजफ्फरपुर बिहार से एक्वा कल्चर में परास्नातक की डिग्री हासिल कर वर्तमान में राष्ट्रीय मत्स्य आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो लखनऊ में यंग प्रोफेशनल के रूप में कार्यरत हैं जिनके साथ मत्स्य विभाग में उमा प्रियंका वर्मा भी सक्रियता से लगी हुई तथा उत्तर प्रदेश में जलीय कृषि उत्पादन बढ़ाने की रणनीतियों पर अपने विचार रखते हुए *नवसत्ता संवाददाता* के साथ अपना विचार साझा किया व बताया कि उत्तर प्रदेश भारत का सबसे अधिक आबादी वाला और चौथा सबसे बड़ा राज्य है जो अन्य राज्यों की तुलना में अंतःस्थलीय मछली पालन में तीसरे स्थान पर आता हैं। उक्त ने कहा कि समुद्री उत्पादन लगभग स्थिर है इसलिए अतिरिक्त मछली उत्पादन को अंतःस्थलीय जल से प्राप्त करना पड़ता है, विशेष रूप से मीठे पानी की जलीय कृषि के माध्यम से। देश में मत्स्य पालन क्षेत्र के विकास के लिए सरकार हाल ही में प्रधान मंत्री मत्स्य सम्पदा योजना तथा राज्य में मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना शुरू किया है। देश या राज्य में किसी भी योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए उपर्युक्त रणनीतियां बहुत आवश्यक हैं। इसलिए आज का यह लेख उत्तर प्रदेश में जलीय कृषि उत्पादन बढ़ाने की रणनीतियों पर आधारित है। उन्होंने अपनी प्रमुख रणनीतियों के सम्बन्ध में बताया कि-

1.उत्तर प्रदेश सरकार को चयनित किसान मत्स्य बीज उत्पादकों को गुणवत्तापूर्ण ब्रूड स्टॉक प्रदान करने के लिए और गुणवत्तापूर्ण मछली बीज उत्पादन के लिए उपर्युक्त मछली प्रजातियों का ब्रूड बैंक स्थापित करने का नीतिगत निर्णय लेना चाहिए। 2.मौजूदा जलीय कृषि तालाबों की औसत उत्पादकता स्तर को बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक मीठे पानी की जलीय कृषि पद्धतियों को अपनाना चाहिए। 3.कुशल उत्पादन के लिए विभिन्न प्रणालियों में सुसंस्कृत होने के लिए अच्छी तरह से मानकीकृत प्रजातियों के साथ गहन जलीय कृषि प्रौद्योगिकियों को अपनाने की आवश्यकता है। 4.प्रौद्योगिकियों को व्यापक रूप से अपनाने को बढ़ावा देने के लिए सभी संबंधित हितधारकों को शामिल करते हुए व्यवस्थित प्रदर्शन कार्यक्रम शुरू किए जाने चाहिए। 5.राज्य में बड़ी संख्या में पंचायत जल निकायों का कम उपयोग किया जा रहा है, जिन्हें चरणबद्ध तरीके से वैज्ञानिक जलीय कृषि के तहत लाया जाना चाहिए। 6.क्षमता निर्माण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए और अधिक संख्या में किसानों को वैज्ञानिक जलीय कृषि पर विशिष्ट प्राद्यौगिकी मॉड्यूल पर प्रशिक्षित किया जाना चाहिए और साथ ही सभी जिलों में पर्याप्त प्रशिक्षण अवसंरचना विकसित की जानी चाहिए। 7.राज्य में उचित बुनियादी सुविधाओं की कमी है जैसे- मछली और शेलफिश हैचरी, मिट्टी-जल गुणवत्ता परीक्षण प्रयोगशालाएं, रोग निदान प्रयोगशालाएं आदि। अतः सभी महत्वपूर्ण जलीय कृषि संचालन वाले जिलों में उपरोक्त प्रयोगशाला स्थापित करने की सलाह दी जानी चाहिए।

8.घरेलू मछली की खपत को आमतौर रूप से बढ़ावा दिया जाना चाहिए, क्योंकि यह मछली के सतत उत्पादन को सुनिश्चित करने में मदद करेगा। 9.जलीय कृषि में सतत विकास के लिए नीति समर्थन, प्राद्यौगिकी हस्तांतरण, प्रभावी संसाधन उपयोग बाजार संपर्क, फसल के बाद उत्पाद प्रसंस्करण आदि को अपनाने के लिए उचित रणनीतियों से जुड़ना, और निम्नलिखित रणनीतियों को अपनाना चाहिए। 10.निर्यातोन्मुखी उद्यमिता विकास को बढ़ावा देने के लिए उच्च क्षमता वाली प्रजातियों जैसे झींगा पालन, सजावटी मत्स्य पालन और मीठे पानी में मोती की खेती जैसे मिशन मोड योजनाएं लागू की जानी चाहिए।

शांतिपूर्ण व निष्पक्ष मतदान हेतु तैयारियां पूर्ण, जिले में 18 लाख मतदाता: जिलाधिकारी

संवाददाता

मिर्जापुर, 17 मार्च (नवसत्ता)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा सामान्य निर्वाचन के तिथि की घोषणा किए जाने के साथ ही 79- लोकसभा क्षेत्र मिर्जापुर में शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष मतदान हेतु प्रक्रियाएं पूरी कर ली गई हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी प्रियंका ने प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि जिले में कुल 1352 मतदान स्थलों एवं 2143 मतदान केंद्रो पर 18 लाख से अधिक मतदाता मतदान में भाग लेंगे। निरंजन के अनुसार चुनाव की तैयारियों को लेकर विभिन्न बिंदुओं पर कार्य किये जा चुके हैं। समस्त राजनीतिक दलों से समन्वय स्थापित करते हुए निर्वाचन आयोग की मंशा के अनुरूप कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से उन्होंने पुलिस अधीक्षक के साथ संवेदनशील तथा अति संवेदनशील बूथों का निरीक्षण कार्मिकों एवं ईवीएम की आवश्यकतानुसार उनकी व्यवस्था पूर्ण कर ली है। इसके लिए जिला कंट्रोल-रूम की स्थापना की गई है। जिला निर्वाचन अधिकारी के अनुसार आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू होने के साथ ही जिले के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्रों में 24 * 7 कार्य हेतु कार्मिकों की 45 टीमें गठित की गई हैं।

जिले में निर्वाचन की अधिसूचना 7 मई मंगलवार को तथा नाम निर्देशन हेतु अंतिम तिथि 14 मई मंगलवार, नाम निर्देशनों की समीक्षा 15 मई बुधवार, नाम वापसी हेतु अंतिम तिथि 17 मई शुक्रवार, मतदान की तिथि 01 जून शनिवार, मतगणना का दिनांक 04 जून मंगलवार तथा 06 जून 2024 तक निर्वाचन पूर्ण करा लिया जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने मीडिया के माध्यम से जिले के समस्त मतदाताओं से अनुरोध किया है कि लोकतंत्र के इस पावन पर्व पर बढ़-चढ़कर मतदान करें तथा देश हित में गर्व का अनुभव करें।

आचार संहिता लागू होते ही हटाए जाने लगे बैनर, पोस्टर

संवाददाता

मिर्जापुर, 17 मार्च (नवसत्ता)। आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू होते ही जिला निर्वाचन अधिकारी/ जिलाधिकारी के आदेश पर नगर पालिका परिषद मिर्जापुर द्वारा नगर के विभिन्न स्थानों पर लगाए गए तमाम राजनीतिक दलों/व्यक्तियों के बैनर और पोस्टर को हटाने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया। इस मौके पर ईओ जी लाल, कर निर्धारण अधिकारी अरविन्द यादव, कर अधीक्षक सरदेन्दु सिंह सहित पालिका के अन्य लोग मौजूद रहे। इसी प्रकार जिले के हलिया में भी आदर्श चुनावआचार संहिता लगने और चुनाव की तारीखें घोषित होने के साथ ही प्रशासनिक अमला हरकत में आ गया। निर्वाचन आयोग की ओर से इसकी घोषणा किए जाने के बाद प्रशासन ने सार्वजनिक स्थानों से होर्डिंग्स, बैनर, पोस्टर आदि प्रचार सामग्रियों को हटवाना शुरू कर दिया। हलिया, हथेडा, भटवारी बरी, बस स्टैंड, चौराहे, आदि जगहों पर राजनीतिक दलों के होर्डिंग को तेजी से हटाया जाने लगा।

क्षेत्र में सभी प्रमुख चौराहों पर लगे प्रचार सामग्री को पुलिस टीम की मौजूदगी में हटाया गया।

भीम निषाद के इंडिया गठबंधन प्रत्याशी घोषित होते ही अन्य दलों में हलचल

रमाकांत बरनवाल

सुलतानपुर, 17 मार्च (नवसत्ता)। 16 मार्च को लोकसभा चुनाव का बिगुल बज गया व संसदीय क्षेत्र 38, सुलतानपुर से इंडि गठबंधन से समाजवादी पार्टी ने अपना प्रत्याशी भी घोषित कर दिया व प्रत्याशी के रूप में निषाद समुदाय के बीच में सक्रियता निभा रहे वर्तमान सपा प्रदेश सचिव भीम निषाद के ऊपर विश्वास जताते हुए सपा प्रमुख व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश सिंह यादव ने उन्हें मैदान में उतारा।भीम निषाद के गठबंधन प्रत्याशी बनते ही भाजपा सहित अन्य दल जिसके अभी तक प्रत्याशी घोषित नहीं हो सके उन राजनैतिक दलों में हलचल मच गया है। प्रदेश में मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी जो बीते वर्षो लोकसभा चुनावों में सुलतानपुर की सीट पर एक बार भी काबिज नहीं हो सकी वह भी जातीय समीकरण के आधार पर प्रत्याशी उतार अपनी उपस्थिति दर्ज कराना शुरू कर दिया है। समाजवादी पार्टी सुलतानपुर में सफल तो नहीं हो सकी फिर भी वह अन्य दलों को अच्छा खासा टक्कर देने में कभी पीछे नहीं रही।इस बार तो चार पांच महीने पहले से ही समाजवादी पार्टी नेतृत्व यहां का टोह लेने पार्टी के सक्रिय व निषाद समुदाय में अपनी पैठ व पहुंच रखने वाले पदाधिकारी प्रदेश सचिव भीम निषाद को सुलतानपुर भेजा और केन्द्रीय नेतृत्व के इशारे पर जनपद में निषाद व अन्य पिछड़े वर्ग तथा अनुसूचित जाति जनजाति व मुस्लिम वर्ग के बीच चौपाल आदि का कार्यक्रम आयोजित कर सम्पर्क में लग भी गए जिसका प्रतिफल हुआ कि सपा नेतृत्व ने विश्वास जता उन्हें प्रत्याशी घोषित कर दिया। भीम निषाद सुलतानपुर जनपद के पांच विधानसभा क्षेत्र के 14 ब्लाकों के 426 निषाद वस्तियों में अभी तक 350 निषाद वस्तियों में नुक्कड़ सभाओं का आयोजन भी कर चुके हैं व उन्होंने अच्छी खासी पकड़ भी बना रखा है।

भीम निषाद पूरे प्रदेश में निषादों के सुख-दुख में जुड़ने के साथ गोरखपुर में भी निषाद समुदाय के लिए वर्षो से संघर्ष करने का एक रिकॉर्ड कायम किया है जिससे सपा प्रमुख काफी प्रभावित भी बताए जा रहे हैं। भीम निषाद का जन्म आजमगढ़ जनपद के चतुरपुर मधईपट्टी गांव में हुआ जो राजनीति शास्त्र से परास्नातक भी हैं जिन्होंने अपना पूरा समय सामाजिक सरोकारों से जुड़ राजनीति के लिए समर्पित कर दिया है और साथ ही साथ अपने पिता व सात भाइयों के सहयोग से लखनऊ व अन्य कई शहरों में रियल एस्टेट के व्यवसाय में लगे रहते हैं उन्होंने *नवसत्ता समाचारपत्र संवाददाता* के साथ एक साक्षात्कार में अपने विचार भी साझा किया। भीम निषाद ने बताया कि सामाजिक सरोकारों से जुड़े रहते उन्होंने अपने राजनैतिक कैरियर की शुरूआत गोरखपुर से बहुजन समाज पार्टी के जमुना निषाद के साथ रहकर किया जो सात बार विधानसभा व लोकसभा का चुनाव भी लड़े व जीवन के संघर्ष में 2007 मे विधानसभा का चुनाव बहुजन समाज पार्टी से लड़कर जीता तथा वे बसपा सरकार में मत्स्य कल्याण एवं सैनिक प्रकोष्ठ के स्वतंत्र प्रभार के मंत्री भी बने।

अफीम-पोस्त की खेती करने के आरोप में किसान गिरफ्तार

संवाददाता

मिर्जापुर, 17 मार्च (नवसत्ता)। जिले के चुनार थाने की पुलिस ने मुखबिर के जरिए मिली सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के जलालपुर माफी व केशवपुर गांव में छापेमारी करते हुए भारीमात्रा में नाजायज अफीम पोस्त के पौधे डोडा सहित बरामद करने का दावा किया है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार 15 मार्च को थाना चुनार पुलिस बल को जरिए मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम जलालपुर माफी व ग्राम केशवपुर में कुछ व्यक्तियों द्वारा अफीम पोस्त की अवैध रुप से खेती की गई है। उक्त सूचना पर थाना चुनार पुलिस टीम द्वारा दबिश देकर अवैध रुप से अफीम की खेती करने वाले अभियुक्त शिवानन्द पटेल पुत्र स्व. लल्ला सिंह निवासी जलालपुर माफी थाना चुनार जनपद मिर्जापुर को गिरफ्तार किया गया तथा अन्य संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु संभावित स्थानों पर दबिश दी जा रही है। पुलिस के अनुसार अभियुक्त शिवानन्द पटेल उपरोक्त के खेत में अवैध रुप से लगाए गए अफीम-पोस्त के 1120 पौधे तथा मौके से फरार दूसरे अभियुक्त के खेत में अवैध रुप से लगाए गए अफीम-पोस्त के 1025 पौधे; इस प्रकार अवैध रुप से खेतो में उगाए गये अफीम-पोस्त के कुल 2145 पौधे मय डोडा, वजन- 83.400 किग्रा (अनुमानित कीमत रुपए 1.60 करोड़) बरामद किया गया। उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत कर गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए न्यायालय/जेल भेजा गया।

कारोबार

जोमैटो को 8.57 करोड़ का जीएसटी नोटिस मिला

एजेंसी

नई दिल्ली, 17 मार्च (नवसत्ता)। फूड डिलीवरी कंपनी जोमैटो को 8.57 करोड़ रुपए से ज्यादा का जीएसटी ऑर्डर मिला है। गुजरात स्टेट टैक्स के डेप्युटी कमिश्नर ने फाइनेंशियल ईयर 2018-19 के संबंध में कंपनी को यह ऑर्डर जारी किया है। जोमैटो ने रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया कि ऑर्डर में कंपनी से 4,11,68,604 रुपए के जीएसटी का पेमेंट करने को कहा गया है। इसके साथ 4,04,42,232 रुपए का ब्याज और 41,66,860 रुपए का जुर्माना भरने को भी कहा गया है। टोटल यह अमाउंट 8,57,77,696 रुपए होता है। यह आदेश जीएसटी रिटर्न्स और अकाउंट्स के ऑडिट के बाद आया है।

जोमैटो ने कहा कि जीएसटी ऑर्डर सीजीएसटी एक्ट 2017 के सेक्शन 73 और जीजीएसटी एक्ट 2017 के तहत जारी हुआ है। आदेश में कहा गया कि ऑडिट में पाया गया कि कंपनी ने एडिशनल इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ लिया और जीएसटी का कम भुगतान किया। इसके चलते यह जीएसटी ऑर्डर जारी हुआ है। जोमैटो का कहना है कि उसने कारण बताओ नोटिस के जवाब में सभी मसलों पर संबंधित दस्तावेजों, सर्कुलर्स आदि के साथ चीजें साफ कर दी थीं। लेकिन ऐसा लगता है कि अधिकारियों ने ऑर्डर पास करते हुए उन पर पूरी तरह से विचार नहीं किया। जोमैटो ने आगे कहा कि वह उचित अधिकारियों के समक्ष इस आदेश को चुनौती देगी। जोमैटो का शेयर को 4.68प्रतिशत की तेजी के साथ 159.90 रुपए पर बंद हुआ। कंपनी का मार्केट कैप 1.39 लाख करोड़ रुपए है। शेयर ने पिछले एक साल में अपने निवेशकों को 191.26प्रतिशत का रिटर्न दिया है। जोमैटो ने 8 फरवरी को फाइनेंशियल ईयर 2023-24 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) के नतीजे घोषित किए थे। कंपनी का नेट प्रॉफिट 138 करोड़ रुपए रहा।

पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी को रू346.6 करोड़ का लॉस हुआ था। वहीं तिमाही आधार पर कंपनी का नेट प्रॉफिट 283प्रतिशत बढ़ा है। कंपनी ने पिछली तिमाही यानी 36 करोड़ रुपए का प्रॉफिट दर्ज किया था। ऑपरेशंस से कंपनी का कंसोलिडेटेड रेवेन्यू भी सालाना आधार पर 69प्रतिशत बढ़कर 3,288 करोड़ रुपए रहा। पिछले फाइनेंशियल ईयर की इसी अवधि में कंपनी ने 1,948 करोड़ रुपए का रेवेन्यू जनरेट किया था।

आंध्र प्रदेश और केरल में सबसे महंगा है पेट्रोल

नई दिल्ली, 17 मार्च (नवसत्ता)। सार्वजनिक क्षेत्र की तीनों पेट्रोलियम कंपनियों इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने पिछले सप्ताह ही पेट्रोल और डीजल की कीमतों में दो रुपये प्रति लीटर की कटौती की है।

इससे पहले करीब दो साल से वाहन ईंधन कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ था। इस कटौती से लोगों को कुछ राहत मिली है, लेकिन वैट की ऊंची दरों की वजह से कई राज्यों में अब भी वाहन ईंधन 100 रुपये प्रति लीटर से अधिक है। देश में आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और केरल में पेट्रोल-डीजल सबसे महंगा है। वहीं जिन राज्यों में पेट्रोल डीजल की कीमतें सबसे कम हैं, उनमें अंडमान निकोबार द्वीप समूह, दिल्ली और पूर्वोत्तर के राज्य शामिल हैं। तेल कंपनियों के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है।

रिलायंस का मार्केट-कैप 81,763 करोड़ गिरा

एजेंसी

नई दिल्ली, 17 मार्च (नवसत्ता)। मार्केट कैपिटलाइजेशन के लिहाज से देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप पिछले हफ्ते रू81,763 करोड़ गिरा है। अब कंपनी का मार्केट कैप रू19.20 लाख करोड़ रह गया है। एक हफ्ते पहले यह रू20.01 लाख करोड़ था। देश की टॉप-10 कंपनियों में से 5 की वैल्यूएशन में इस दौरान कंबाइन रूप से रू2,23,660 करोड़ की गिरावट आई है। रिलायंस के अलावा लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया मार्केट के टॉप-3 लूजर रहे हैं। इनकी वैल्यू 63,629 करोड़ रुपए और 50,112 करोड़ रुपए बढ़ी है।

वहीं, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का मार्केट-कैप रू38,858 करोड़ बढ़कर रू15.26 लाख करोड़ हो गया है। इसके अलावा भारती एयरटेल ने अपने मार्केट कैप में 11,977 करोड़ रुपए जोड़ा है। अब कंपनी की बैल्यू 6.89 लाख करोड़ रुपए हो गई है। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी 15 मार्च को शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिली थी। सेंसेक्स 453 अंक की गिरावट के साथ 72,643 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 123 अंक की गिरावट रही, ये 22,023 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 24 में गिरावट और 5 में तेजी देखने को मिली थी। ऑयल एंड गैस सेक्टर में सबसे ज्यादा 1.98प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली। पिछले हफ्ते सेंसेक्स में 1,475.96 अंक या 1.99प्रतिशत की गिरावट रही थी। एनएसई के सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो निफ्टी ऑयल एंड गैस में सबसे ज्यादा 1.98प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली। वहीं,निफ्टी ऑटो में 1.57प्रतिशत, निफ्टी आईटी में 0.47प्रतिशत और निफ्टी बैंक में -0.47प्रतिशत की गिरावट रही। जबकि, निफ्टी एफएमसीजी में 0.02प्रतिशत और निफ्टी मेटल में 0.03प्रतिशत की तेजी रही। मार्केट कैप किसी भी कंपनी के टोटल आउटस्टैंडिंग शेयरों यानी वे सभी शेयर, जो फिलहाल उसके शेयरहोल्डर्स के पास हैं, की वैल्यू है। इसका कैलकुलेशन कंपनी के जारी शेयरों की टोटस नंबर को स्टॉक की प्राइस से गुणा करके किया जाता है।

मदर डेयरी दो नए प्रोसेसिंग प्लांट बनाएगी

एजेंसी

नई दिल्ली, 17 मार्च (नवसत्ता)। दिल्ली और नेशनल कैपिटल रीजन में प्रमुख दूध सप्लायर मदर डेयरी दो और नए प्लांट्स बनाने के लिए करीब रू650 करोड़ रुपए इन्वेस्ट करने जा रही है। नए प्लांट में कंपनी दूध और फलों को प्रोसेस करेगी। कंपनी इससे बढ़ती मार्केट डिमांड को पूरा करेगी। इसके अलावा मदर डेयरी अपनी मौजूदा प्लांट की कैपेसिटी बढ़ाने के लिए रू100 करोड़ और इन्वेस्ट करेगी। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने इस बात की जानकारी दी है। मदर डेयरी फ्रूट्स एंड वेजिटेबल्स प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर मनीष बंदलिश ने कहा, हम अपने डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क और कस्टमर्स तक पहुंच बढ़ाने के लिए अपने प्रमुख जगहों पर अपनी डेयरी और (फल और सब्जियां) प्रोसेसिंग कैपेसिटीज के विस्तार के लिए 750 करोड़ रुपए खर्च करने वाले हैं। मनीष ने बताया कि कंपनी लगभग रू525 करोड़ के इन्वेस्टमेंट से महाराष्ट्र के नागपुर में एक बड़ा डेयरी प्लांट लगा रही है। इस प्लांट में रोजाना 6 लाख लीटर दूध की प्रोसेसिंग होगी, जिसे बाद में बढ़ाकर 10 लाख लीटर किया जाएगा। यह प्लांट देश के साउदर्न रीजन में सर्विस प्रोवाइड। कंपनी अपने ब्रांड को कर्नाटक में भी बढ़ा रही है। स्टेट में मदर डेयरी एक नया फ्रूट प्रोसेसिंग प्लांट शुरू करने की भी प्लानिंग कर रही है। कंपनी इसमें रू125 करोड़ खर्च करेगी। नागपुर और कर्नाटक के ये दोनों प्लांट अगले 2 साल में पूरा हो जाएंगे। मदर डेयरी के पास फिलहाल 9 प्रोसेसिंग प्लांट्स हैं। जिसकी डेली कैपेसिटी 50 लाख लीटर से ज्यादा है। कंपनी थर्ड-पार्टी प्लांट्स में भी प्रोसेसिंग करती है। हॉर्टिकल्चर सेगमेंट में कंपनी के अपने 4 प्लांट्स हैं। वहीं 15 सब्सिडियरी प्लांट में कंपनी एडिबल ऑयलका मैन्यूफैक्चरिंग करती है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी का टर्नओवर 4,500 करोड़ रुपए रहा था।

टैक्स-छूट के लिए 31 तक पीपीएफ में करें निवेश

एजेंसी

नई दिल्ली, 17 मार्च (नवसत्ता)। वित्त वर्ष 2023-24 के लिए टैक्स सेविंग इन्वेस्टमेंट करने के लिए अब 15 दिन से भी कम का समय बचा है। आपको 31 मार्च 2024 तक ये काम करना है। अगर आप सेफ इन्वेस्टमेंट के साथ टैक्स भी बचाना चाहते हैं तो पब्लिक प्रॉविडेंट फंड (पीपीएफ) स्कीम में निवेश कर सकते हैं।

पीपीएफ अकाउंट पर इस समय 7.1प्रतिशत सालाना ब्याज मिल रहा है। इसके अलावा पीपीएफ अकाउंट पर आपको लोन की सुविधा भी मिलती है। हम आपको पीपीएफ की ऐसी ही 7 खास बातों के बारे में बता रहे हैं। ताकि आप भी इस स्कीम में निवेश करके लाभ कमा सकें

पीपीएफ को सीधे केंद्र सरकार रेगुलेट करती है और इस ब्याज भी सरकार ही तय करती है। इसलिए स्कीम में निवेश पर सुरक्षा की पूरी गारंटी होती है। अगर आप टैक्स छूट और अच्छे रिटर्न वाले निवेश की तलाश में हैं तो पीपीएफ में निवेश बेस्ट है। पीपीएफ से ज्यादा रिटर्न सिर्फ सुकन्या समृद्धि योजना और सीनियर सिटीजन स्कीम में मिलता है। लेकिन, इसमें सभी निवेश नहीं कर सकते।

पीपीएफ में निवेश ईईई की कैटेगिरी में आता है। यानी योजना में किए गए पूरे निवेश पर आपको टैक्स छूट का लाभ मिलता है। साथ ही इस योजना में निवेश से मिलने वाले ब्याज और निवेश की संपूर्ण राशि पर भी किसी तरह का टैक्स नहीं देना होता। मैच्योरिटी पर मिलने वाली रकम भी कोई टैक्स नहीं देना होता। पीपीएफ अकाउंट में जमा पर आप लोन भी ले सकते हैं। आपने जिस वित्त वर्ष में पीपीएफ अकाउंट खुलवाया है, उस वित्त वर्ष की समाप्ति के एक वित्त वर्ष बाद से लेकर पांचवें वित्त वर्ष की समाप्ति तक आप पीपीएफ से लोन लेने के हकदार हैं। अगर आपने जनवरी 2019 में पीपीएफ अकाउंट खुलवाया है तो आप 1 अप्रैल 2020 से 31 मार्च 2024 तक लोन ले सकते हैं। जमा पर अधिकतम 25त्न का लोन ले सकते हैं। लोन के लिए प्रभावी ब्याज दर पीपीएफ पर मिल रहे ब्याज से केवल 1प्रतिशत ज्यादा रहती है। ब्याज को दो मंथली इंस्टॉलमेंट या एकमुश्त चुकाया जा सकता है।

पीपीएफ खाते का मैच्योरिटी पीरियड 15 साल है। लेकिन आप इसे जितना चाहे आगे बढ़ा सकते हैं। अगर पैसे की जरूरत तुरंत नहीं है तो अकाउंट होल्डर मैच्योरिटी के बाद आप अपना अकाउंट आगे बढ़ा सकते हैं। इससे आपको बड़ा फंड तैयार करने में मदद मिलेगी।

इस स्कीम में आपको एक साल में मिनिमम 500 रुपए निवेश करने होते हैं। यानी अगर किसी साल में आप पर पैसों की तंगी है। वहीं इसमें एक साल में अधिकतम 1.5 लाख रुपए निवेश कर सकते हैं। एक वित्त वर्ष में अधिकतम 12 किस्तों में पैसा जमा कर सकते हैं। इसमें अभी 7.1प्रतिशत सालाना ब्याज मिल रहा है।

कोई भी व्यक्ति किसी पोस्ट ऑफिस या बैंक में अपने नाम पर यह अकाउंट खोल सकता है। इसके अलावा नाबालिग की तरफ से किसी और व्यक्ति द्वारा भी से खाता खोला जा सकता है। एक अभिभावक (गार्जियन) एक ही बच्चे के नाम पर पीपीएफ खाता खोल सकता है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक सरिता श्रीवास्तव द्वारा आयशा ऑफसेट प्रिन्टर्स, मकान नं।- 166, पिपरौली हवतामऊ मवैया, रायबरेली रोड, लखनऊ उ।प्र से मुद्रित कराकर 806,ब्लाक एफ,बेतवा एपार्टमेंट,सेक्टर 4,गोमती नगर एक्सटेंशन लखनऊ,उप्र से प्रकाशित।
सम्पादक- सरिता श्रीवास्तव- फोन नं-0522-2207090, मो0 नं0- 9415020008 आर0 एन0आई0 नं0 यूपीएचआईएन/2009/28265 'सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा। navsatta@gmail.com

पेपर लीक की एक घटना ने बिगाड़ा आयोग का परीक्षा कैलेंडर

संवाददाता

प्रयागराज, 17 मार्च (नवसत्ता)। समीक्षा अधिकारी (आरओ)/सहायक समीक्षा अधिकारी (एआरओ) प्रारंभिक परीक्षा-2023 में पेपर लीक की घटना ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) का परीक्षा कैलेंडर बिगाड़ दिया। कैलेंडर में शामिल अब तक पांच परीक्षाएं स्थगित की जा चुकी हैं। इनमें से कोई ऐसी परीक्षा नहीं है, जो लोकसभा चुनाव के कारण प्रभावित हो रही हो। ऐसे में माना जा रहा है कि पेपरों की सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए जाने के बाद ही आयोग कोई परीक्षा कराएगा। आयोग ने अप्रैल से दिसंबर तक 17 तिथियां परीक्षाओं के लिए आरक्षित कर रखी हैं। आरओ/एआरओ प्रारंभिक परीक्षा में पेपर वायरल होने की घटना के बाद इस परीक्षा को निरस्त किए जाने के बाद आयोग ने सबसे पहले 17 मार्च को प्रस्तावित पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा स्थगित की।

प्रारंभिक परीक्षा स्थगित होने से अब सात जुलाई से प्रस्तावित मुख्य परीक्षा का टलना भी तय हो गया है। वहीं, 22 मार्च को प्रस्तावित स्टाफ नर्स (पुरुष/महिला) प्रारंभिक परीक्षा-2023 स्थगित होने के बाद अब 16 जून को प्रस्तावित मुख्य परीक्षा भी आयोग को टालनी पड़ेगी। सात अप्रैल को प्रस्तावित सहायक नगर नियोजक प्रारंभिक परीक्षा-2023 भी स्थगित की गई है। ऐसे में 19 जून को प्रस्तावित मुख्य परीक्षा भी टाल दी जाएगी।

आयोग ने अपर निजी सचिव (एपीएस)-2023 की नौ अप्रैल को प्रस्तावित द्वितीय चरण की परीक्षा और 24 अप्रैल को प्रस्तावित स्टाफ नर्स एलोपैथी (पुरुष/महिला) मुख्य परीक्षा-2023 को भी स्थगित कर दिया है। एपीएस के द्वितीय चरण की परीक्षा के लिए आवेदन की प्रक्रिया चल रही है, जबकि स्टाफ नर्स एलोपैथी मुख्य परीक्षा के आवेदन की हार्डकॉपी आयोग में जमा करने की अंतिम तिथि 21 मार्च है। आवेदन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अभ्यर्थियों को परीक्षा के लिए इंतजार करना होगा। लोकसभा चुनाव की आचार संहिता में यूपीपीएससी की पांच भर्तियों फंस गई हैं। आयोग को एलटी ग्रेड शिक्षक भर्ती, राजकीय डिग्री कॉलेजों में असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती, खंड शिक्षा अधिकारी भर्ती, सम्मिलित राज्य कृषि सेवा भर्ती, सम्मिलित राज्य अभियंत्रण सेरा भर्ती से संबंधित रिक्त पदों का अधियाचन मिल चुका है, लेकिन किसी की परीक्षा तिथि तय नहीं है। कोई परीक्षा समकक्ष अर्हता तय न होने तो कोई परीक्षा शासन से नियमावली को मंजूरी मिलने के इंतजार में अटकी हुई है। वहीं, कुछ परीक्षाओं के लिए शासन से परीक्षा योजना और पाठ्यक्रम को मंजूरी मिलने का इंतजार है।

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर भारत-नेपाल बॉर्डर पर अलर्ट

संवाददाता

लखीमपुर-खीरी, 17 मार्च (नवसत्ता)। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर भारत-नेपाल बॉर्डर पर अलर्ट जारी किया गया है। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने, अवांछनीय गतिविधियों की रोकथाम के लिए पुलिस, एसएसबी और पैरामिलिट्री के जवानों ने रविवार को संयुक्त रूप से पैदल मार्च किया। इस दौरान बार्डर से सटे गांवों में फोर्स के जवानों ने पहुंचकर मतदाताओं को जागरूक करते हुए सुरक्षा का पूरा भरोसा दिलाया।

भारत नेपाल बॉर्डर पर स्थित ग्राम बनगवां, कजरिया, सरियापारा नझोटा तननगर, डांग, दीपनगर, गंगानगर में जवानों ने भ्रमण करते हुए लोगों को जागरूक किया गया। बॉर्डर से सटे गांवों, पगडंडी, कच्चे रास्ते, नदी घाट के रास्तों पर अवैध रूप से तस्करी करने वालों पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

बता दें कि लखीमपुर जिले में भारत-नेपाल की सीमा 120 किलोमीटर के दायरे में है।

जिले के चार थाने गौरीफंटा, चंदनचौकी, तिकुनियां व संपूर्णानगर की सीमा नेपाल से लगती है। सीमा पर लगातार निगरानी की जाती है। सीमा सुरक्षा के लिए अतिरिक्त 16 कवच आउटपोस्ट बनाए गए हैं जिन पर उपनिरीक्षक रैंक के अधिकारी को कवच आउट पोस्ट के प्रभारी के रूप में नियुक्त किया गया है। इतना ही नहीं आगामी लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत भारत-नेपाल सीमा से सटे कच्चे व पक्के मार्गों पर कुल 23 बैरियर, नाका व चेक पोस्ट का गठन तात्कालिक रूप से किया गया है।

जिस पर लगातार पुलिस द्वारा चेकिंग की जा रही है।

पुलिस, एसएसबी व पैरामिलिट्री फोर्स ने संयुक्त गश्त की। वहीं फ्लैग मार्च व चेकिंग में सीओ पलिया यादवेंद्र सिंह, प्रभारी निरीक्षक गौरीफंटा अवधेश सिंह, प्रभारी निरीक्षक तिकुनियां मनोज सिंह, प्रभारी निरीक्षक चंदन चौकी विश्वनाथ यादव, थाना प्रभारी संपूर्णानगर निराला तिवारी तथा एसएसबी के जवान व एरिया डोमिनेशन के लिए आए बीएसएफ की पैरामिलिट्री फोर्स के नायक उप निरीक्षक राकेश यादव व भारी पुलिस बल मौजूद रहा।

निष्पक्ष व पारदर्शी चुनाव कराने के लिए जिला प्रशासन कटिबद्धः जिला निर्वाचन अधिकारी

संवाददाता

मिर्जापुर, 17 मार्च (नवसत्ता)। आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। किसी भी प्रकार का राजनीतिक कार्यक्रम बिना अनुमति के नहीं किया जा सकेगा।

जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि आचार संहिता लागू होने के बाद पुलिस एवं जिला प्रशासन की टीमें सक्रिय हो गई हैं और नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में लगाए गए पोस्टर होल्डर, प्रचार हेतु विज्ञापन आदि को तत्काल प्रभाव से हटाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि किसी के निजी आवास पर अगर भवन या प्रतिष्ठान के स्वामी की अनुमति से लगाया गया है तो उसे नहीं हटाया जाएगा। किंतु यदि किसी के द्वारा आपत्ति किया जाता है तो उसे तत्काल हटाया जाएगा। इस सम्बंध में नगर व ग्रामीण क्षेत्रो में टीमें गठितकर आवश्यक दिशा- निर्देश जारी किया गया है, जिसका कड़ाई से अनुपालन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 80 वर्ष से अधिक उम्र के मतदाताओं व दिव्यांगों का मत उनके घर जाकर मतदान कराया जाएगा। पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि घर पर जाकर बैलट पेपर से मतदान कराया जाएगा। जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद के पांच विधानसभा क्रमशः छानबे, सदर मझवा, चुनार व मड़िहान है। जहां पर मतदाताओं की संख्या इस प्रकार है। छानबे विधानसभा में कुल मतदाता 369860 है, जिसमें 193902 पुरुष मतदाता व 175934 महिला मतदाता है। सदर विधानसभा में कुल 4 लाख 306 मतदाता है, जिसमें 210232 पुरुष मतदाता 190047 महिला मतदाता है। इसी प्रकार मझवां विधानसभा में कुल मतदाता की संख्या 400931 है, जिसमें 211080 पुरुष मतदाता व 189829 महिला मतदाता है। चुनार विधानसभा में कुल मतदाता 356034 है, जिसमें 185334 पुरुष मतदाता व 170684 महिला मतदाता है। इसी प्रकार मड़िहान विधानसभा में कुल मतदाताओं की संख्या 370674 है, जिसमें 193998 पुरुष मतदाता व 176660 महिला मतदाताओं की संख्या है।

इस प्रकार पूरे लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में मतदाताओं की संख्या 18 लाख 97 हजार 805 है। उन्होंने कहा कि सभी जनपद वासियों का प्रयास होना चाहिए की निष्पक्ष भाव से मतदान में हिस्सा लें और अधिक से अधिक मतदान करें और मतदान के लिए सभी को प्रेरित करें। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन नें बताया कि कानून व्यवस्था को चुस्त व दुरुस्त रखने के लिए व्यापक रूप से कार्यवाही की जा रही है। इसके लिए जनपद के समस्त थाना व चौकी प्रभारियों को कड़े निर्देश जारी किए गए है। उन्होंने नें बताया कि मादक पदार्थो के अवैध व्यापार पर कड़ाई से अंकुश लगाते हुए धरपकड़ जारी है। अपराधिक कृत्य में संलिप्त लोगो को गुंडा एक्ट के तहत जिलाबदर की कार्यवाही कराई गई है और जो लोग छोटे अपराध व विवाद कर रहे है उन्हें पाबंद करने की कार्यवाही की जा रही है। इस सम्बंध में जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने बताया कि 1 जनवरी 2024 से अब तक जो निरोधात्मक कार्रवाई की गई है उसमें गैंगस्टर अधिनियम में कुल 16 मुकदमों में 48 अभियुक्तों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। गुंडा अधिनियम के तहत कुल 65 चलानी रिपोर्ट प्रेषित की गई है।

89 अपराधी जिला बदर किए गए हैं इन अपराधियों में जिला बदर आदेश का उल्लंघन करने के आरोप में दो के विरुद्ध 10 गुंडा अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है। आबकारी अधिनियम के अंतर्गत कुल 208 मुकदमों में 222 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 2860 लीटर कच्ची एवं 3245 लीटर अंग्रेजी शराब तथा पांच शराब बनाने की भट्टी बरामद हुई और 1420 किलो लहन नष्ट किया गया।

नौ विधानसभाओं के दो लोकसभा में 36 लाख से अधिक मतदाता

संवाददाता

गोरखपुर, 17 मार्च (नवसत्ता)। लोकसभा चुनाव को लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज कर दी गई हैं। एक जून को गोरखपुर सदर व बांसगांव लोकसभा क्षेत्र में मतदान होगा और 36, 32, 946 मतदाता वोट डालेंगे। जनवरी में मतदाता सूची प्रकाशित होने के बाद अब 24538 नए मतदाता बढ़ गए हैं। इसके लिए 2064 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। डीएम कृष्णा करूणेश और एसएसपी गौरव ग्रोवर ने रविवार को पत्रकार वार्ता के दौरान ये जानकारी साझा की। बताया कि, शनिवार को चुनावों की तारीख तय होने के साथ ही आचार संहिता भी लागू हो गई है। इस बार चुनाव में 19,54,088 पुरुष मतदाता और 16,78,599 महिला मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। जिले में सबसे ज्यादा मतदाता गोरखपुर सदर विधानसभा में 4,68,209 एवं सबसे कम मतदाता चौरीचौरा विधानसभा क्षेत्र में 3,55,437 मतदाता हैं। इसके अलावा जिले में 259 थर्ड जेंडर मतदाता बनाए गए हैं। सबसे ज्यादा थर्ड जेंडर पिपराइच विधानसभा क्षेत्र 44 एवं सबसे कम चिल्लूपार में छह हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी कृष्णा करुणेश के मुताबिक सेक्टर व जोनल मजिस्ट्रेट का गठन कर लिया गया है। कलेक्ट्रेट स्थित ई-डिस्ट्रिक में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। वहीं, पहली बार 40,007 हजार मतदाता गोरखपुर में पहली बार मतदान करेंगे। इसके अलावा दिव्यांग मतदाताओं की संख्या है 25131 है। 66,843 मतदाता 80 वर्ष से उपर के हैं। नामांकन के पांच दिन पहले तक बुजुर्ग मतदाताओं को घर से वोट करवाने के लिए आवेदन करना होगा।

चोरी गए उपकरणों का पता लगाने में पुलिस विफल

मिर्जापुर, 17 मार्च (नवसत्ता)। नगर के कटरा कोतवाली थानाअंतर्गत लालडिग्गी पार्क में मौजूद सार्वजनिक व्यायामशाला में पड़े पचासों हजार रुपए मूल्य के विभिन्न उपकरणों के अचानक चोरी चले जाने के मामले का पर्दाफाश करने में इलाकाई पुलिस विफल है। ज्ञातव्य है कि इसी व्यायाम शाला में बीते वर्ष लोहे के पैरेलल 10,20 एवं 25 पाउंड्स के दर्जनों प्लेट्स तथा जोड़ी, गंदा तथा डंबल इत्यादि चोरी चले जाने के बाद इलाकाई पुलिस लिखित तहरीर का इंतजार करती रही और किसी भी प्रकार की कार्रवाई नहीं किये जाने के कारण बीते 5/6 मार्च की रात में एक बार फिर हाथ मारते हुए इसी व्यायाम शाला के बचे-खुचे समानों-पचासों किग्रा वजन के लोहे के दो बेस तथा अन्य उपकरण भी पार कर दिया।

लोकसभा चुनाव प्रबंधन समिति की बैठक सम्पन्न

संवाददाता

मिर्जापुर, 17 मार्च (नवसत्ता)। भारतीय जनता पार्टी के स्थानीय बड़ौदा कछार स्थित जिला कार्यालय सभागार में रविवार को जिला उपाध्यक्ष दिनेश प्रताप सिंह की अध्यक्षता में लोकसभा चुनाव प्रबंधन समिति एवं विधानसभा प्रभारी व संयोजक, विस्तारकों तथा लोकसभा कोर कमेटी के साथ तीन सत्रों में बैठक सम्पन्न हुआ। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार एवं क्लस्टर प्रभारी डॉ0 दयाशंकर मिश्र दयालु मौजूद रहे। साथ में जिला प्रभारी सरोज कुशवाहा, लोकसभा प्रभारी रविन्द्र नाथ पाठक, लोकसभा संयोजक / जिला महामंत्री दिनेश वर्मा भी उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता कर रहे दिनेश प्रताप सिंह ने आये हुए सभी अतिथियों तथा प्रबंधन समिति के सदस्यों का स्वागत अभिनन्दन किया। साथ में लोकसभा प्रभारी रविंद्र नाथपाठक ने कहा कि चुनाव का बिगुल बज चुका है, सभी प्रबंधन समिति के सदस्यों को अपने-अपने कार्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करना है। जिला से लेकर बूथ समिति तक के सदस्यों से मिलकर देश व प्रदेश की सरकार द्वारा किये गये विकास कार्यों के बारे में जनता को अवगत कराना है। अन्त में मुख्य अतिथि/क्लस्टर प्रभारी डा. दयाशंकर मिश्र ने संगठन के प्रत्येक प्रबंधन समिति के सदस्यों को दिये गये कार्यों पर जानकारी लिया एवं संगठन के कार्यों पर सुझाव दिया। उन्होंने बताया कि मंडलों, शक्ति केन्द्रों व बूथ समिति की प्रत्येक टोली बनाकर कार्य करना है तथा जहां हमारा बूथ कमजोर है उस बूथ पर विशेष अभियान चलाकर मजबूत करना है के साथ-साथ अनेकानेक संगठनात्मक चर्चा किया। संचालन जिला महामंत्री रविशंकर पाण्डेय ने किया। उक्त बैठक में मुख्य रूप से विधायकगण रत्नाकर मिश्र, रमाशंकर सिंह पटेल, अनुराग सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष राजू कन्नौजिया, लोकसभा विस्तार भानु प्रताप चतुर्वेदी, जिला महामंत्री हरिशंकर सिंह पटेल, विधानसभा प्रभारीगण राजकुमार जायसवाल, रमाकांत विश्वकर्मा, मनोज सोनकर, देवेन्द्र प्रताप सिंह, आशुतोष चतुर्वेदी विधानसभा संयोजक विपुल सिंह लल्लू राम मोदनवाल, बृजेश दूबे विजय कुमार वर्मा, भानु प्रताप सिंह के साथ-साथ सभी विस्तारकगण व चुनाव प्रबंधन समिति के सभी सदस्यगण उपस्थित रहे।

सीनियर सिटीजन डे-केयर सेंटर की मिली सौगात

संवाददाता

कानपुर, 17 मार्च (नवसत्ता)। कानपुर में सांसद देवेंद्र सिंह भोले विधायक नीलिमा कटियार, नगर आयुक्त शिवशरणप्पा जीएन ने मोतीझील मेट्रो स्टेशन के पीछे तुलसी उपवन में नवनिर्मित सीनियर डे-केयर सेंटर का लोकार्पण किया। इस दौरान सांसद और विधायक ने इस सेंटर में वरिष्ठ नागरिकों के साथ कैरम, शतरंज, लूडो खेलकर उनका हौसला बढ़ाया।

वरिष्ठ नागरिक एचएन मिश्रा, हरपाल सिंह ने इस सेंटर को एक वरिष्ठ नागरिकों के समययापन के लिए महत्वपूर्ण स्थान बताया। नगर आयुक्त ने बताया कि इस सेंटर में वरिष्ठ नागरिक सुबह से देर शाम तक रह सकते हैं। उनके लिए कैफेटेरिया किंचन, महिला, पुरुष एवं विकलांग के लिए शौचालय की व्यवस्था, रेस्ट रूम, इंडोर गेम, योग, लाइब्रेरी चिकित्सा सुविधा, इंटरनल कार्यालय, मिल्क बूथ, ग्रॉसरी स्टोर, ओपेन जिम आदि सुविधाएं उपलब्ध हैं।

फिलहाल ये सुविधाएं निःशुल्क मिलेंगी। संचालन नगर निगम करेगा। इसके बाद में पीपीपी मॉडल पर संचालन होगा। लोकार्पण कार्यक्रम में क्षेत्रीय पार्षद पवन गुप्ता, अपर नगर आयुक्त आवेश खान, अधिशाषी अभियंता प्रोजेक्ट आरके सिंह, जोनल अधिकारी आदि मौजूद रहे। ट्रांसपोर्टनगर सेंट्रल बैंक मार्ग में 1.47 करोड़ से सीवर लाइन बिछने के साथ ही सड़क, फुटपाथ, नालियों का निर्माण होगा।

महापौर प्रमिला पांडेय ने इन कार्यों का शिलान्यास किया। यूपी युवा ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन के संरक्षक श्याम शुक्ला ने बताया यह कार्य होने से ट्रांसपोर्टर ही नहीं, बल्कि राहगीरों को भी राहत मिलेगी। इस मौके पर भाजपा दक्षिण जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह, मंत्री जसविंदर सिंह, वंदना गुप्ता अजय कपूर, कुंवर पदम सिंह, श्याम गर्ग आदि मौजूद रहे।

सीएम ग्रिड योजना से सड़कों के निर्माण सहित नगर निगम, पीडब्ल्यूडी जलकल विभाग, केडीए के करीब 400 करोड़ के विकास कार्य अटक गए। ये काम जून में आचार संहिता खत्म होने के बाद शुरू हो पाएंगे।

जन्मदिन की पार्टी में रईसजादों ने रेस्टोरेंट में लहराया असलहा

संवाददाता

प्रयागराज, 17 मार्च (नवसत्ता)। सिविल लाइंस स्थित एक रेस्टोरेंट में जश्न के सुरूर में डूब रईसजादे जोश में होश खो बैठे। बर्थडे पार्टी मनाने पहुंचे युवकों ने केक काटे जाने के दौरान हवा में असलहा लहराया और गोलियां भी चलाई। दो राउंड फायर किए, जिससे वहां सनसनी फैल गई। फिलहाल, मामले में सिविल लाइंस पुलिस ने कोई भी जानकारी न होने की बात कही है। सूत्रों के मुताबिक घटना 13 मार्च की रात की है। जिस रेस्टोरेंट में यह घटना हुई वह जीएचएस चौराहे के पास स्थित है। यहां जश्न मनाने के लिए एक दर्जन की संख्या में युवक जुटे थे। रात 9:30 बजे के बाद केक काटा जा रहा था। इसी दौरान यहां एक के बाद एक दो फायर किए गए। सरेआम गोलियां चलने से आसपास सनसनी फैल गई। घटना का एक वीडियो भी वायरल हुआ है, जिसमें युवक केक काटते दिख रहे हैं और तभी पीछे से गोलियां चलने की आवाज सुनाई देती है। मौके पर सजी मेज पर दो केक भी दिख रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि रेस्टोरेंट में कई सीसीटीवी कैमरे भी लगे हैं और संभवत घटना किसी न किसी कैमरे में भी जरूर कैद हुई होगी। चर्चा इस बात की भी है कि पार्टी में शामिल एक युवक अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर लेकर पहुंचा था और इसी से फायरिंग की गई। हालांकि,इस बारे में पुलिस ने किसी भी तरह की जानकारी की बात से इन्कार किया।